{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 25 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 153
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 83,294.66
निफ्टी - 25,713.00
सोना - 1,61,350
चांदी - 3,00,000
डॉलर - 90.91

/padmeshmedia | /padmeshmedia | epaper.balaghatexpress.in | E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

कंगना मानहानि केस में सुनवाई 10 को

बठिंडा। मंडी से सांसद कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि मामले की अगली सुनवाई अब 10 मार्च को बठिंडा कोर्ट में होगी। बठिंडा कोर्ट में वकीलों की हड़ताल के कारण शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी, जिसके चलते अगली तारीख तय की गई है। किसान महिला बेबे महिंदर कौर के वकील रघबीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि अगली सुनवाई पर उनकी ओर से दो गवाह पेश किए जाएंगे, जिनमें एक किसान नेता भी शामिल होंगे। इसके साथ ही, कंगना रनोट के पासपोर्ट सरेंडर करने की अर्जी पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा। वकील बहनीवाल ने कोर्ट में कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उन्होंने यह भी बताया कि बेबे महिंदर कौर और उनका परिवार न्याय के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। बता दे कि यह मामला दिल्ली में कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन से जुड़ा है।

छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक साथ राज्य के छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी कोलकाता के सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट और बैंकशाल कोर्ट को एक ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की मिली। मेल में दावा किया गया था कि अदालत परिसर में बम लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, स्निफर डॉग और बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया। घंटों तलाशी ली गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक नहीं मिला। इसी तरह की धमकी हुगली जिले के चिनसुराह कोर्ट, पश्चिम बर्दवान के आसनसोल और दुर्गापुर कोर्ट तथा मुर्शिदाबाद के बेरहामपुर कोर्ट को भी मिली। सभी जगह लगभग एक ही समय पर ऐसे ई-मेल भेजे गए, जिससे हड़कंप मच गया। मेल में दावा किया गया था कि अदालत परिसर में आरडीएक्स से बना आईईडी बम लगाया गया है और उसे दोपहर 12 बजे रिमोट के जरिए उड़ा दिया जाएगा।

रणवीर सिंह को कोर्ट से राहत

बैंगलुरू। गोवा में आयोजित इफ्फी 2025 में रणवीर सिंह ने ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा के एक सीन की नकल की थी। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। अभिनेता के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने को लेकर शिकायत दर्ज हुई। मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। आज मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट की तरफ से उन्हें राहत मिली है। रणवीर सिंह को राहत देते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को निर्देश दिया कि वह एक स्थानीय देवता का कथित तौर पर मजाक उड़ाने के मामले में बॉलीवुड एक्टर के खिलाफ कोई सख्त कदम न उठाए। बेशक रणवीर सिंह को कोर्ट ने राहत दे दी हो, मगर साथ ही फटकार भी लगाई।

सेवातीर्थ में पहली कैबिनेट बैठक में मोदी कैबिनेट ने कई बड़े फैसलों पर लगाई मुहर

केरल का नाम अब होगा केरलम

तीन रेल 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई कार्य संस्कृति और महत्वाकांक्षी फैसलों के साथ 140 करोड़ लोगों के हित को सर्वोपरि रखते हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए हैं। नए पीएमओ भवन 'सेवातीर्थ' में पहली कैबिनेट बैठक का आयोजन हुआ। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह संकल्प लिया गया कि सभी नीतिगत निर्णय संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप होंगे। मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने का फैसला किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों में तीन मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी देने जैसे बड़े फैसलों को हरी झंडी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में, यह संकल्प भी लिया गया कि संवैधानिक मूल्य उस नैतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है, जो शासन को नागरिक की गरिमा, समानता और न्याय से जोड़ती हैं। सेवा तीर्थ की कार्य-संस्कृति में यही भावना निहित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा। यह बैठक एवं यह भवन नये भारत के नवनिर्माण की एक स्पष्ट अभिव्यक्ति है। एक सरकारी रिलीज के अनुसार, इस शुरूआत के साथ, हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे। इसमें कहा गया है, हमने एक ऐसे भारत के सपने देखे, जिसकी सोच स्वदेशी हो, स्वरूप आधुनिक हो, और सामर्थ्य अनंत हो। आज यह सेवातीर्थ उसी संकल्पना का वह मूर्त रूप है जो लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाएगा।

कैबिनेट मीटिंग के 8 बड़े फैसले...

- केरल का नाम बदलकर केरलम होगा।
- गोंदिया-जबलपुर की रेल लाइन डबलिंग के लिए 5236 करोड़ रुपए।
- पुनारख-किऊल की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 2668 करोड़ रुपए।
- गम्हरिया-चांडिल की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 1168 करोड़ रुपए।
- श्रीनगर में नया इंटिग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के लिए 1667 करोड़ रुपए।
- अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2B के एक्सटेंशन के लिए 1067 करोड़ रुपए।
- कच्चा जूट की एमएसपी के लिए 430 करोड़ रुपए।
- पॉवर सेक्टर में रिफॉर्म्स की मंजूरी।

विशेष टिप्पणी

डॉ विपिन बिहारी शांडिल्य

बैनगंगा तट से नर्मदा तट तक !!

विकास का ताना बाना और 30 बरस का इंतजार

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के विकास, 79,072 करोड़ की लागत से महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में लगभग 307 कि.मी. लंबाई के 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स तथा 'केरल' का नाम 'केरलम' किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। लेकिन सबसे अद्भुत था -बालाघाट के हिस्से की उम्मीदों को रेखांकित करना. यह वस्तुत: बहुत बड़ी परिघटना है, बालाघाट जिले के लिए!

माना जा रहा है कि ये निर्णय देश के उत्तर, पूर्व और दक्षिण में अवसंरचना विकास को नई गति प्रदान करेंगे। मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाएं दक्षिण सतपुड़ा की उपत्यकाओं में बालाघाट, मंडला, सिवनी जैसे पिछड़े भौगोलिक बसाहट में तीव्र औद्योगिक विकास और यात्रा सुगमता को मजबूत बनाएंगी। प्रधानमंत्री के नए दफ्तर में दर्ज और घटित ये तीनों निर्णय राष्ट्र की एकता और समग्र प्रगति के दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं।

एक लम्बे वक्त से चले आ रहे इस मांग ने आज अमली जामा पहना है. इन विकासोन्मुख परियोजनाओं एवं सांस्कृतिक विरासत को सजोंने वाले निर्णयों हेतु प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन तो होना ही चाहिए.यह लम्बी अवधि की बहुप्रतिक्षित मांग के पूरे होने का पवित्र दिन भी है. सड़क और रेलवे किसी भी राष्ट्र की जीवन धमनियाँ होतीं हैं. सौभाग्य से ये दोनों अब बालाघाट जैसे कस्बाई चरित्र के जिले को अब हासिल हुआ है।

करीब 231 किलोमीटर रेलमार्ग विस्तार और 5,236 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2030-31 तक पूर्ण होने वाली यह परियोजना बालाघाट जिले में क्षेत्रीय विकास, तेज आवागमन और आर्थिक प्रगति को नई गति देंगी। जिसके लिए बालाघाट जिले ले निवासी कब से पलक पावड़े बिछाए बैठे थे।

दूसरी ओर रेलवे का कायाकल्प भी विकसित भारत की गारंटी है। आज रेलवे में अभूतपूर्व गति से नए रिफॉर्म्स हो रहे हैं। यह इस सरकार की उपलब्धि भी है.बिलाशक अब के दौर में तेज गति से नए रेलवे ट्रैक्स का निर्माण, 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेन्स, आधुनिक रेलवे इंजन्स और कोच फैक्ट्रियां, ये सब 21वीं सदी की भारतीय रेल की तस्वीर बदल रही हैं!!

ट्रेन सामाजिक तौर पर लोगों के जीवन स्तर को सुधारने का क्राँतिकारी तरीका है.हमारे जैसे हजारों गाँव गिराँव के युवा पचास किलो गेंहू और चावल भरकर जब उस दौर में शहर पढ़ने जाते थेज्वहाँ से शुरु हुए हालात अब बदल चुके हैं.तस्वीर का दूसरा पक्ष सबको पता है- सस्ती ट्रेन से स्थानीय लोगों के चार पैसे बचते हैं, जो वो बच्चों की पढ़ाई या अपने जीवन स्तर को सुधारने में लगा सकता हैज्और हाँ, अब कुछ जरूरी बात..कुछ लोकल ट्रेन को ट्रेन ही रहने दें जहाज न बनाएं..वरना ये आम लोगों से कट जाएँगींज्कम किराए में बेहतर सेवा देंज्भारतीय रेल आज भी तीव्र और सर्व सुलभ रियायती यात्रा का अंग है।

इस प्रकार वर्ष 1996 में तब के रेलमंत्री रामविलास पासवान के हाथों जब नैरोगेज लाईन को ब्रॉडगेज में बदलने का शिलान्यास हुआ तब प्रधानमंत्री अटलजी थे.. तब से लेकर पूरे 30 साल बाद अब 2026 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल तक का वक्त उम्मीदों के इर्द गिर्द बीता. सिंगल लाईन रेलवे से उतना लाभ बालाघाट को नहीं मिला जितना अपेक्षित था. अब लाखों जिलेवासियों की उम्मीदों को नए पँख लगेंगे! बालाघाट का कस्बाई चरित्र बदलेगा! देर से ही सही एक बेहतर इबारत तो आज बालाघाट के हिस्से में नई दिल्ली में भारत की सरकार ने लिख दिया है।

बीवीआर सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल पूरा, निधि छिब्बर को यह अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में बीवीआर सुब्रह्मण्यम का तीन वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद मोदी सरकार ने निधि छिब्बर को यह अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। छिब्बर वर्तमान में नीति आयोग के विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) की महानिदेशक हैं और केंद्र सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं की निगरानी तथा उनके प्रभाव के मूल्यांकन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। निधि छिब्बर छत्तीसगढ़ कैडर की 1994 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। अपने प्रशासनिक करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे पूर्व में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं, जहां उन्होंने परीक्षा सुधारों और प्रशासनिक बदलावों का नेतृत्व किया। इतिहास में स्नातकोत्तर तथा विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री धारक छिब्बर को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं पर समान अधिकार प्राप्त है।

पूर्व सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और तीन दशकों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव रखते हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे विश्व बैंक में भी सेवाएं दे चुके हैं। केंद्र सरकार में उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में सचिव और प्रधानमंत्री कार्यालय में अहम जिम्मेदारियां निभाईं। नीति आयोग, जो 1 जनवरी 2015 को स्थापित हुआ, योजना आयोग का स्थान लेकर सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने वाला देश का प्रमुख नीतिगत संस्थान है। यह राज्यों की भागीदारी के साथ विकासोन्मुख नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर वेरिफिकेशन में ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे मदद

इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए; 80 लाख दावों का निपटारा बाकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह

भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है। इससे पहले 20 फरवरी को, पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच चल रही खींचतान से निराश होकर कोर्ट ने एसआईआर प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था।

क्लेम से निपटने में 80 दिन लग सकते हैं

कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं। इस पर एक्शन लेते हुए सीजेआई ने सिविल जजों की मदद लेने की परमिशन दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से वहां के ज्यूडिशियल ऑफिसर भेजने की मांग रख सकते हैं। बेंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा।

शारीरिक संबंध बनाने के बाद कुंडली नहीं मिलने का बहाना शादी से इनकार करना अपराध

-हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की जमानत की याचिका को कर दिया खारिज

नई दिल्ली। शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाना और बाद में कुंडली नहीं मिलने के नाम पर इनकार करना अपराध है। हाल ही में एक मामले में सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने यह बात कही है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा बर्ताव उस आदमी की तरफ से किए गए वादों की वास्तविकता पर शक पैदा करता है। कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की तरफ से दाखिल जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका पर जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा सुनवाई कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि पेश की गई सामग्री से पता चलता है कि आरोपी ने महिला को भरोसा दिया था कि कुंडली मिल गई है। साथ ही शादी में कोई बाधा नहीं आएगी। एक संदेश में आरोपी ने कहा था कि कल ही शादी कर रहे हैं हम। हाईकोर्ट बेंच ने कहा कि शुरुआत में शादी का भरोसा देने के बाद कुंडली न मिलने का आधार बनाकर शादी से इनकार करना, पहली नजर में आवेदक द्वारा किए गए वादे की असलियत और उसकी मंशा पर सवाल खड़े करता है। इस स्तर पर ऐसा व्यवहार अपराध की श्रेणी में आएगा, जो विशेष रूप से उन मामलों से संबंधित है जहां धोखे या शादी के झूठे आश्वासन के जरिए यौन संबंध बनाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता महिला का आरोप था कि आरोपी उसके साथ लंबे समय तक रिलेशन में रहा। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी के वादे के आधार पर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने दावा किया आरोपी और उसके परिवार की तरफ से शादी का वादा मिलने के बाद पहले शिकायत वापस ले ली गई थी। हालांकि, बाद में आरोपी ने कुंडली नहीं मिलने की बात कहकर शादी से इनकार कर दिया। जस्टिस शर्मा ने पाया कि व्यक्ति का यह स्टैंड उसके पिछले दावों से मेल नहीं खाता। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कुंडली का मिलना इतना ही निर्णायक और अहम था, तो शारीरिक संबंध बनाने से पहले ही इस मुद्दे को सुलझा लिया जाना चाहिए था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कुंडली को आधार बनाकर पहले सुलझने का वादा किया गया और बाद में उसको लेकर इनकार किया गया। कोर्ट ने कहा कि इससे पता चलता है कि सहमति झूठे वादे के आधार पर हासिल की गई हो।

एआई समिट हंगामा- उदय भानु 4 दिन हिरासत में

पुलिस बोली- इंडियन यूथ कांग्रेस प्रेसिडेंट ही मास्टरमाइंड

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी।

इधर एआई समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर एआई समिट के दौरान शर्टलैस होकर पीएम मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

कुछ ना कहना

व्हाट्सऐप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह बिना स्पष्ट सहमति के डेटा साझा नहीं करेगा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मैसेजिंग ऐप्स में से एक व्हाट्सऐप ने प्राइवेसी मामले में सुप्रीम कोर्ट के सामने अपना रुख नरम किया है। कंपनी ने कहा है कि वह यूजर्स का डेटा उनकी स्पष्ट मंजूरी के बिना साझा नहीं करेगी और नियामकों के निर्देशों का पालन करेगी। इसे कंपनी का यू-टर्न माना जा रहा है, क्योंकि 2021 में लाई गई नई प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कंपनी पहले काफी आक्रामक रुख में थी।

साल 2021 में व्हाट्सऐप ने अपनी नई प्राइवेसी पॉलिसी जारी की। इस पॉलिसी में कहा गया था कि बिजनेस अकाउंट्स और कुछ अन्य सेवाओं के लिए यूजर्स का डेटा उसकी पैरेंट कंपनी [illegible] के साथ साझा किया जा सकता है। कई यूजर्स और जानकारों ने इसे टेक इट और लीव इट मॉडल बताया। यानी अगर आपको व्हाट्सऐप इस्तेमाल करना है तो शर्तें माननी ही होंगी वरना इस ऐप को आप छोड़ दें। इसका व्यापक विरोध हुआ और मामला नियामक संस्थाओं और अदालतों तक पहुंच गया।

यहां पर इस मामले में कंपीटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने दखल दिया। आयोग ने पाया कि व्हाट्सऐप ने अपनी मजबूत बाजार स्थिति का फायदा उठाया और यूजर्स को नई शर्तें मानने के लिए मजबूर किया। इसलिए ने ऐप पर 200 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगा दिया और डेटा शेयरिंग के तरीके में बदलाव के निर्देश दिए। व्हाट्सऐप ने इस आदेश को चुनौती दी और मामला नेशनल कंपनी लॉ एपेलेट ट्रिब्यूनल तक गया। वहां कुछ राहत मिली, लेकिन विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।

जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने साफ कहा कि यह सिर्फ जुर्माने का मामला नहीं है- यह नागरिकों के मौलिक अधिकार, खासकर निजता के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि क्या यूजर्स को साफ और स्वतंत्र विकल्प दिया गया था? क्या वे बिना दबाव के 'ना' कह सकते थे? ताजा सुनवाई में व्हाट्सऐप ने कहा वह बिना स्पष्ट सहमति के डेटा साझा नहीं करेगा, यूजर्स को डेटा शेयरिंग पर कंट्रोल दिया जाएगा और नियामक आदेशों का पालन किया जाएगा। इसे ही व्हाट्सऐप के रुख में यू-टर्न के तौर पर देखा जा रहा है।

गुटखे के प्रचार को लेकर हाईकोर्ट सख्त, शाहरुख, अजय देवगन और अक्षय कुमार को भी बनाया पक्षकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने गुटखा कंपनियों का प्रचार करने के मामले में अपने पूर्व के आदेश के पालन के संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को हुई सुनवाई के दौरान प्राधिकरण से पूछा था कि 2023 में याची के प्रत्यावेदन पर अब तक जांच लंबित क्यों है? याचिका में गुटखा कंपनियों के साथ क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल तथा अभिनेताओं अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सलमान खान, रितिक रोशन, टाइगर श्राफ, सैफ अली खां व रणवीर सिंह को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये हस्तियां जो पान मसाला कंपनियों का प्रचार कर रही हैं उनमें से अधिकांश पद्म पुरस्कार धारक हैं और उनकी ओर से किए जाने वाले ऐसे विज्ञापनों से समाज में गलत संदेश जाता है। ये विज्ञापन उपभोक्ता कानूनों का उल्लंघन भी है।

शंकराचार्य ने हाईकोर्ट में लगाई याचिका -बोले- प्रयागराज में आईपीएस अजय पाल साजिश रच रहे, सारा सिस्टम मेरे खिलाफ

वाराणसी। बच्चों से यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उन्हें डर है कि प्रयागराज पुलिस उनकी गिरफ्तारी कर सकती है। 21 फरवरी को एसआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी। सोमवार को पुलिस की एक टीम वाराणसी पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस से शंकराचार्य और उनके करीबियों की जानकारी जुटाई।

इधर, मंगलवार को शंकराचार्य ने वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रयागराज के एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। मोबाइल पर अजय पाल शर्मा और आशुतोष महाराज की एक तस्वीर भी दिखाई। इसमें अजय पाल शर्मा केक काटते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि आशुतोष महाराज उनके बगल में खड़े हैं। शंकराचार्य ने कहा कि इनका नाम अजय पाल शर्मा है। इस समय इनके अधीन ही जांच चल रही है। एक हिस्ट्रीशीटर के साथ पुलिस का बड़ा अफसर बर्थडे सेलिब्रेशन कर रहा है। मेरे खिलाफ सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया। पूरे सिस्टम को मेरे खिलाफ इसलिए लगाया गया है, ताकि मैं गो-रक्षा अभियान से पीछे हट जाऊं, लेकिन यह संभव नहीं है।

धान की बकाया राशि, कल्याणी विवाह सहायता, बीमा योजना दावा और अवैध धन उगाही को लेकर पहुंचे कलेक्टर के दफ्तर लोग

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 145 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 24 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 145 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम पंचायत खैरी निवासी 70 वर्षीय किसान गौरीशंकर मोहारे धान खरीदी के दौरान धोखाधड़ी किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। गौरीशंकर ने बताया कि 7 जनवरी 2026 को उन्होंने धान उपार्जन केंद्र कुम्हारी (जरेरा) में 552 बोरी धान तौल के लिए दी थी, लेकिन उनके खाते में केवल 511 बोरी की ही एंट्री और भुगतान किया गया। शेष 41 बोरी की एंट्री दो दिन में करने का आश्वासन दिया गया, जो अब तक नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन केंद्र में कई बार संपर्क करने के बावजूद निरंतर केंद्र के कर्मचारियों द्वारा टालमटोल किया जा रहा हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी उठानी पड़ रही है। किसान ने मामले की जांच कर शेष 41 बोरी धान की बकाया राशि दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट के महाप्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी तहसील के निवासी शुभम गजभिये मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह की राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आए थे। शुभम का कहना था कि उसने 01 वर्ष पूर्व कल्याणी विवाह योजना अंतर्गत अपना विवाह किया और विवाह सहायता राशि प्राप्त करने के लिए अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किये किंतु आज दिनांक तक उसे इस योजना के तहत सहायता राशि प्राप्त नही हुई है। इस प्रकरण में सामाजिक न्याय विभाग को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी तहसील के ग्राम गर्रा की निवासी महक बिसेन पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना की दावा राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। महक ने बताया कि उसके पिता चित्रसेन बिसेन ने भारतीय स्टेट बैंक वारासिवनी में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में अपना खाता खुलवाया था। इस खाते में महक बिसेन को नामिनी नियुक्त किया गया था, जो उस समय नाबालिग थी। उसके पिता का 8 अगस्त 2021 को निधन हो चुका है। अब वह बालिग हो चुकी है। महक का कहना था कि उसने बैंक शाखा में जाकर खाते की जमा राशि एवं बीमा की दावा राशि प्राप्त करने का प्रयास किया, परंतु उसे अब तक राशि प्राप्त नहीं हो सकी। अतः महक को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना बीमा योजना की राशि एवं पिता के खाते में जमा राशि शीघ्र दिलाई जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली निवासी अब्दुल समी शेख ग्राम सरपंच द्वारा अवैध धन वसूली किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। अब्दुल का कहना था कि बाजार चौक डोंगरमाली में उनकी वर्षों पुरानी किराना दुकान थी, जिसे सरपंच द्वारा तीन नोटिस जारी कर हटवा दिया गया। अब्दुल ने बताया कि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि 90 दिनों के भीतर उसी स्थान

पर नया कॉम्पलेक्स बनाकर एक लाख इकसठ हजार रुपये लेकर दुकान (कमरा) आवंटित की जाएगी, लेकिन उन्हें केवल 60 हजार रुपये की रसीद प्रदान की गई। साथ ही, कॉम्पलेक्स का निर्माण पूर्ण होने और अन्य दुकानों के आवंटन के बाद भी उन्हें अब तक दुकान आवंटित नहीं की गई है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत बिरसा के जनपद सदस्य लक्ष्मी मिथलेश पटले ग्राम बीजाटोला में हाट बाजार लगाये जाने की मांग लेकर आए थे। श्री पटले का कहना था कि उनके जनपद क्षेत्र में 10 से 15 गांव आते है, जिनका मुख्य गांव बीजाटोला ही है। इस क्षेत्र के ग्रामीणों को अपनी रोजमर्रा की आवश्यक सामग्रियों सब्जी, किराना आदि जरुरतों की पूर्ति के लिए 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। अतः ग्राम बीजाटोला में साप्ताहिक हाट बाजार लगाने की अनुमति दी जाए एवं खनिज निधि से ग्राम पंचायत को बाजार शेड बनाने के लिए राशि दी जाए। इस पर मिथलेश को बताया गया कि बाजार लगाने के लिए ग्राम पंचायत को अनुमति की आवश्यकता नही है। बाजार शेड निर्माण के लिए जिला खनिज निधि के प्रभारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम भजियादण्ड की शीला टेम्भुर्ने विधवा पेंशन दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। शीला का कहना था कि उसके पति सुरेंद्र टेम्भुर्ने की मृत्यु हो गई है। पति की मृत्यु के बाद मिलने वाली विधवा पेंशन की राशि पिछले कुछ माह से उसे प्राप्त नही हो रही है। अतः उसे विधवा पेंशन की राशि शीघ्रता से दिलायी जाए। इस प्रकरण में बताया गया कि शीला के खाते में दिसम्बर 2025 तक की पेंशन जमा हुई है। जनवरी से उसकी पेंशन वेटिंग में है, जो शासन स्तर से लंबित है।

लांजी तहसील के ग्राम बिसोनी के ग्रामीण पंचायत द्वारा आबादी घोषित भूमि को श्मशान घाट के लिए मरघट घोषित करने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले 70 से 80 वर्षों से जिस भूमि पर दाह संस्कार किया जाता रहा है वह पहले बड़े झाड का जंगल घोषित था। ग्राम पंचायत द्वारा पिछले 10 वर्ष से इस भूमि को आबादी घोषित कर दिया गया है, जिसके कारण ग्रामीणों को मृत व्यक्तियों के दाह संस्कार करने में असुविधा हो रही है। अतः आबादी घोषित भूमि को पुनः मरघट भूमि घोषित की जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम बकोड़ा के गोदावरी करिया आर्थिक सहायता की मांग लेकर आयी थी। गोदावरी का कहना था कि 03 वर्ष पहले उसके पति की मृत्यु हो गई है। पति का संबल कार्ड भी नही था। उसके पास किसी अन्य योजना का भी कार्ड नही है। उसकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। अतः उसे जीवन यापन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने रेडक्रास से गोदावरी को 10 हजार रुपए की सहायता राशि मंजूर की है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम पिपरियाँ (भोटी) की संजना कावरे प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। संजना का कहना था कि उसने लगभग 08 माह पूर्व इस योजना में गर्भावस्था के दौरान अपना फार्म जमा किया था। लेकिन उसे अब तक इस योजना की राशि नही मिली है। उसने एक माह पूर्व सीएम हेल्पलाईन में भी इसकी शिकायत की है। लेकिन उस पर यह शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के बिरसोला निवासी मुसीर खान शिकायत लेकर आए थे कि बिरसोला के पूर्व सरपंच संजय कातुरे एवं वर्तमान उपसरपंच विजय अतकरे द्वारा गांव की आबादी भूमि पर बनी मकानों की खरीदी एवं बिक्री का कार्य किया जा रहा है। जबकि आबादी की भूमि गरीबों एवं भूमिहीन ग्रामीणों को आवासी उपयोग के लिए आवंटित की गई है। अतः इन दोनो व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए और मकान के लेन-देन को निरस्त किया जाए। इस पर जनपद पंचायत लालबर्रा के सीईओ एवं तहसीलदार लालबर्रा को 07 दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम फुलचुर के छन्नुलाल बाघमारे मनरेगा कार्य की मजदूरी दिलाने की मांग लेकर आए थे। छन्नुलाल का कहना था कि उसने मार्च-अप्रैल 2025 में 56 दिन मनरेगा का कार्य किया है लेकिन उसे अब तक मजदूरी का भुगतान नही मिला है। इस पर जनपद पंचायत खैरलांजी के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव की निवासी सुनीता झाडेकर 15 नवम्बर 2024 को सडक दुर्घटना में पति की मृत्यु हो जाने से 06 अक्टूबर 2025 को उसके द्वारा सहायता राशि के लिए आवेदन दिया गया है लेकिन अब तक उसे मोटर दुर्घटना की राशि नही दी गई है। अतः उसे शीघ्र यह राशि दिलायी जाए। ऐसी ही शिकायत खैरलांजी तहसील की भागवंता दमाहे भी लेकर आयी थी। इन प्रकरणों में संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

आवासीय पट्टे के नाम पर 25 वर्षों से बैगा परिवारों को मिल रहा केवल आश्वासन

बैंगा जनजाति के लोगो ने परिवार सहित आकर कलेक्ट्रेट में लगाई गुहार, वारासिवनी वार्ड नं 1 का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास करने वाले लोगों को पट्टे देकर प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य शासकीय योजना का लाभ दिए जाने का दावा किया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसील व ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां अब भी वर्षों से निवास करने वाले गरीबों को आवासीय पट्टे नहीं मिल पाए हैं।जिसके चलते उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जो पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।इसी कड़ी में वारासिवनी वार्ड नंबर 01 कालोनी में निवास करने वाले बैगा समुदाय के लोगो ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौंपकर आवासीय पट्टा,व पीएम आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग की है। स्थानीय बैंगा समुदाय द्वारा सहपरिवार मंगलवार को सौंपे गए इस ज्ञापन में बताया कि वे पिछले 25-30 वर्षों से शासकीय भूमि पर झोपड़े बनाकर निवास कर रहे है ,कई बार आवेदन निवेदन के बाद भी उन्हें शासन द्वारा आवासीय पट्टे जारी नही किए गए हैं। जहां पट्टे ना मिलने के चलते उन्हें प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओ का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जल्द से जल्द आवासीय पट्टे दिए जाने की मांग की है।

पट्टे मांगो तो मिलता है आश्वासन

वारासिवनी नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली रामपायली रोड़ स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पीछे वार्ड नंबर 1 में निवास करने वाले बैंगाओ ने बताया कि वह पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालय के चक्कर लगा रहे है। लेकिन उन्हें आज तक आवास के पट्टे जारी नहीं किए गए हैं।जिसके चलते उनकी आधी जिंदगी झोपड़ी में बीत चुकी है। उन्होंने बताया कि कई बार अपनी इस मांग को लेकर नगर पालिका, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट चुके हैं हर बार पट्टे की मांग की गई है लेकिन पट्टे मांगने पर हर बार उन्हें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिला है।जिन्होंने सभी आवेदको को मकान का स्थाई पट्टा दिए जाने गुहार लगाते हुए, उक्त आवेदन पर यथाशीघ्र विचार कर जल्द से जल्द उन्हें स्थाई पट्टे की सौगात दिए जाने की गुहार लगाई है।

रोजगार नही है भीख माँगकर करते है गुजारा

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान आवेदकों ने बताया कि वह बैंग समुदाय से आते हैं और भीख मांग कर अपना जीवन यापन करते हैं उनके पास रोजगार का और कोई साधन नहीं है वे वारासिवनी के वार्ड 01 कॉलोनी में लगभग 40 से 42 परिवार, 25-30 वर्षो से निवास कर रहे है।हमारे पीछे यहां बसने वाले अन्य लोगों को पट्टा दे दिया गया और वह पक्के मकान बनाकर रह रहे है लेकिन हमारे द्वारा कई बार आवेदन किए जाने के बावजूद, आज तक प्रशासन ने हमें पट्टा प्रदान नहीं किया है। हमारी मांग है कि हमें आवासीय पट्टे प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए।

सभी सुविधाएं दी, पर पट्टा नही

विशेष जनजाति बैगा परिवारों का आरोप है कि करीब 42 परिवार के 200 से अधिक लोग सरकारी भूमि पर अपने झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे हैं। सरकार ने आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, वोटिंग कार्ड, सड़क, बिजली, पानी सहित अन्य प्रकार की सुविधा दी है।उसी जगह के एड्रेस पर उनके तमाम शासकीय दस्तावेज बने हुए हैं।लेकिन जो सबसे जरूरी वह आवासीय पट्टा है।जो सरकार ने अब तक नही दिया है।पिछले 25 वर्षों से पट्टे की मांग को लेकर आवेदन निवेदन कर रहे है।अधिकारियो और उनके कार्यालयो के चक्कर काट रहे है, लेकिन पट्टे नही मिल रहे है।जिसको लेकर बैंगा समुदाय में काफी आक्रोश है जिन्होंने किसी भी कीमत पर उक्त भूमि को खाली नहीं किए जाने की बात कही है।

यह ऑफिस से वो ऑफिस चक्कर काटने बोलते हैं पर पट्टे नहीं देते-मुन्नीबाई

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान बैंगा, रागनी धुर्वे, और बैंगा,मुन्नीबाई व ?कडे सहित अन्य ने संयुक्त रूप से बताया कि वे पिछले कई वर्षों से पट्टे की मांग को लेकर शासकीय कार्यालयो के चक्कर काट रहे हैं जनसुनवाई में भी कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं,इसके अलावा कई बार तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, नगर पालिका वारासिवनी में भी ज्ञापन दिया जा चुका है। यहां तक की पट्टे देने के लिए हमसे दो-तीन बार दस्तावेज भी लिए गए हैं। दो से तीन बार सर्वे भी कर दिया गया है।बावजूद इसके पट्टे जारी नहीं किए गए हैं इसके पहले जब हमने ज्ञापन सौंपे थे तब कहा गया था कि फरवरी में पट्टे आवंटित कर दिए जाएंगे, लेकिन अब फरवरी समाप्त होने में महज 4 दिन शेष रहे गए हैं।लेकिन अब तक पट्टे देने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। जब भी ज्ञापन सौंपने आओ तो कभी कलेक्टर कार्यालय,कभी एसडीएम कार्यालय, कभी तहसीलदार कार्यालय तो कभी नगर पालिका कार्यालय जाने के लिए कहा जाता है। वहां जाओ तो वह पुनः कलेक्टर कार्यालय भेज देते हैं। हमारी मांग है कि हमें जल्द से जल्द आवासीय पट्टे, उपलब्ध कराया जाए वही प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिया जाए ताकि बची कूची जिंदगी हम पक्के मकान में सुकून से काट सके।

किरनापुर के ग्राम परसवाड़ा से कार चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम परसवाड़ा से घर के टीन शेड के नीचे खड़ी एक कार चोरी हो गई। जिसकी कीमत 98हजार रुपये बताई गई है । किरनापुर पुलिस ने अमित कुमार बाहे द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित कुमार कृषि कार्य करते हैं। जिन्होंने सन् 2022 में मारुति सुजुकी ईको बी एस 6 सफेद रंग की कार खरीदी थी। 23 फरवरी को दोपहर में अमित कुमार अपनी इसी कार से रजेगांव गए थे। और वे शाम 5:00 बजे अपने घर वापस आए और कार को घर के सामने टीन सेट के नीचे खड़े कर दिए थे। जिन्हें कार में लगी चाबी निकालने का ध्यान नहीं रहा और चाबी कार में ही लगी रह गई थी। रात में अमित कुमार अपने परिवार के साथ खाना खाकर सो गए थे 24 फरवरी को सुबह 6:00 बजे उन्होंने उठकर देखें घर के सामने मारुति कार दिखाई नहीं दी। जिन्होंने अपनी कार को आसपास के गांव में तलाश किये। किंतु कार नहीं मिली। जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया चोरी गई कार एम पी 50 सी ए 1850 की कीमत करीब 98 हजार रुपये बताई गई है। किरनापुर पुलिस ने अमित कुमार द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कार चोरी करने के आरोप में धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर कार और चोर की तलाश शुरू की है।

किराये से देना है
दुकान/ऑफिस किराये से देना है
स्टेट बैंक के पास मेन रोड बालाघाट
-संपर्क करें-
8516809720

कक्षा 10 वीं की गणित परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के अंतर्गत 24 फरवरी को गणित विषय का प्रश्नपत्र जिले के 132 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी उपाध्याय के नेतृत्व में गठित दल द्वारा 7 परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय भंडेरी, मलाजखंड, पल्हेरा, मंडई, दमोह, उत्कृष्ट बिरसा तथा मानेगांव परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया गया। निरीक्षण दल ने केंद्रों पर व्यवस्थाओं, गोपनीयता एवं अनुशासन की स्थिति का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए।

10वी बोर्ड परीक्षा में जिले में कुल 21,682 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 21,212 छात्र-छात्राएं परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 470 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान जिले में किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। जिला शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता बरती जा रही है तथा आगामी परीक्षाओं के लिए भी इसी प्रकार की निगरानी जारी रहेगी।

मन्झले भाई की मोटरसाइकिल चलाने पर बड़े भाई ने छोटे भाई की कर दी पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सायल के नहर टोला में मंझले भाई की मोटरसाइकिल चलाने पर बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की पिटाई कर दी और पुनः मोटरसाइकिल चलाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में लोकेश पिता सुंदर सिंह तेकाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी जागेश तेकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं और वे चार भाई है। सबसे छोटा जागेश तेकाम है। बड़ा भाई लोकेश तेकाम घर से कुछ ही दूरी पर गांव में ही रहता है।23 फरवरी के शाम 6 बजे जागेश तेकाम अपने मन्झले भाई महेश तेकाम की मोटरसाइकिल लेकर अपने बड़े भाई लोकेश तेकाम के घर के सामने बर्रा में पहुंचा था और उसने मोटरसाइकिल खड़ी की थी। उसी समय उसका बड़ा भाई लोकेश तेकाम आया और बोलने लगा कि महेश ने तुझे मोटरसाइकिल चलाने दिया है। मै मोटरसाइकिल मांगता हूं तो मना कर देता है। और वह जागेश से विवाद करने लगा और दोबारा मोटरसाइकिल लेकर आने पर उसने मोटरसाइकिल को आग लगाने धमकाया। जागेश तेकाम ने अपने बड़े भाई को समझाते हुए बोला कि ऐसा क्यों बोल रहे हो। तभी लोकेश आवेश में आ गया और उसने जागेश तेकाम को अश्लील गालियां देते हुए हाथ भूसे से मारपीट कर उसे जमीन पर पटक दिया और दोबारा मोटरसाइकिल को इधर लाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।मारपीट में जागेश तेकाम घायल हो गया था। जो अपनी पत्नी के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने जागेश तेकाम द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बड़े भाई लोकेश तेकाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा0प्र0क0/0054/0055/ब-154/वर्ष 2025-26
साकिन:- बंगालीटोला प0ह0नं0. 76 रा0नि0म0 सेवती
तहसील किरनापुर

// समाचार पत्र प्रकाशन //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंवरलाल पिता केंउ जाति कुनबी निवासी ग्राम बंगालीटोला तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपनी माताजी इनी कुथे की मृत्यु दिनांक 07/05/2007 को मृत्यु हो जाने तथा अपने पिताजी केंउ पिता मोना की मृत्यु दिनांक 06/11/2000 को मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 26/02/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट मंडरा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

किराये से देना है
ऑफिस काम हेतु
800 Sq.Fit जगह
लेट-बाथ सहित सीमेंट रोड में
1st फ्लोर में सर्वसुविधायुक्त
मो. 9827983285

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

सहकारी समिति ने स्वयं की जमीन पर किया है निर्माण, अनावेदक द्वारा झूठी शिकायत कर लगाया जा रहा अड़ंगा

सहकारी समिति पदाधिकारियो ने कलेक्टर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिरसा के द्वारा स्वयं की जमीन पर निर्माण कार्य करवाया गया है,लेकिन क्षेत्र के ही एक व्यक्ति के द्वारा मामले की झूठी शिकायत कर कार्य में अड़ंगा लगाया जा रहा है जिससे दिक्कते हो रही है। ऐसी परिस्थिति से

बचने व झूठी शिकायत करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को समिति के कुछ पदाधिकारी न कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जिन्होंने उक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सम्बधित व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

भूमि को अपना बता कर की जा रही शिकायत

ज्ञापन सौंपने के दौरान योगेन्द्र कुमार बिसेन, रामेश्वर तुरकर सहित अन्य ने बताया कि मल्टीपर्पस कापरेटिव सोसायटी को खसरा नंबर 6.25 रकबा 1.121 हेक्टेयर में से 0.20 डिसमिल आवंटित भूमि में पूर्व में कापरेटिव सोसायटी बिरसा का कच्चा भवन था जिसके स्थान पर कापरेटिव सोसायटी बिरसा द्वारा नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कार्य किया गया है। उक्त भूमि राजस्व विभाग के रिकार्ड में मल्टीपर्पस कापरेटिव सोसायटी को आवंटित है। कापरेटिव सोसायटी बिरसा द्वारा स्वयं की भूमि पर निर्माण किया गया है। जिसकी शिकायत शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार 181 पर की जा रही है, और उक्त भूमि को स्वयं की भूमि कह रहा है जबकि इनके आधिपत्य कि भूमि अलग है फिर उसके द्वारा लगातार शिकायत कर कार्यालयीन कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है। जबकि न्यायालय ने भी इस मामले में हमारे पक्ष में फैसला दिया है बावजूद इसके भी शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार शिकायत करके अड़ंगा लगाया जा रहा है हमारी मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी पर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

भाजपा कार्यालय में बजट पर प्रेसवार्ता, राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने गिनाई उपलब्धियां, सवालों पर हुई तीखी चर्चा

मंत्रियों को शब्दों के चयन में संयम बरतना चाहिये-कुलस्ते

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लोकसभा क्षेत्र मंडला के सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने हाल ही में प्रस्तुत प्रदेश बजट को लेकर भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बजट की प्रमुख उपलब्धियों को मीडिया के समक्ष रखा और कहा कि यह बजट आमजन, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया है। सांसद कुलस्ते ने बताया कि इस बार का बजट आकार में बड़ा होने के साथ-साथ विकासोन्मुखी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का विस्तार किया है। उनके अनुसार यह बजट प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए तीखे सवालों को लेकर माहौल कुछ समय के लिए गरमा गया। कुछ सवालों के दौरान मंत्री, भाजपा जिला अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी सीधे जवाब देने से बचते नजर आए। यहां तक कि पत्रकारों के प्रश्न पूर्ण होने से पहले ही कुछ पदाधिकारी खड़े हो गए, जिस पर मीडिया प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। पत्रकारों की आपत्ति के बाद मंत्री ने पुन: बैठकर सवाल सुने और उनके जवाब दिए। हालांकि कई प्रश्नों पर उन्होंने सामान्य एवं गोलमोल उत्तर दिए। इस दौरान जब भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के एक बयान को लेकर सवाल पूछा गया, तो सांसद कुलस्ते ने कहा कि वह उनका व्यक्तिगत बयान है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि और मंत्री को सार्वजनिक मंच पर शब्दों का सही चयन करना चाहिए।

24 फरवरी को स्थानीय भाजपा कार्यालय में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को लोकसभा क्षेत्र मंडला के सांसद एवं मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने

संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए सांसद कुलस्ते ने मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की प्रमुख उपलब्धियों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि पूर्व के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक व्यापक, समावेशी और दूरदर्शी है। उनके अनुसार वर्तमान बजट में समाज के हर वर्ग , किसान, युवा, महिला, मजदूर, व्यापारी और ग्रामीण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किए गए हैं। राज्यमंत्री ने दावा किया कि यह बजट विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधोसंरचना विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनावी घोषणाओं पर गोल-मोल जवाब

केंद्र और प्रदेश सरकार के बजट तथा चुनावी घोषणा पत्र को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते कई महत्वपूर्ण सवालों पर स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। चुनाव के दौरान किए गए वादों और घोषणा पत्र में शामिल बिंदुओं को पूरा किए जाने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि बजट में सीधे तौर पर समर्थन मूल्य और सब्सिडी के लिए अलग से प्रावधान दर्शाया नहीं गया है, लेकिन सरकार अपने पूरे कार्यकाल में घोषणा पत्र के सभी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करेगी। जब उनसे यह पूछा गया कि केंद्र और प्रदेश के हालिया बजट में बालाघाट जिले को क्या विशेष उपलब्धि , सौगात मिली है, तो वे इस प्रश्न पर स्पष्ट उत्तर नहीं दे सके। उन्होंने सीधा जवाब देने के बजाय समग्र रूप से मध्य प्रदेश के विकास की बात कही और राज्य को विकसित बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया, लेकिन बालाघाट के लिए किसी बड़ी परियोजना, विशेष प्रावधान का उल्लेख नहीं कर पाए।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर भी टालमटोल

जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे मूलभूत मुद्दों को लेकर भी राज्यमंत्री से सवाल किए गए। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति और किसानों से जुड़े विषयों पर स्पष्ट योजना पूछे जाने पर भी वे ठोस जानकारी नहीं दे सके। उन्होंने कहा कि सरकार इन विषयों पर धीरे-धीरे कार्य कर रही है और आगे भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शिक्षकों की कमी को स्वीकार करते हुए उन्होंने जल्द नियुक्तियां होने की बात कही, लेकिन समय-सीमा या विस्तृत योजना पर कुछ स्पष्ट नहीं कर पाए।

राहुल गांधी पर टिप्पणी

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री पर दिए गए बयानों को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर सांसद कुलस्ते ने कहा कि कांग्रेस में जिस प्रकार पहले सीताराम केसरी की स्थिति थी, वैसी ही स्थिति आज राहुल गांधी की है। उन्होंने राहुल गांधी की समझ और उनके बयानों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे इस विषय पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि राहुल गांधी देश और देशवासियों को कितना समझते हैं।

मंत्रियों को शब्दों के चयन में संयम की नसीहत

हाल ही में मंत्री कैलाश विजयवर्गी द्वारा दिए गए विवादित बयानों को लेकर भी सवाल उठाया गया। इंदौर की घटना पर मीडिया से बातचीत के दौरान घंटा शब्द और सदन में कांग्रेस नेता के लिए औकात जैसे शब्दों के प्रयोग पर प्रतिक्रिया मांगी गई। इस पर सांसद कुलस्ते ने कहा कि वह बयान पार्टी का आधिकारिक बयान नहीं, बल्कि संबंधित मंत्री का व्यक्तिगत वक्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि या मंत्री को सार्वजनिक मंच से बोलते समय शब्दों का सही चयन करना चाहिए।हालांकि उन्होंने इसे व्यक्तिगत मामला बताते हुए अधिक टिप्पणी करने से परहेज किया।

अमरलाल मंगलानी 948 मतों से तीसरी बार चुने गए अध्यक्ष

बालाघाट पूज्य सिंधी पंचायत का चुनाव संपन्न

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिकी चुनाव 24 फरवरी को मतदान प्रकिया के तहत सम्पन्न कराए गए। इस चुनाव में समाज के 1519 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।जिंसमे से 12 मत अवैध घोषित किए गए।उधर मंगलवार की रात जारी किए गए चुनाव परिणाम के अनुसार अमरलाल पिता स्व. कन्हैयालाल मंगलानी तीसरी बार पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष चुने गए, जिन्हें सामाजिक बंधुओ ने 948 मतों से विजय बनाया है।जहां मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित कर,आगामी 3 वर्षों के लिए अमरलाल मंगलानी को पूज्य सिंधी पंचायत का नया अध्यक्ष घोषित किया गया।उधर पूज्य सिंधी पंचायत के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए खड़े उम्मीदवार गोपाल दास पिता स्व. धनराज आडवानी को 477 मत प्राप्त हुए, तो वही उम्मीदवार सुरेशचंद पिता स्व. चंदीराम रंगलानी को महज 82 मत मिले।

तीसरी बार अध्यक्ष बने अमर मंगलानी

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार 24 फरवरी को संपंन हुई निर्वाचन प्रकिया में एक बार फिर समाज के अध्यक्ष पद की कमान समाजिकजनो ने पूर्व अध्यक्ष अमर मंगलानी के हाथो में सौंप दी है, मंगलवार की शाम लगभग 8 बजे घोषित किये गये परिणाम के बाद समाजिकजनो में खासा हर्ष देखा गया।

चुनाव को लेकर सामाजिक बन्धुओ में दिखा उत्साह

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पद को लेकर तय कार्यक्रम के तहत 24 फरवरी को सिंधु भवन में मतदान प्रकिया का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रात: से ही समाजिक चुनाव को लेकर समाजिक जनो में खासा हर्ष रहा, समाज के बड़े बुजुर्ग से लेकर युवा भी इस समाजिक चुनावी प्रकिया में हिस्सा लेने सिंधु भवन पहुंचे और नियमानुसार मतदान प्रकिया में हिस्सा लिया।ज्ञात हो कि तीन वर्षीय कार्यकाल के लिए पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे।जिनके चुनाव के लिए प्रात: 8 बजे से प्रारंभ हुई मतदान प्रकिया शाम 5 बजे तक चली जिसको लेकर समाजिक जनो में हर्ष दिखाई दिया। वहीं देर शाम मतगणना पूरी कर रात्रि में चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

अमर मंगलानी और गोपाल आडवानी के बीच दिखी काटे की टक्कर

उधर शाम 5 बजे तक चली मतदान प्रकिया के बाद मतगणना प्रकिया भी निर्वाचन मंडल में शामिल सदस्यो के द्वारा सम्पन्न कराई गई, जिसमें पूर्व अध्यक्ष अमर मंगलानी और गोपाल आडवानी के बीच काटे की टक्कर रहीं। जैसे जैसे चुनावी परिणाम सामने आने का समय निकट आता गया।समाजिकजनों में उत्सुकता ब?ती गई, संपूर्ण मतगणना के बाद लगभग रात्रि 8 बजे आखिकार समाज के वरिष्ठ और निर्वाचन अधिकारी रमेश रंगलानी ने परिणामो की घोषणा की। जिसमें एक बार फिर अमर मंगलानी 948 मतो से विजयी घोषित किये गये।

471 मतों से मंगालनी जीते है चुनाव- रंगलानी

निर्वाचन अधिकारी रमेश रंगलानी ने बताया कि पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे जिसमें सुरेश रंगलानी को 82 मत, गोपाल आडवानी को 477 मत और अमर मंगलानी को 998 मत प्राप्त हुए है। इस मतदान में 1519 मतदाताओं ने भाग लिया था जिसमें से 12 मत अवैध पाए गए। इस तरह यह चुनाव 471 मतों से अमरलाल मंगलानी ने जीत लिया है। अपने उद्बोधन के अंत में निर्वाचन अधिकारी श्री रंगलानी ने सभी का आभार जताया।

सभी को साथ लेकर करेंगे समाजिक उत्थान-मंगलानी

चर्चा के दौरान नव नियुक्त अध्यक्ष अमरलाल मंगलानी ने बताया कि वे इसके पूर्व भी दो बार पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं। उस समय भी उन्होंने पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम किया था।आज सामाजिक बंधुओ ने उन्हें पुन: अध्यक्ष पद का दायित्व दिया है। वह इस दायित्व व जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ पालन करेंगे।सभी सामाजिक बन्धुओ को साथ लेकर चलेंगे। सभी के सहयोग से सामाजिक उत्थान के कार्य किए जाएंगे।

अंग्रेजी हुकूमत के काले कानूनों को किया जाए रद्द

8 सूत्रीय मांगों को लेकर पुलिस विभाग एंव पुलिस परिवार कल्याण संघ ने सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ की वर्षों से लंबीत कुछ मांगे हैं जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। बार-बार इन मांगों को लेकर आवेदन निवेदन व आंदोलन करने के बावजूद भी मांगे पूरी न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए संगठन द्वारा 24 फरवरी मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया है।जिंसमे उन्होंने संगठन को मान्यता देने, अंग्रेजी हुकूमत में बनाए गए काले कानूनों को रद्द कर नए कानून बनाने और उनकी 8 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। राष्टीय अध्यक्ष नंदकिशोर पटवा के आदेश पर जिला अध्यक्ष महेश शरणागत के नेतृत्व में प्रधानमंत्री,और राष्टपति के नाम संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक को सौंपे गए इस ज्ञापन में संगठन द्वारा होली के पूर्व इन सभी मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है।जिंसमे उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर होलीका दहन के समय सभी काले कानूनों की प्रतियां होली के जलाने की चेतावनी दी है।

इन 8 सूत्रीय मांगो को पूरा करने की लगाई गुहार

संगठन द्वारा भारत से ब्रिट्रिश हुकुमत के समय के सम्पूर्ण काले कानून जल्द से जल्द खत्म करके नए कानून बनाने, पुलिस विभाग की ड्यूटी 8 घंटें की कर, 50,000 रू तनख्वाह के साथ में साप्ताहिक छुट्टी देने, भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत कराने 18 रुपया साईकिल भत्ता की जगह 6 हजार रू मासिक पेट्रोल भत्ता देने, पुलिस विभाग को अच्छे आवास सुविधा देने या फिर 5 हजार रू आवासीय भत्ता दिया जाने, भारत में राष्टीय न्यायिक आयोग, एंव राष्टीय पुलिस आयोग, दोनो का तुरंत गठन करने, न्यायलय, शासन, प्रशासन, में जबाबदेही के साथ समस्त कार्यों की समय सीमा लागू करने, लोकायुक्त पुलिस द्वारा रंगे हाथो पकडे गए अपराधी का 90 दिनों में चालान पेश कर,10 साल की सजा का कानून बनाने, लोकायुक्त, ईओडब्लू, को चालान पेश करने का स्वंत्रत अधिकार देने, पूरे भारत में शिक्षित युवक/युवतियो को पुलिस विभाग रेल विभाग जेल विभाग वन विभाग में 2 करोड़ से अधिक भर्ती करने, सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए,उक्त सभी मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

अंग्रेजी हुकमत के काले कानूनों को तत्काल किया जाए रद्द

पदाधिकारियो ने बताया कि भारत का एक मात्र संगठन जिसने 2017 से भारत में ब्रिट्रिश हुकुमत के सम्पूर्ण हत्यारा काले, कानूनो को खत्म करने की मांग शुरु की थी जो 1 जुलाई 2024 को खत्म न कर बदलाव शुरु किया गया है लेकिन आज भी भारत देश मे अंग्रेजों के बहुत से हत्यारे, काले कानून लागू है।जिसे आयोग बनाकर खत्म कर भारत की जनता के अनुसार दूसरे कानून बनाए जाए क्योंकि अंग्रेजो ने भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए हत्यारे काले कानून बनाए थे जो आज भी लागू है।इसके अलावा पुलिस विभाग एंव पुलिस परिवार कल्याण संघ की सतत 10 वर्षों की मेहनत से 163 साल पुराना ब्रिट्रिश हुकुमत के हत्यारे, काले, कानून यानी इन्डियन पैनल एक्ट 1860+61 पुलिस एक्ट बदलाव शुरू हुआ एंव न्यायपालिका में भी किसी भी केस की 3 सालो की समय सीमा निरधारित कर दी गई है जो केन्द्र सरकार का स्वागत योग्य कदम है।लेकिन अभी ऐसे कई काले कानून है जिन्हें रद्द किए जाने की आवश्यकता है, हमारी मांग है कि इन कानून को यथाशीघ्र करने कानून बनाए जाए।

संगठन को दी जाए मान्यता

पदाधिकारियो ने बताया कि संघ द्वारा 10 सालो से पूरे देश में अग्रेंजो के हत्यारे, काले, कानुन बदलवाने के लिए जमीनी लडाई लड रहा है संगठन ने सिर्फ 10 सालो में पूरे देश में कम से कम 10 हजार से अधिक ज्ञापन देकर एक कीर्तिमान बनाया है एंव सैकडो आन्दोलन धरना, प्रदर्शन, एंव 7 वर्षो से लगातार होलिका दहन में अग्रेंजो के हत्यारे, काले, कानूनो को पूरे देश में जलाता आ रहा है जिससे केन्द्र सरकार को अग्रेंजो के घटिया कानून को बदलवाने ध्यान केन्द्रित कराया।जिसका सुखद परिणाम आज पूरा देश को मिल रहा है एंव पूरा विश्व देख रहा है। हम सरकार से विशेष अनुरोध करते है कि पुलिस विभाग एंव पुलिस परिवार कल्याण संघ के नाम की मान्यता का नियम बनाकर संगठन को इसी नाम की मान्यता दी जाए अगर भारत सरकार ने अग्रेंजो के सम्पूर्ण घटिया कानून कत्म कर दिए गए हो तो संगठन को विधिवत मान्यता दी जाए यही निवेदन है।

तो होली में जलाई जाएगी काले कानूनों की प्रतियां- महेश

संगठन जिला अध्यक्ष महेश शरणागत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि केन्द्र सरकार 2 मार्च से पहले अग्रेंजो के सभी हत्यारे, काले, घटिया, कानूनो को एंव पुलिस रैग्युलशन एक्ट, को खत्म नही करती और संगठन को होलीका दहन से पहले विधिवत मान्यता नही दी जाती तो पुलिस विभाग एंव पुलिस परिवार कल्याण संघ 2 मार्च 2026 को अग्रेजो के काले घटिया, कानूनो की प्रतियां होलिका दहन में जलाई जाएगी।इस दौरान यशवंत लिल्हारे जिला महामंत्री, अशोक ब्रम्हे वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, श्रीमती उषा धुवारे महिला जिला अध्यक्ष, श्रीमती दिपिका बिसेन जिला उपाध्यक्ष, श्रीमती ममता बिसेन जिला प्रचार मंत्री, श्रीमती सिमा सिंग नगर अध्यक्ष, सुबेदार सोमेश्वर रहांगडाले जिला उपाध्यक्ष हंसलाल ठाकरे जी जिला उपाध्यक्ष, रामचंद्र सिहोरेजी जिला उपाध्यक्ष, कनू भाई संचेती जिला प्रवक्ता, सुखदेव मुनी कुतराहे बालाघाट तहसील अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सरेखा रेलवे ओवरब्रिज से राष्ट्रीय मार्ग तक पक्की नाली व सड़क चौड़ीकरण की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत कोसमी अंतर्गत सरेखा रेलवे ओवरब्रिज से राष्टीय मार्ग के दोनों ओर पक्की नाली निर्माण तथा सड़क चौड़ीकरण कराए जाने की मांग को लेकर सरपंच प्रतिनिधि ने कलेक्टर

को जनसुनवाई के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया कि उक्त मार्ग पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बरसात के दिनों में पानी भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्राम पंचायत कोसमी के सरपंच प्रतिनिधि गगन नगपुरे ने कलेक्टर को जनसुनवाई के माध्यम से ज्ञापन सौंपते हुए बालाघाट-गोंदिया मार्ग पर कोसमी सरेखा रेलवे ओवरब्रिज से लगभग एक किलोमीटर तक सड़क के दोनों ओर पक्की नाली निर्माण तथा सड़क चौड़ीकरण की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ओवरब्रिज से नवीन बायपास मार्ग (गोंदिया रोड) तक सड़क के दोनों ओर पक्की नालियां नहीं होने से वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे न केवल आवागमन प्रभावित होता है, बल्कि सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है। क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर घनी आबादी बस चुकी है, जिसके कारण पानी की निकासी सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि ग्राम के एफसीआई चौक के पास कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर कच्ची नाली को अवरुद्ध कर दिया गया है। इसके चलते जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो रही है और पानी एफसीआई गोदाम कोसमी तक पहुंचकर वहां संग्रहित अनाज को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए सड़क का चौड़ीकरण भी अत्यंत आवश्यक है। ओवरब्रिज से ग्राम खुरसोड़ी तक सड़क को दोनों ओर से लगभग 3-3 मीटर चौड़ा किए जाने की मांग की गई है।

समरलाल ने अपने घर के कमरे में फांसी लगा लिया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरिया में इसी ग्राम के व्यक्ति की अपने घर में फांसी लगाने से मौत हो गई ।मृतक रूपलाल पिता समरलाल नागेश्वर नागेश्वर 35 वर्ष के द्वारा मानसिक बीमारी के चलते फांसी लगाने की संभावना व्यक्ति जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपलाल नागेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो बच्चे और भाई भी है। बताया गया है कि 4 महीने पहले से रुपलाल नागेश्वर मानसिक रुप से अस्वस्थ था जिसका इलाज परिवार केद्वारा किया जा रहा था। जिसने मानसिक बीमारी के चलते जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश भी की थी। जिसका इलाज हाल ही में चल रहा था। 22 फरवरी शाम 7 बजे जब घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी रूपलाल नागेश्वर बैलो के लिए पैरा लेने पुराने घर जा रहा हूं कहकर घर से निकला था। किंतु वह घर नहीं लौटा। तब रात्रि 11:00 बजे उसके पिता ने समर लाल नागेश्वर ने पुराने घर में जाकर देखा तो पुराने घर के कमरे में रूपलालनागेश्वर फांसी पर लटका हुआ था। जिसने कमरे की पट्टिया में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी। रस्सी काटकर रूपलाल नागेश्वर को नीचे उतारे किंतु उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट समरलाल नागेश्वर 70 वर्ष के द्वारा बिरसा पुलिस थाना में की गई थी। प्रधान आरक्षक राजेश परते अपने स्टाफ के साथ ग्राम डोंगरिया पहुंचे और मौके की कार्रवाई की। 23 फरवरी को सुबह प्रधान आरक्षक राजेश परते ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात रूपलाल नागेश्वर का शव बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए । संभावना व्यक्त की गई है कि रूपलाल नागेश्वर ने मानसिक बीमारी के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रधान आरक्षक श्री परते द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा सँहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

ऑपरेशन थिएटर में अव्यवस्था देख सर्जन हुए नाराज, ऑपरेशन करने से किया मना, घंटो इंतजार के बाद बिना नसबंदी ऑपरेशन बैरंग लौटी महिलाएं!!

महाविद्यालय के बालिका छात्रावास में अस्थाई रूप से अस्पताल का हो रहा संचालन, व्यवस्था में सुधार करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मंगलवार को नसबंदी आपरेशन शिविर के दौरान उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ऑपरेशन करने मंडला जिले से पहुंचे सर्जन ने ओटी (ऑपरेशन थिएटर) में पर्याप्त सुविधाएं न होने एवं आंधी-अधुरी तैयारियों को देखकर इस कदर नाराज हुऐ कि आपरेशन करने से मना कर दिये और बिना आपरेशन किये वापस लौट गये। इस अव्यवस्था के चलते सुबह से भूखी-प्यासी दुर-दराज से पहुंची करीब ७० से ८० महिलाओं को बिना आपरेशन करवाये ही वापस घर लौटना पड़ा, जिससे क्षेत्र की महिलाओं व परिजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

इंजेक्शन लगाने के बाद सर्जन ने किया मना

नवीन अस्पताल भवन के निर्माण कार्य के चलते वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन अस्थाई रूप से शासकीय महाविद्यालय के बालिका छात्रावास में किया जा रहा है। २४ फरवरी को लालबर्रा मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं के नसबंदी (टीटी ऑपरेशन) हेतु शिविर का आयोजन किया गया था। शासन के इस महत्वपूर्ण अभियान का लाभ लेने के लिए क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में महिलाएं सुबह से ही अस्पताल पहुंच गई थी। वहीं ऑपरेशन करने के लिए मंडला जिले के सर्जन डॉ. गौरव जेटली को बुलाया गया था। शिविर की तैयारी का आलम यह था कि डॉक्टर के आने से पहले ही एक दर्जन से अधिक महिलाओं को ऑपरेशन के लिए इंजेक्शन भी लगा दिया गया था। जैसे ही डॉ. जेटली ओटी में पहुंचे, उन्होंने वहां संसाधनों की कमी और अव्यवस्था देखने के बाद नाराजगी जाहिर करते हुए संसाधनों के अभाव में जोखिम न लेते हुए उन्होंने ऑपरेशन करने से साफ मना कर दिया और वापस लौट गये। जिसकी जानकारी जब आपरेशन करने पहुंची महिला एवं उनके परिजनों को लगी तो वे स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब व्यवस्था नही थी तो शिविर का आयोजन ही नही किया जाना चाहिए था। जबकि कई महिलाएं अपने दुधमुंहे बच्चों के साथ खाली पेट शिविर में पहुंची थी। वहीं महिलाओं व परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाया कि जब व्यवस्था पूरी नहीं थी तो शिविर का आयोजन क्यों किया गया, महिलाओं को इंजेक्शन लगाने के बाद ऑपरेशन न करना उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यप्रणाली ने सरकारी दावों की पोल खोल दी है। ग्रामीणों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने और वैकल्पिक भवन में भी ऑपरेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति निर्मित न हो सके।

सुबह से भूखे-प्यासे आये थे - सरिता

श्रीमती सरिता टेकाम ने बताया कि नसबंदी आपरेशन करवाने के लिए सुबह से बड़ी संख्या में महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों को लेकर भूखे-प्यासे आई थी एवं दोपहर में डॉक्टर आये और कुछ देर बाद बिना आपरेशन किये वापस चले गये। जिसके कारण सभी महिलाओं को काफी परेशानी हुई है। अगर शिविर आयोजित किये थे आपरेशन होनी चाहिए थी।

बिना आपरेशन करवाये वापस लौटना पड़ा - सतीष

सतीश हट्टेवार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया था और मैं अपनी पत्नी की नसबंदी आपरेशन करवाने के लिए पत्नि के साथ सुबह से आये थे। वहीं दोपहर २ बजे तक अस्पताल प्रबंधन के द्वारा हमें सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा था कि सभी का आपरेशन होगा। उसके बाद कहा गया कि किसी कारण से सर्जन चले गये, अब आपरेशन नही होगा। इस तरह से शिविर आयोजित करने के बाद भी नसबंदी आपरेशन नही किया गया जिसके कारण सभी महिलाओं को बिना आपरेशन करवाये वापस लौटना पड़ा है।

अव्यवस्था के चलते महिलाओं को हुई परेशानी - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि भाजपा की सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की ढिंढोरी पीटती है परंतु स्वास्थ्य व्यवस्था के नाम पर किसी तरह की कोई भी सुविधा आमजन मानस को उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण लालबर्रा अस्पताल में देखने को मिला है। जहां मंगलवार की सुबह से महिलाएं नसबंदी शिविर में पहुंची थी परंतु इस शिविर में महिलाओं की नसबंदी नहीं हो पाई क्योंकि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नसबंदी शिविर को लेकर किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी और जो बाहर से सर्जन नसबंदी के लिए आये हुए थे उन्होंने व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए बिना नसबंदी किये वापस लौट गये। जिसके कारण क्षेत्रभर से पहुंची सैकड़ों महिला व उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। क्षेत्रीय विधायक एवं जिला प्रशासन से मांग है कि दोषियों पर कार्यवाही कर सुविधाओं पर सुधार करें।

अस्थाई अस्पताल में नसबंदी आपरेशन की व्यवस्था की गई थी - डॉ. रितु

बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि शासन के निर्देश पर लालबर्रा अस्पताल में टीटी आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया था और नवीन भवन का निर्माण कार्य होना है इसलिए अस्थाई रूप से अस्पताल का संचालन महाविद्यालय के बालिका छात्रावास भवन में किया जा रहा है। जहां वैकल्पिक रूप से टीटी आपरेशन के लिए ओटी तैयार किया गया है। आगे बताया कि आपरेशन करने के लिए मंडला जिले से डॉ. जेटली आये थे और हमारे द्वारा पुरी सुविधा की गई थी। लेकिन उनका कहना था कि आपरेशन थिएटर में सुविधा नही होने की बात कहकर आपरेशन करने से मना कर दिया गया और वापस चले गये। जिसके कारण महिलाओं को कुछ परेशानी हुई है।

लोहारा लालबर्रा के नरेन्द्र बोपचे की नर्मदा परिक्रमा १०८ वें दिन में, अब मात्र दो सप्ताह शेष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आध्यात्मिक आस्था, तप और संकल्प की प्रतीक माँ नर्मदा परिक्रमा पर निकले ग्राम लोहारा (लालबर्रा) निवासी नरेन्द्र बोपचे

की पदयात्रा २४ फरवरी २०२६ तक १०८ दिन पूर्ण कर चुकी है। अब उनकी लगभग १२ से १४ दिन की यात्रा शेष है और यह दिव्य परिक्रमा ओंकारेश्वर में जाकर पूर्ण होगी। जब उनकी यह परकम्मा पूर्ण होगी तो वे लालबर्रा विकासखंड के ऐसे प्रथम व्यक्ति बन जायेंगे जिन्होंने मां नर्मदा की सम्पूर्ण परिक्रमा पैदल की हो। वहीं प्रारंभ में अपने दो परिचितों के साथ ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ करने वाले श्री बोपचे बहुत जल्द अकेले हो गये, उनके साथी या तो आगे निकल गये या पीछे रह गये। अकेले यात्रा प्रारंभ करने वाले श्री बोपचे को मार्ग में माँ नर्मदा के अनन्य भक्त एवं महायोगी परम पूज्य दादागुरू भगवान का सानिध्य प्राप्त हुआ। जब उन्होने एक स्थान पर दादागुरू के दर्शन किये तो दादागुरू के आदेशानुसार वे उनके काफिले 'माँ नर्मदा सेवा परिक्रमा' के साथ सेवा देने पड़े। गुरू की आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए श्री बोपचे निरंतर उनके साथ पदयात्रा कर रहे हैं। सोमवार रात्रि यह काफिला दादाजी धुनीवाले की नगरी सांईखेड़ा में ठहरा, जहां श्रध्दालुओं को दादागुरू के दर्शन एवं आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दादागुरू भगवान का दिव्य तप और प्रेरणादायी संकल्प

परम पूज्य दादागुरू सरकार माँ नर्मदा के अनन्य उपासक माने जाते हैं। बताया जाता है कि वे पिछले पांच वर्षों से निराहार रहकर केवल माँ नर्मदा का जल ग्रहण कर साधना कर रहे हैं। उनकी यह चौथी नर्मदा परिक्रमा है तथा उनका संकल्प वर्ष २०२८ तक आठ बार नर्मदा परिक्रमा पूर्ण करने का है। अपने प्रतिदिन रात्रिकालीन प्रवचनों में दादागुरू धर्म, धरा, धेनु और प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों को आध्यात्मिकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उनके दिव्य व्यक्तित्व और तपस्या से प्रभावित होकर मार्ग में अनेक श्रध्दालु काफिले से जुड़ते जा रहे हैं। मार्ग में भी उनका अत्यन्त प्रभावशाली व्यक्तित्व लोगों के सम्मुख दृष्टिगोचर हो रहा है। वहीं नर्मदा परिक्रमा भारत की प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक यात्राओं में से एक है, जिसमें श्रध्दालु नर्मदा नदी के दोनों तटों पर पैदल चलकर लगभग ३६०० किमी की यात्रा पूर्ण करते हैं। मान्यता है कि गंगा स्नान से जो पुण्य प्राप्त होता है, वह नर्मदा के दर्शन मात्र से मिल जाता है। परिक्रमा पूर्ण करने को मोक्षदायी साधना माना गया है। यह यात्रा घने जंगलों, पहाड़ी मार्गों, रेतीले तटों और कठोर मौसम की चुनौतियों से होकर गुजरती है। इसलिए इसे तप, संयम, धैर्य और आत्मशुध्दि की साधना कहा जाता है।

सब नर्मदा माई का आशीर्वाद है - नरेन्द्र

माँ नर्मदा परिक्रमा में निकले नरेन्द्र बोपचे का कहना है कि माँ नर्मदा की कृपा से ही यह यात्रा संभव हो रही है। जब यह परिक्रमा प्रारंभ की थी तो मन आशंकित था कि यह पूर्ण होगी या नहीं परन्तु नर्मदा माई की कृपा से किसी भी दिन कोई तकलीफ नहीं हुई। हर दिन एक नया आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है। अब जब यात्रा अंतिम चरण में है, मन में केवल कृतज्ञता और शांति का भाव है। यह पूरी यात्रा श्रध्दा, संकल्प और गुरू, आशीर्वाद का अद्भुत उदाहरण बनती जा रही है। लालबर्रा क्षेत्र के लिए यह गौरव का विषय है कि यहां से एक साधक माँ नर्मदा की गोद में तप और भक्ति की यह महान यात्रा पूर्ण करने जा रहा है।

कटंगझरी के हायर सेकेण्डरी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बेडन-पावेल की जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कटंगझरी स्थित शासकीय उमावि. में गत दिवस विश्व स्काउट और गाइड आंदोलन के संस्थापक लॉर्ड रॉबर्ट बेडन-पावेल की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य, स्काउट-गाइड प्रभारी एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों के द्वारा छात्र-छात्राओं को लॉर्ड रॉबर्ट बेडन-पावेल के संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी

जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार एक छोटे से विचार ने आज विश्व के सबसे बड़े अनुशासित युवा संगठन का रूप ले लिया है। उनके द्वारा बताये गये सेवा और अनुशासन के मार्ग पर चलने की बात कही। साथ ही नारी सशक्तिकरण और मित्रता पर जोर देते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका और उन्हें सुदृढ़ बनाने, आपस में मेल-जोल और विश्व बंधुत्व की भावना को बढ़ावा देने की बात कही गई। जिसके बाद सभी ने राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मिरेगांव में गहराया जल संकट, पानी के लिए त्राही-त्राही

गर्मी शुरू होने के पहले ही पानी की समस्या हुई उत्पन्न, ग्रामीणजन परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में इन दिनों जल संकट की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। यानि की गर्मी शुरू होने के पहले ही जल संकट गहरा गया है ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दुर स्थित हेंडपंप वैनगंगाबड़ी नहर से पानी लाकर उपयोग कर रहे हैं। जबकि ग्रामीणजनों को वैनगंगा नदी छिंदलई का शुध्द पानी पहुंचाने के ग्राम में पानी टंकी भी बनी हुई है। लेकिन पाइपलाईन कार्य सही तरीके से नही होने एवं उक्त पाइपलाईन में तकनीकी खराबी आने के कारण नल-जल योजना का भी पानी ग्रामीणजनों को नही मिल रहा है। साथ ही ग्राम स्थित कुएं व हेंडपंप का भी जल स्तर नीचे जाने लगा है। जिसके कारण ग्राम में पानी की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। वहीं नल-जल योजना का पानी नही मिलने की समस्या से कई बार ग्रामीणजन पंचायत एवं पीएचई विभाग को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों में जिम्मेदारों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं इस पानी की समस्या को दुर करने की मांग को लेकर मिरेगांव के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पेयजल व्यवस्था में सुधार करने और निजी बोरवेलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

सूख गये कुएं और हैंडपंप, मवेशियों पर संकट

ग्रामीणों के द्वारा कलेक्टर को सौंपे गये ज्ञापन के अनुसार मिरेगांव में लगभग २००० की आबादी वाले इस गांव में किसान और मजदूर परिवार निवास करते हैं। जिनका जीवन खेती और पशुपालन पर निर्भर है। वर्तमान में गांव के करीब ८० कुएं और ४ हैंडपंप पूरी तरह सूख चुके हैं यानि की जल का स्तर नीचे पहुंच चुका है। साथ ही जिन कुओं व हेंडपंप से पानी निकल रहा है वे भी सूखने की कगार पर है। इस तरह से ग्राम मिरेगांव में जल संकट गहराने लगा है। जिसका मुख्य कारण यहां माना जा रहा है कि क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अत्यधिक बोरवेल खनन के कारण भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे यह स्थिति निर्मित हुई है। वहीं गर्मी शुरू पुरी तरह से हुई भी नही है और ग्राम मिरेगांव के अधिकांश कुएं सुखने लगे है एवं हेडपंप का भी जल स्तर नीचे चले गया है। साथ ही नल-जल योजना का भी पानी नही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन दुर स्थित हैंडपंप व ग्राम के समीप से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर से बैलगाड़ी, पीकअप व अन्य संसाधनों से पानी लाकर उपयोग कर रहे है। जल्द ही पानी की समस्या की ओर प्रशासन के द्वारा ध्यान नही दिया गया तो अप्रैल, मई, जून की गर्मी में मिरेगांव में पानी के लिए त्राही-त्राही मच सकती है और ग्रामीणजन बुंद-बुंद पानी के लिए तरसेगें। वहीं कुएं व हेंडपंप सुख जाने से सबसे अधिक विकट समस्या मवेशियों के लिए बनी हुई है क्योंकि सभी ग्रामीणजनों के घरों में मवेशी है जिन्हे अधिक पानी लगता है। लेकिन जल स्तर की समस्या के कारण मवेशियों को भी समय पर पीने के लिए पानी नही मिल पा रहा है और ग्रामीणजन भी कम पानी का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान जिम्मेदारों के द्वारा नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

नल-जल योजना केवल कागजों तक सीमित

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में विगत वर्षों में नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी बनाई गई थी और पाईपलाइन भी बिछाई गई थी। घर-घर कनेक्शन भी दिये गये है। लेकिन आज तक इस योजना के माध्यम से सुचारू रूप से जलापूर्ति नहीं हो सकी है यानि की नियमित रूप से पानी नही मिला है। वहीं इस नल-जल योजना का पानी ग्रामीणजनों को उपलब्ध करवाने के लिए पीएचई विभाग व पंचायत स्तर पर गत माह से कार्य तो किये जा रहे है। लेकिन समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। वर्तमान में हम नहर के पानी से काम चला रहे हैं, लेकिन नहर बंद होते ही गांव में पानी के लिए त्राही-त्राही मच जायेगी। इसलिए कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर ग्राम के आसपास हो रहे बोरवेलों पर रोक लगाने, नल-जल योजना के तकनीकी खराबी को दुर कर नियमित रूप से पानी सप्लाई शुरू करने, पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है। उक्त मांगे पूरी नही होने पर ग्रामीणजन आंदोलन करने बाध्य होगें। ज्ञापन सौंपने के दौरान एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं मिरेगांव सरपंच श्रीमती काजल कुर्वेती से दूरभाष पर ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिलने एवं पानी की समस्या से निजात दिलवाने हेतु पंचायत स्तर से क्या प्रयास किये जाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

नहर का पानी कर रहे उपयोग - नरेन्द्र

नरेंद्र चंद्रवार ने बताया कि लंबे समय से ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है और नल-जल योजना का भी पानी नही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में कुछ ग्रामीणजन बैलगाड़ी से गांव के समीप से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर का पानी लाकर उपयोग कर रहे है। अगर नहर बंद हो जाती है तो पानी की समस्या और अधिक बढ़ जायेगी।

नल-जल योजना का नही मिलता पानी - लक्ष्मी

श्रीमती लक्ष्मी डहरवाल ने बताया कि गांव के आसपास बड़ी संख्या में बोरवेल की खुदाई होने के कारण जलस्तर नीचे चले गया है। जिसके कारण अधिकांश कुएं सूख चुके हैं। साथ ही नलजल योजना का पानी भी हमें नियमित रूप से नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण पानी की समस्या बनी हुई है, प्रशासन से मांग है कि नल-जल योजना के पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को सुधार कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

बोरवेल खनन पर प्रतिबंध लगाये प्रशासन - प्रशांत

पूर्व सरपंच प्रशांत चंद्रवार ने बताया कि पानी टंकी बनी हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकार की हर घर नल, हर घर जल जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बावजूद ग्रामीणों को पानी नही मिल पा रहा है। क्योंकि पाइपलाईन में खराबी आ चुकी है एवं टंकी में पानी नही भर पा रहा है, जिससे करोड़ों रूपयों की योजना बेकार साबित हो रही है। श्री चंद्रवार ने बताया कि खेतों में जगह-जगह बोरवेल हो रहे है जिसके कारण जल स्तर नीचे जा रहा है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि बोरवेल खनन पर प्रतिबंध लगाये और नल-जल योजना की पाइपलाईन को सुधार कर नियमित रूप से पानी सप्लाई करें।

बच्चा चोर गिरोह की खबरें अफवाह, भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही - थाना प्रभारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने संबंधी प्रसारित हो रही खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। थाना लालबर्रा पुलिस ने क्षेत्रवासियों को आगाह करते हुए स्पष्ट किया है कि पुलिस द्वारा की गई जांच में बच्चा चोरी से संबंधित किसी भी घटना की पुष्टि नहीं हुई है और न ही क्षेत्र में ऐसा कोई गिरोह सक्रिय है। पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे बिना तथ्यों की जांच किये सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं, भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर की जायेगी सख्त कार्यवाही। थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने क्षेत्रीयजनों से अपील की है कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है, तो नागरिक कानून अपने हाथ में न लें। जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और किसी भी व्यक्ति के साथ मारपीट या अभद्रता न करें। यदि कोई भी व्यक्ति बिना तस्दीक किये हिंसा में शामिल पाया जाता है, तो उसके विरूध्द कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही पुलिस ने विशेष रूप से व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नजर रखने की बात कही है। फेक न्यूज या भ्रामक वीडियो शेयर करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ विधि अनुसार मामला दर्ज किया जायेगा। साथ ही क्षेत्रीयजनों से किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में तत्काल डायल ११२ या थाना लालबर्रा के संपर्क नंबर ९९९३०३३७४८, ९९९३८४८७३० पर सूचना देने की अपील की है।

एक दशक से सरकारी पानी की बूंदों को तक रहे गांववाले

नल-जल योजना के 10 साल बाद करोड़ों का खर्च फिर भी प्यासा है गांव

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सावंगी में १ दशक से अधिक का समय नल जल योजना बनाने को हो चुका है। आज भी योजना का पानी गांव के किसी घर में नहीं मिल पाया है। आज भी गांव के लोग कुआं हैंडपंप या स्वयं के ट्यूबवेल के माध्यम से भूमिगत जल प्राप्त कर अपनी जलापूर्ति कर रहे हैं। हालांकि ग्राम का अधिकांश पानी खारा होने के कारण पीने के मीठे पानी के लिए करीब १ किलोमीटर की दूरी भी तय कर रहे हैं। परंतु योजना के जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या पर गंभीरता से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हर बार नई समस्या इजात कर शासन से काम करवाया जाता है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा योजना की विफलता को लेकर आक्रोश व्याप्त हैं। जिनके अंदर अब इस योजना के माध्यम से पानी प्राप्त करने इच्छा भी दम तोड़ती नजर आ रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा अब तो पानी उपलब्ध कराने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

जिम्मेदारों के आश्वासन से ग्रामीणजन परेशान

सावंगी ग्राम पंचायत में पीने की पानी की समस्या और लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए करीब वर्ष २००८ में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन के द्वारा नल जल योजना ग्राम के लिए स्वीकृत की गई थी। जिसका निर्माण करीब २०१५ में चालू हुआ जो जल्द ही पूर्ण कर लिया गया। परंतु पानी की टंकी रेलवे क्रॉसिंग के दूसरे तरफ होने से कुछ समय पाइपलाइन रेलवे क्रॉसिंग के नीचे से निकलने में लग गये। इसके बाद जब पाइपलाइन बस्ती में पहुंची तो पूरे ग्राम के अंदर पाइप लाइन का विस्तार कर हर घर में नल जल योजना का कनेक्शन दे दिया गया। किंतु उसके बाद टंकी भरना मुश्किल होने लगा जिस पर ५०००० लीटर का सम्पवेल निर्माण किया गया। कई ट्यूबवेल का खनन किया गया परंतु पानी की उपलब्धता शून्य होने का कारण बताकर व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया जाता रहा। जिसमें अनेकों कारण देकर कई प्रयास निर्माण एजेंसी एवं विभाग के द्वारा दिए गए और आवश्यक कार्यों को स्वीकृत भी कराया गया। परंतु एक दशक लंबा समय बीतने के बाद भी ना तो योजना चालू हुई ना ग्रामीणों को पानी मिला। बल्कि शासन के लाखों रुपये व्यर्थ में खर्च होकर नल जल योजना के रूप में पूरी योजना ग्राम में शोभा की सुपारी बनी हुई है। जिसमें फिलहाल फिर से ग्राम के अंदर खुदाई कर पाइपलाइन विस्तार का कार्य करवाया जा रहा है।

फ्लोराइड युक्त पानी पीने ग्रामीण मजबूर

ग्राम में नल जल योजना का सफल संचालन निर्माण के बाद आज तक नहीं होने के कारण ग्राम के लोगों को स्वयं एवं शासन के जल स्रोत जैसे ट्यूबवेल कुएँ हैंडपंप के माध्यम से पानी प्राप्त कर अपनी जरूरत को पूरा करना पड़ रहा है। परंतु पूरे ग्राम के अधिकांश जल स्रोतों में खारा पानी निकलता है वहीं चुनिंदा दो.तीन जल स्रोत है जिससे मीठा पानी आता है जो पीने लायक है। ऐसे में ग्राम में जितना भी खारा पानी निकलता है उन जल स्रोतों में सबसे ज्यादा मात्रा फ्लोराइड की बताई जाती है। जिसका कुछ वर्षों पहले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा जांच कर अपने एक ट्यूबवेल को बंद कर दिया गया था। किंतु पानी की समस्या देखते हुए पुन: इस ट्यूबवेल को ग्रामीणों के लिए उपलब्ध करा दिया गया। इस प्रकार की स्थिति पूरे ग्राम में देखी जा रही है जहां हर जल स्रोत के माध्यम से ग्रामीणों को फ्लोराइड युक्त पानी पीने और अपने दैनिक उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। तो वहीं मीठा पानी लाने के लिए मंडई टेकरा या स्कूल में जाना होता है, इस दौरान ग्रामीणों को करीब ५०० मीटर से १ किलोमीटर तक की दूरी तय करना पड़ रहा है। यह स्थिति हर मौसम हर दिन बनी हुई है जबकि आगे गर्मी आने वाली है जल स्रोतों का पानी भूमिगत जल स्तर गिरने से कम होगा। उस समय पानी की एक विकराल समस्या ग्रामीणों के सामने फिर खड़ी होगी। जबकि इस समस्या का समाधान केवल नल जल योजना है परंतु वह भी आज तक लोगों को पानी उपलब्ध नहीं करा पाई है। जिसे चालू कर ग्राम के हर घर को पानी उपलब्ध कराने की मांग ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है।

१० वर्षो से नही मिल रहा पानी-पदम पटले

ग्रामीण पदम पटले ने बताया कि नल जल योजना की स्थिति काफी बेकार है सभी तरफ खुदाई चल रही है। १० वर्ष हो गया है टंकी बनी पर आज तक पानी नहीं मिला है। इसमें समस्या पाइप सही नहीं लगे हैं जहां पानी नहीं है वहां पर ट्यूबवेल किया गया है इस प्रकार समय और शासन की राशि दोनों को व्यर्थ किया गया है। हमें इससे पानी नहीं मिल रहा है अभी गर्मी का मौसम आ गया है पानी के लिए हमें भटकना पड़ेगा। जब पानी की टंकी खाली ही रहेगी तो योजना में पानी कैसे आ जाएगा १ दिन टेस्टिंग किये थे तो पानी दिए थे उसके बाद पानी नहीं आया है। अब इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति को हम क्या बोले पता नहीं हम तो यही चाहते हैं कि वह योजना का पानी हमें मिले हमारी दिक्कतें खत्म हो। इसमें सरपंचों का कोई प्रयास नहीं रहा है और ना ही उन्होंने ध्यान दिया है जिसके कारण इतनी लेट लतीफी चल रही है।

योजना को चालू करने पंचायत और विभागीय अधिकारियों से बात करने पर सिर्फ आश्वासन देते है-मनेन्द्र ठाकरे

ग्रामीण मनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि हमारे पास पीने लायक पानी नहीं है तो इधर.उधर से लाकर पानी पीते हैं। कई कुआं ट्यूबवेल खुदाई कर लिए पर कोई सक्सेस नहीं ठेकेदार आते जाते हैं। गर्मी में तो हर बार समस्या है हम खुद १ किलोमीटर दूर से पीने का पानी लेकर आते हैं। रहते यहां हैं पानी मंडई टेकरा से लाते हैं बाकी दूसरे छोर के लोग स्कूल मैदान में पानी लाने जाते हैं उन्हें भी ५०० मीटर की दूरी तय करना पड़ता है। यह आजकल नहीं हमेशा जाना होता है क्योंकि हमारे पास मीठे पानी के जल स्रोत गांव में नहीं है। नल जल योजना का पानी तो आज तक हमारे घर नहीं आया है कनेक्शन पहले से घर पर ठोक दिया गया है। पंचायत और विभागीय अधिकारियों से पूरे ग्रामीणों ने बात कर ली है हमेशा आश्वासन देते हैं कई पानी आ जाएगा पर होता कुछ नहीं।

ग्राम में पूरी नल जल योजना शोपीस बनी हुई है-विजय राहगंडाले

ग्रामीण विजय राहगंडाले ने बताया कि हमारे यहां की जो नल जल योजना है वह आज भी बंद है पानी की समस्या अकेले मुझे नहीं पूरे गांव में है। पीने का मीठा पानी कहीं उपलब्ध नहीं है हर घर में खारा पानी आता है ५ वर्ष से बहुत ज्यादा स्थिति खराब हो गई है। हैंडपंप कुए का पानी हम लोग पीते हैं वह भी एक से दो जल स्रोत में मीठा पानी है। यह जो खारा पानी है उसमें फ्लोराइड की मात्रा बहुत ज्यादा है जिसका सीधा असर हम और हमारे बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसका असर दांतों के पीले पन से देखा जा सकता है ऐसे में हम शुद्ध पानी के लिए नल जल योजना से मिलने वाले पानी का इंतजार कर रहे हैं। परंतु वह इंतजार बहुत लंबा होता नजर आ रहा है वर्तमान में पूरी नल जल योजना शोपीस बनी हुई है।

पुस्तक 'पंख तेरे हैं' से नई आत्मविश्वास साहित्य के आकाश में उभरी माही शुक्ला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पिंडकेपार की बेटी माही शुक्ला समकालीन हिंदी साहित्य में उभरती हुई युवा कवित्री के रूप में अपनी पहचान बना रही है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर साहित्य के व्यापक मंच तक पहुंची माही की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। पेशे से इंजीनियर और स्वभाव से संवेदनशील रचनाकार माही शुक्ला ने ग्वालियर स्थित माधव इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस एम आई टी एस से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की। मात्र २४ वर्ष की आयु में उन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से साहित्य प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है। गांव की मिट्टी से जुड़ी संवेदना ग्राम पिंडकेपार की सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि ने उनकी सोच और लेखनी को गहराई प्रदान की। उनकी कविताओं में ग्रामीण जीवन सादगी मानवी संवेदनाएं और सामाजिक जागरूकता का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। माही का मानना है कि सशक्तिकरण का अर्थ अपनी जड़ों से दूर जाना नहीं बल्कि अपनी पहचान और संस्कारों को साथ लेकर आगे बढ़ाना है, पंख तेरे हैं आत्मविश्वास की प्रेरक कृति माही शुक्ला की प्रकाशित काव्य पुस्तक पंख तेरे हैं पाठकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। यह पुस्तक केवल कविताओं का संग्रह नहीं बल्कि आत्मविश्वास आत्मसम्मान और नारी शक्ति का प्रेरक संदेश देती है। इस कृति में महिलाओं की आंतरिक शक्ति और आत्म पहचान को प्रमुखता से उभारा गया है, लेखिका ने सशक्तिकरण को प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि स्वयं की क्षमता को पहचानने की प्रक्रिया बताया है। युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा सरल भाषा और गहन विचारों के कारण उनकी रचनाएं युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही है, साहित्य प्रेमियों का मानना है कि इंजीनियर की तार्किक सोच और कवित्री के संवेदनशीलता का यह संगम उन्हें भविष्य के महत्वपूर्ण साहित्यिक हस्ती के रूप में दिखेगा। ग्राम पिडकेपार सहित बालाघाट जिले में माही शुक्ला की उपलब्धि को गर्व के रूप में देखा जा रहा है, ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर साहित्य के मंच पर पहचान बनाना यह दर्शाता है की प्रतिभा स्थान की मोहताज नहीं होती। माही शुक्ला ने भेंट में बताया कि उनके माता पिता का प्रोत्साहन ने आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है और वह अपने माता और पिता के राजनीतिक पृष्ठभूमि में आए दिन महिलाओं के उत्पीड़न की व्यथा बताने वालों को सुनती आई है। उन्होंने नजदीक से महिलाओं की उत्पन्न पिड़ा की कहानी सुनी है और यहीं से उन्हें इस क्षेत्र में जाने की प्रेरणा मिली। आज वह शासन प्रशासन से गुहार लगाती है कि महिलाओं को उनका संपूर्ण सम्मान मिले महिलाएं पुरुषों के बराबरी में आ चुकी है, उन्हें कहीं छोटा ना समझा जाए, वे घर में मां बेटी पिता बहन आदि रिश्तें को भली भाँति निभाती है, लेकिन उसे आज भी वह सम्मान नहीं मिलता दिखाई देता तो कष्ट होता है। उन्हें उनका सम्मान मिलना चाहिए और इस दिशा में मैं शासन प्रशासन से अपेक्षा करती हूं कि महिलाएं किसी से काम नहीं है उन्हें उनका सम्मान सदैव मिलना चाहिएं।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को लेकर भेंडारा में निकाली रैली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/डोंगरमाली। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को लेकर बिरसा मुंडा समिति ढ़ीमर टोला भेंड़ारा के तत्वावधान में नशा मुक्ति को लेकर ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने हेतु विशेष जन जागरूकता रैली निकाली गई। बेटा बचाओ नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत बेटा बचाओ राष्ट्रीय अभियान के अध्यक्ष ईश्वर उमरे, जिला अध्यक्ष श्रीमती सरिता भीमटे, श्रीमती ललिता गजबे ब्लॉक अध्यक्ष, रंजीता फूलमारी, प्रिया नेवारे, कृपाल सिंह लिल्हारे, सामाजिक कार्यकर्ता भरत शिवहरे, जनपद सदस्य अनिल उइके, सेवानिवृत शिक्षक डालीराम पुसामे, बी ए आर सिरसाम सहित ग्राम के वरिष्ठजन सामाजिक कार्यकर्ता के नेतृत्व में रैली निकाली गई। हर नारी का एक ही सपना नशा मुक्त देश हो अपना, नारे के साथ बिरसा मुंडा समिति ढीमरटोला की महिलाओं युवाओं ने तख्तियां लेकर रैली ग्राम भेंड़ारा डोंगरमाली में भगवान बिरसा मुंडा, रानी अवंतीबाई के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ग्राम का भ्रमण कर सभा के रूप में परिवर्तित हुई। इस अवसर पर बेटा बचाओ राष्ट्रीय अभियान के अध्यक्ष ईश्वर उमरे ने कहा कि आज नशा हमारे समाज को खोखला कर रहा है। हमारे युवा पीढ़ी आज नशे के गिरफ्त में आकर पूरा जीवन बर्बाद कर रही है। बेटा बचाओ अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मार्गदर्शन दिया जा रहा है और समाज में जितने भी अपराध हो रहे हैं इसका मुख्य कारण नशा है। इसलिए ग्राम ढीमरटोला भेंडारा की महिला शक्ति और ग्रामीण जन को उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यह छोटी सी चिंगारी एक भविष्य में युवाओं बेटा को बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण है। आज समाज को सामने आने की आवश्यकता है भेंडारा के ढीमर टोले में प्रयास अन्य गांवों तक भी संदेश देगा। उन्होंने सभी से आव्हान किया कि बेटा बचाओ अभियान की जहां भी नशा मुक्ति के अभियान में जरूरत होगी यह हमेशा खड़ा रहेगा। समिति के संरक्षक ईश्वरी पुसामे ने बताया कि वह नशे के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए देख रहे थे कि युवा भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। इसके लिए उन्होंने गांव की महिलाओं शक्तियों के प्रयासों से एक बैठक आयोजित हुई। महिला शक्तियों ने इस आवाज को बुलंद की और लगातार भेंडारा टोले में प्रतिबंध लगाया जा रहा है। प्रशासन नहीं उपस्थित रहने से नाराजगी व्यक्ति की है लड़ाई झगड़े से लिया गांव को शराब मुक्त बनाने का निर्णय। बिरसा मुंडा समिति ढीमर टोला की अध्यक्ष शिलाबाई उइके ने बताया कि हर दिन परिवार में आए दिन लड़ाई झगड़ा हो रहे थे जिसको देखकर हमारी महिला बहनों ने सोचा कि अब कुछ निर्णय लेना पड़ेगा। इसको लेकर नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है इसमें गांव में महिलाओं ने गांव को शराब मुक्त बनाने की ठानी है और बड़ी संख्या में महिलाएं इसमें सहयोग कर रही है। जनपद सदस्य अनिल उइके ने कहां की अब गांव में बिक रही शराब से युवा इसके प्रभाव में आ रहा है इसके लिए हर गांव में ऐसी समिति का निर्माण होना चाहिए। प्रशासन को भी इसमें पूरा सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पहल से अन्य गांवों तक भी ऐसे ही समिति के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान चलाएंगे। उन्होंने इसमें युवाओं को जनमानस को इस अभियान में जोड़ने की अपील की। इस अवसर पर शिलाबाई उइके, बाईन उइके, दियला उइके, गोदावरी धुर्वे, चरणलाल शेंडे, कैलाश सोनवाने, धारासिंह उइके, लाखन उइके, सूर्यकांत नगपुरे, राजकुमार उइके, मुरारी उइके, चित्र सेन पप्पू गिरी, भरत बसेने, लिखीराम दांदरे, योगी महाराज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका सभापति संदीप मिश्रा ने भूख हड़ताल का निर्णय आपसी सहमति के बाद लिया वापस

नगर पालिका में प्रशासन एवं कुम्हार समाज की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी कक्षा में २४ फरवरी को नगर पालिका प्रशासन, निशांत जैन और कुम्हार समाज की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक नगर क्षेत्र में कुम्हार समाज के व्यापार एवं व्यवसाय में आ रही विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर चल रहे विवाद के संदर्भ में आयोजित की गई। जिसमें दोनों पक्षों के मध्य आपसी चर्चा एवं सहमति के पश्चात सकारात्मक निर्णय लिया गया। उक्त विषय पर पार्षद संदीप मिश्रा के द्वारा कुम्हार समाज के हित में भूख हड़ताल पर जाने की घोषणा की गई थी। किन्तु इस संबंध में समस्या के निराकण हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुर्यप्रकाश उके द्वारा तत्काल नगर पालिका परिषद वारासिवनी में बैठक का आयोजन किया गया। प्रशासन व संबंधित निशांत जैन एवं कुम्हार समाज दोनो पक्षों के साथ हुई चर्चा एवं कुम्हारों के लिए व्यसाय हेतु आरक्षित भूमि पर पूर्ववत व्यवसाय किये जाने एवं व्यवसाय में कोई व्यवधान उत्पन्न नही होने समस्याओं के त्वरित निराकरण के आश्वासन तथा पारस्परिक सहमति बनने के उपरांत पार्षद संदीप मिश्रा ने अपना भूख हड़ताल का निर्णय वापस ले लिया है। बैठक में कुम्हार समाज के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया तथा व्यापार संचालन स्थान व्यवस्था एवं अन्य व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की गई। पार्षद संदीप मिश्रा ने कहा कि उनका उद्देश्य सदैव समाज के हितों की रक्षा करना एवं स्थानीय व्यवसायियों को न्याय दिलाना रहा है। उन्होंने प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन पर विश्वास व्यक्त किया गया है। कुम्हार समाज ने इस सकारात्मक पहल का स्वागत किया है तथा आशा व्यक्त की है कि शीघ्र ही सभी समस्याओं का समाधान होगा। इस अवसर पर पार्षद एवं सभापति संदीप मिश्रा, धर्मेश जोशी, योगेन्द्र मोनू लिमजे, मनोज दांदरे, सीएमओ सुर्यप्रकाश उके, हितेश हलमारे, सुरेन्द्र लड़कर, निशांत जैन, अंकित जैन एवं कुम्हार समाज के व्यवसायी उपस्थित रहें।

सड़क दुर्घटना में योगेश डहरवाल घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर २३ फरवरी की दरमियानी रात सड़क दुर्घटना में योगेश डहरवाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका प्राथमिक उपचार सिविल अस्पताल में कर जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेश

डहरवाल उम्र ३० वर्ष कोटेगांव थाना लालबर्रा निवासी अपने किसी कार्य से वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर आवागमन कर रहे थे। तभी नगर के समीप अचानक सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपस्थित जनों के द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा जांच कर प्राथमिक उपचार करने के उपरांत उन्हें जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में उनके हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बहारी चोटे आई है।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका समूह में शामिल होना भारत के लिए रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम है। हालांकि, चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने में इसकी कामयाबी कई पहलुओं पर निर्भर करेगी।

पैक्स सिलिका और भारत का हित

हाल ही में उसका औपचारिक तौर पर शामिल होना रणनीतिक में भारत द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद अमेरिका के नेतृत्व वाली इस पहल लिहाज से बेहद अहम है, जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक आपूर्ति श्रृंखला में चीन के बढ़ते प्रभुत्व का मुकाबला करना है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले वर्ष दिसंबर में इस समूह की शुरुआत की थी, पर प्रारंभिक सूची में भारत को शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, एआई शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का यह कहना वैश्विक परिदृश्य में भारत के बढ़ते कद को ही दर्शाता है कि भारत प्रतिभा का भंडार है और इसकी इंजीनियरिंग क्षमताएं इस गठबंधन को मजबूत ही बनाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पैक्स सिलिका में भारत का प्रवेश महज प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और आवश्यक भी है। नहीं भूलना चाहिए कि दुर्लभखनिजों के वैश्विक उत्पादन में 90 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाला चीन पिछले कुछ वर्षों में एआई और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला के मामले में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है, जिसे अमेरिका अपने लिए एक बड़ी चुनौती मान रहा है। गौरतलब है कि आज ये दुर्लभ खनिज कंप्यूटर चिप से लेकर कार व मिसाइल बनाने तक काम आते हैं और यही वजह है कि इस मामले में चीन पर निर्भरता को भारत समेत कई देश अपनी सामरिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय मान रहे हैं। खासकर, भारत के लिए यह भागीदारी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे देश के तकनीकी और आर्थिक भविष्य से जुड़ी कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों व अवसरों का सीधा समाधान हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने चिप डिजाइन, निर्माण तथा एआई शोध को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वाकांक्षी मिशन शुरू किए हैं और इससे जुड़ी परियोजनाओं के लिए काफी निवेश भी आकर्षित किया है। एक अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा होने से भारत को अधिक निवेश, तकनीक सहयोग और संयुक्त अनुसंधान साझेदारी को आकर्षित करने में तो मदद मिलेगी ही, उसके तकनीक बुनियादी ढांचे में पूंजी लगाने पर विचार कर रही वैश्विक कंपनियों का भी भरोसा बढ़ेगा। कुल मिलाकर, यह भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय साझेदारों जैसी प्रमुख तकनीक शक्तियों से घनिष्ठता से जोड़ेगा। लिहाजा, यह कदम वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। देखने वाली बात होगी कि चीन इस पर क्या रुख अपनाता है, जिसके साथ भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। हालांकि, ट्रंप जिस तेजी से अपनी योजनाएं बदलते रहते हैं, उसे देखते हुए पैक्स सिलिका की कामयाबी उनके रुख के साथ इस बात पर भी निर्भर करेगी कि इसके साझेदार केवल बातचीत पर निर्भर न रहकर एक ठोस व सुरक्षित तकनीकी नेटवर्क के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ें।

ताकि एआई दुःस्वप्न न बने

-पत्रलेखा चटर्जी, वरिष्ठ पत्रकार

एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन से भारत को जो हासिल हुआ है और इस दौरान जो उत्साह दिखा, उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन एआई के संभावित खतरों के मद्देनजर इसे लेकर जागरूकता, नैतिकता और सावधानियों पर भी चर्चा होनी चाहिए।

इन दिनों देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकारी अभियानों से लेकर स्टार्टअप खड़ा करने तक, स्वास्थ्य सेवा से लेकर खेती तक, एआई को वह ताकत माना जा रहा है, जो भारत को भविष्य की ओर ले जाएगा। हाल ही में, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में इसकी गति को दर्शाया गया, जिसमें नीति निर्माताओं, आंत्रप्रेन्योर्स और स्वयंसेवी संगठनों ने जोखिम और फायदों पर बहस की। मगर इस उत्साह के बीच, एक गंभीर सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और वह यह कि लाखों भारतीय इस प्रौद्योगिकी से अनजान हैं, जबकि इसका पहले से ही फायदा उठाया जा रहा है। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर पाना और उसके बारे में जागरूक होना एक जैसा नहीं है।

इस साल की शुरुआत में, बंगलूरू में एक 22 साल का सॉफ्टवेयर इंजीनियर धोखाधड़ी का शिकार हो गया। उसने एक डेटिंग एप पर साइन अप किया और %इशानी% नाम की प्रोफाइल से दोस्ती की। उसे यह नहीं पता था कि %इशानी% एक एआई निर्मित डीपफेक तरीका था। बातचीत जब व्हाट्सएप पर होने लगी, तो धोखेबाज ने उसे वीडियो कॉल के दौरान कपड़े उतारने के लिए कहा। और उस वीडियो कॉल को चुपके से रिकॉर्ड करके पीड़ित को कई अकाउंट में 1.5 लाख रुपये भेजने के लिए ब्लैकमेल किया। पुलिस का मानना है कि धोखा करने वालों ने नकली महिला को असली दिखाने के लिए एआई से बने वीडियो का इस्तेमाल किया। पीड़ित को लगा कि वह किसी जिंदा इन्सान से बात कर रहा है। यह आकलन उसे बहुत महंगा पड़ा। यह अकेली घटना नहीं है। डेटिंग एप्स पैसों से लेकर यौन शोषण तक की धोखाधड़ी के लिए मुफीद बन गए हैं। एआई अब इन चीजों को और बढ़ा रहा है, जिससे नकली पहचान ज्यादा प्रभावी हो गई है।

बंगलूरू का मामला याद दिलाता है कि जैसे-जैसे एआई टूल्स आसानी से मिल रहे हैं, वैसे-वैसे इससे होने वाले अपराध भी बढ़ रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई लोग वीडियो कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने को असली मान लेते हैं, जिससे अक्सर ऐसे अपराध होते हैं। डेटिंग एप्स से जुड़े यौन शोषण के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए उपयोगकर्ताओं से सावधान रहने की अपील की जाती है। यह कमजोरी एक और परेशान करने वाली बात से जुड़ी है। प्यू रिसर्च सेंटर के 25 देशों में किए गए एक वैश्विक सर्वे से पता चला है कि एआई के बारे में जागरूकता के मामले में भारतीय सबसे निचले पायदान पर हैं। सिर्फ 14 प्रतिशत वयस्क भारतीयों कहा कि उन्होंने एआई के बारे में %कुछ सुना या पढ़ा है%, जबकि दूसरे 32 प्रतिशत ने %थोड़ा% सुना है। कुल मिलाकर, यह 46 फीसदी जागरूकता का स्तर सर्वे किए गए सभी देशों में सबसे कम है। 18-34 साल के युवाओं में, जागरूकता सिर्फ 19 फीसदी थी, केन्या के बाद दूसरी सबसे कम। इसके उलट, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 90 फीसदी से ज्यादा लोग इसके बारे में जानते थे। हैरानी की बात है कि कम जागरूकता के बावजूद, लगभग 89 फीसदी भारतीयों ने अपनी सरकार की एआई को विनियमित करने की क्षमता पर सबसे ज्यादा भरोसा दिखाया। यह %बिना जानकारी के भरोसे% वाली बात बताती है कि नागरिक विनियमन को सरकार का काम मानते हैं, अपना नहीं। पर बिना समझ के भरोसा लोगों को छेड़छाड़ और दुरुपयोग का शिकार बना देता है।

भारत में तेजी से डिजिटल बदलाव हो रहा है। शहरी पेशेवर शायद बिना जाने रोज एआई संचालित उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों के लोगों को ज्यादातर पता नहीं होता कि यह तकनीक कैसे काम करती है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है, क्योंकि धोखा खाने का मतलब सिर्फ लोगों के साथ धोखाधड़ी होना नहीं है। यह देश के एआई लक्ष्यों को कमजोर करता है। जब नागरिक एआई को पूरी तरह से समझते नहीं हैं, तो वे गोपनीयता, पूर्वाग्रह या नैतिकता के बारे में सही बहस में शामिल नहीं हो पाते। वे न तो विनियामक को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं और न ही खुद को धोखे से बचा सकते हैं। ऐसे में, वे छोटे व्यवसाय, शिक्षा या स्वास्थ्य सेवा के लिए एआई का पूरा फायदा नहीं उठा सकते। इसलिए बंगलूरू की घटना सिर्फ एक अपराध कथा नहीं है। यह एक बड़ी राष्ट्रीय कमजोरी है- कम एआई साक्षरता और अधिक भरोसा, जो खतरनाक संयोजन है।

यदि भारत एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना चाहता है, तो उसे जागरूकता बढ़ानी होगी। स्कूलों और कॉलेजों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप के तहत एआई और डिजिटल साक्षरता मॉड्यूल शामिल करने चाहिए। माई जीओवी, डिजिटल इंडिया और दूरदर्शन जैसे मंचों के जरिये जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं, जिनमें एआई को सरल शब्दों में समझाया जा सके। नागरिकों को पता होना चाहिए कि डीपफेक कैसे काम करते हैं, स्कैम कैसे काम करते हैं, और खुद को कैसे सुरक्षित रखें। कौशल विकास कार्यक्रम में एआई और डाटा एनालिटिक्स प्रशिक्षण को शामिल करना चाहिए, ताकि ग्रामीण युवा पीछे न रहें। डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट जैसे कानूनों का पारदर्शी अमल और नागरिकों को भी जानकारी होनी चाहिए। स्थानीय कार्यशाला, स्वयंसेवी संगठन और सिविल सोसाइटी समूह लोगों को धोखाधड़ी को पहचानना और टेक्नोलॉजी का सुरक्षित इस्तेमाल करना सिखाने में भूमिका निभा सकते हैं। लोगों को आंख बंद करके भरोसा नहीं करना चाहिए।

एआई को लेकर भारत की इच्छाएं वास्तविक हैं, लेकिन बिना जानकारी के इच्छाएं कमजोर होती हैं। बंगलूरू की घटना दर्शाती है कि भरोसे का कितनी जल्दी फायदा उठाया जा सकता है। लेकिन लाखों लोगों को वास्तव में इसके बारे में बहुत कम पता है। एआई सिर्फ एल्गोरिदम और नवाचार के बारे में नहीं है। यह लोगों के बारे में है। अगर लाखों लोग गैर-जागरूक बने रहे, तो भारत की एआई क्रांति धोखाधड़ी और शोषण की वजह से पटरी से उतर सकती है। इसलिए, एआई के बारे में चर्चा के साथ-साथ पढ़ाई-लिखाई, नैतिकता और सावधानी के लिए भी गंभीर प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भविष्य का आह्वान करने वाले एक देश का उत्साह दिखा। लेकिन जब हम जोखिमों और फायदों पर बहस करते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक उतनी ही मजबूत है, जितने मजबूत लोग इसे इस्तेमाल करते हैं। बंगलूरू जैसे मामले यह साबित करते हैं कि नासमझी महंगी पड़ सकती है। भारत की एआई कहानी को बढ़ा-चढ़ाकर देखने के बजाय यथार्थवादी दृष्टि से देखने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे नागरिकों की जरूरत है, जो जानकार, सावधान और मजबूत हों। इसके बिना, एआई दुःस्वप्न बन सकता है।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक हैं)

लुडविग विट्गेंस्टाइन

दर्शन दृष्टिकोण देता है कि हम विचारों को संदेह की कसौटी पर कस सकें। वह हमारे विचारों की ऊसर भूमि को जोतता है, ताकि हम उसके नीचे दबे हुए अहंकार और पूर्वाग्रह बाहर ला सकें तथा सोचने के ढंग को निखार सकें।

विचारों को संदेह की कसौटी पर परखें

किसी भी कठिनाई को केवल सतह पर पहचान लेना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि जो केवल ऊपर से दिखाई देता है, वह समस्या का मात्र एक लक्षण होता है, उसका मूल नहीं। यदि हम बाधाओं को केवल सतही तौर पर समझते हैं, तो वे अपनी साधारण स्थिति में बनी रहती हैं और बार-बार लौटती हैं। उनका वास्तविक अंत तभी संभव है, जब उन्हें उनकी जड़ से खत्म किया जाए। और उन गहरी जड़ों तक पहुंचना तभी संभव होता है, जब हम उनके बारे में सोचने के अपने तरीके को बदलें। यह बदलाव एक गहन आंतरिक प्रक्रिया है, जो उतनी ही निर्णायक है, जितना कि कीमियागरी के रहस्यवाद से आधुनिक विज्ञान की तार्किक स्पष्टता की ओर बढ़ना। इस प्रक्रिया में हमारे विचार की वह आधारभूत संरचना ही बदल जाती है, जिस पर हमारा अस्तित्व टिका होता है। यही 'नया चिंतन-रूप' स्थापित करना मनुष्य के लिए सबसे कठिन साधना है, क्योंकि हम अपनी पुरानी आदतों और स्मृतियों के कारागार में बंद होते हैं। एक बार जब यह नया और निर्मल दृष्टिकोण स्थिर हो जाता है, तब पुराने प्रश्न और चिंताएं स्वयं ही विलीन होने लगती हैं। इसका कारण यह है कि वे प्रश्न हमारी पुरानी अभिव्यक्ति-शैली और संकुचित सोच की उपज थे और जब अभिव्यक्ति का वह पुराना परिधान उतर जाता है, तो उससे जुड़ी समस्याएं भी स्वतः दम तोड़ देती हैं। अतः, दर्शन को केवल एक अकादमिक विषय या विशेषज्ञों की जागीर मान लेना भ्रम है। दर्शन विचारों की वह परम स्पष्टता है, जो हमारे विवेक को जागृत करती है। जो लोग इस दार्शनिक अन्वेषण और आत्म-मंथन के अभ्यास से वंचित रहते हैं, वे प्रायः उन सूक्ष्म बिंदुओं को देख ही नहीं पाते, जहां जीवन की वास्तविक चुनौतियां व सत्य छिपे होते हैं। उनकी स्थिति उस पथिक के समान होती है, जो घने वन में खड़ा तो है, पर जिसे दिव्य औषधि या दुर्लभ पुष्प (सत्य) खोजने का अभ्यास नहीं है। उसकी आंखें प्रशिक्षित नहीं होतीं, इसलिए उसे यह बोध ही नहीं होता कि सत्य की खोज में कहां ठहरना है। इसके विपरीत, एक निरंतर अभ्यास से तपा हुआ साधक भले ही सत्य को तुरंत न देख पाए, लेकिन वह भागता नहीं, बल्कि ठहरता है, धैर्य रखता है और पूर्ण समर्पण के साथ उस सत्य की खोज में लगा रहता है। यह स्वाभाविक है कि उस छिपे सत्य तक पहुंचने में समय लगे, क्योंकि उसे पाना पुरुषार्थ की मांग करता है। दर्शन हमारे विचारों की ऊसर भूमि को जोतता है, ताकि उसके नीचे दबे हुए अहंकार और पूर्वाग्रह बाहर आ सकें। जैसे-जैसे सोचने का ढंग निखरता है, समस्याओं का स्वरूप ही बदल जाता है और वे बाधाएं नहीं, बल्कि सोपान बन जाती हैं। अंततः, यह दर्शन हमें दृष्टिकोण देता है कि हम अपने ही स्थापित विचारों को संदेह की कसौटी पर कस सकें।

सूत्र - समस्या की जड़ तक जाएं

किसी भी कठिनाई का वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब हम उसे उसके मूल से समझने का प्रयास करते हैं। ऐसा हम उसे देखने के अपने दृष्टिकोण को बदलकर कर सकते हैं। जब हम ऐसा करते हैं, तो उलझनें स्वतः समाप्त होने लगती हैं। दर्शन सिखाता है कि हम अपने विचारों को परखें, पूर्वग्रहों से मुक्त हों और स्पष्टता की ओर बढ़ें।

पड़ोस

किस करवट बैठेगा नेपाल का ऊंट

आगामी पांच मार्च को नेपाल में होने वाला चुनाव स्थिरता, युवाओं के आक्रोश व भारत-चीन के बीच भू-राजनीतिक संतुलन पर एक जनमत-संग्रह है।

आगामी पांच मार्च को नेपाल में चुनाव होने वाले हैं, पर राष्ट्र अब भी विगत सितंबर में बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों की उथल-पुथल से उबर रहा है। इन प्रदर्शनों को आम तौर पर %पांचवीं क्रांति% कहा जाता है, जिसके कारण केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (सीपीएन-यूएमएल) की सरकार गिर गई थी। नए चुनावों की घोषणा से पहले हफ्तों तक अशांति, प्रशासनिक पंगुता और राजनीतिक अनिश्चितता रही। हालांकि, मतदान पूरे देश में होना है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए संदेह है कि मतदान आसानी से हो पाएगा या नहीं।

यह चुनाव एक आम लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ज्यादा विश्वसनीयता, सांविधानिक स्थिरता, युवाओं के आक्रोश और नेपाल के अपने दो शक्तिशाली पड़ोसियों के बीच भू राजनीतिक संतुलन पर एक जनमत-संग्रह है। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच है। नेपाली कांग्रेस के लिए प्रचार मुख्यतः लोकतंत्र की बहाली और संस्थाओं में भरोसा फिर से बनाने पर केंद्रित है। पार्टी नीतिगत पूर्वानुमान, छोटे और मझोले उद्यमों को फिर से शुरू करने, भारत के साथ हाइड्रोपावर सहयोग बढ़ाने और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा का वादा कर रही है, खासकर विरोध प्रदर्शनों के दौरान इंटरनेट शटडाउन और पुलिसिंग विवादों को देखते हुए। हालांकि, पार्टी की आंतरिक गुटबाजी उसका एक संरचनात्मक कमजोर पक्ष बना हुआ है, जो उसके चुनावी लाभ को कम कर सकता है। वहीं, कम्युनिस्ट विचारधारा एक अलग सोच पेश करती है। सीपीएन-यूएमएल अपने उथल-पुथल भरे और अस्त-व्यस्त कार्यकाल को बचाने के लिए मजबूत नेतृत्व, बुनियादी ढांचों में बढ़ोतरी और राष्ट्रवादी दावे करके हर मुमकिन कोशिश कर रही है। पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) सामाजिक न्याय, संघीय सशक्तीकरण और युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप सांविधानिक सुधारों पर जोर देकर अपनी पुनर्वितरणवादी विश्वसनीयता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। साथ मिलकर वामपंथी दल संप्रभुता, संतुलित कूटनीति और पारंपरिक निर्भरता से आगे आर्थिक विविधीकरण पर जोर देते हैं। फिर भी, व्यापक वामपंथी धड़े के भीतर वैचारिक एकता नाजुक बनी हुई है, क्योंकि प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाएं एकता को जटिल बनाती हैं। चुनावी अभियान को और जटिल बनाता है घोषणा-पत्र प्रकाशन को लेकर विवाद। चुनाव लड़ रहे 68 दलों में से आधे से अधिक निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने घोषणा-पत्र प्रकाशित करने में विफल रहे। चुनाव मैदान में 3,406 उम्मीदवार हैं, जिनमें लगभग 1,160 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं, जो 165 सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वित्तीय अनुपालन भी असमान रहा है। ये चूकें उस समय संस्थागत अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं, जब सार्वजनिक विश्वास पहले ही कमजोर हो चुका है। साथ ही, पिछले चुनाव के खंडित जनादेश की यादें बनी हुई हैं और मतदाता अनिश्चित नतीजे को लेकर सावधान हैं। भारत के लिए, नेपाल की स्थिरता का सीधा असर सुरक्षा और आर्थिक तौर पर होता है। दोनों देशों के बीच 1,700 किलोमीटर से अधिक की खुली सीमा, गहरे ऐतिहासिक रिश्ते और करीबी सैन्य सहयोग है। हाल के वर्षों में हाइड्रोपावर सहयोग, सीमा पार बिजली व्यापार और संपर्क परियोजनाओं ने रफ्तार पकड़ी है। इसे बनाए रखने के लिए काठमांडो में एक भरोसेमंद और स्थिर सरकार जरूरी है। इसके अलावा, नेपाल में राजनीतिक संकट के दौरान अक्सर घरेलू लामबंदी के औजार के तौर पर समय-समय पर भारत विरोधी बातें उठती रही हैं। नई दिल्ली की प्राथमिकता एक संप्रभु, लेकिन स्थिर नेपाल है, जिसके साथ पारंपरिक रिश्ते मजबूत किए जा सकें। पिछले दशक में नेपाल में चीन की भागीदारी काफी बढ़ी है। नेपाल के लिए, भारत और चीन के साथ संतुलन बनाना अब भी मुश्किल है।

-केएस तोमर

दूसरा पहलू

'महिला मंडल काशी' बनारस की पहली महिला संस्था थी। प्रतिष्ठित परिवार की महिलाएं इसका हिस्सा थीं और नंदन साहू लेन इसका पता।

जहां सास अपनी बहुओं को सौंपती हैं नेतृत्व

महिला मंडल काशी की स्थापना 90 साल पहले रत्नेश्वरी देवी ने एक औषधालय के रूप में की थी। 1937 में बनी यह संस्था काशी की पहली महिला संस्था थी। चौखंबा के प्रतिष्ठित परिवार की महिलाएं इसका हिस्सा थीं और नंदन साहू लेन इसका पता।

इसकी स्थापना रत्नेश्वरी देवी ने एक औषधालय के रूप में की थी। आज 100 से ज्यादा महिलाएं इस मंडल की सदस्याएं हैं।

1930 का दशक था। काशी के संभ्रांत परिवारों की महिलाओं ने घर की दहलीज पार कर समाज सेवा की शुरुआत की, पर ये महिलाएं परिवार की प्रतिष्ठा और मर्यादा की दुशाला ओढ़कर ही निकलतीं थीं। काशी के मशहूर मोती झील परिवार, आज प्रेस परिवार, शाह, कन्हैया अलंकार, भारतेंदु जैसे और भी प्रतिष्ठित परिवार की महिलाओं ने इसे शुरू किया। इनके जरिये महिलाओं के लिए सिलाई, कढ़ाई, चित्रकला, पुस्तकालय, पत्रिका प्रकाशन के साथ-साथ काशी की पहली तैराकी की क्लास भी शुरू की गई। महिलाएं पढ़ पाएं, इसके लिए किताबें घर पर पहुंचाई जाती थीं। पर्दा प्रथा निभाते हुए घर से बाहर चादर ओढ़कर निकलना नियम था। ऐसे में, जब देश में चादर छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ, तो मंडल की महिलाओं ने भी उसमें हिस्सा लिया। गंगा घाट पर रहने वाली महिलाएं तैरना नहीं जानती थीं। सो, उन्हें तैराकी सिखाने के लिए %कालिंदी तैराकी शिविर% की स्थापना की गई। यह नाम भारतेंदु हरिश्चंद्र के अनुज बाबू गोकुल चंद्र की पौत्री व भारतरत्न डॉ. भगवान दास की नातिन कालिंदी के नाम पर रखा गया। इसके पीछे भी कहानी है। कम उम्र में कालिंदी की मृत्यु हो गई थी। उन्हीं की याद में यह शिविर शुरू किया गया। शिविर के लिए सुबह बाकायदा गंगा किनारे तंबू गाड़ा जाता, फिर पानी में मोटे रस्सों का घेरा बनाया जाता। शुरुआत में लोगों ने इसका विरोध किया। एक समय तो दो लठैत को तैराकी शिविर के बाहर तैनात करना पड़ा। हालांकि, धीरे-धीरे महिला मण्डल काशी विरोध खत्म हो गया और हर साल गर्मी के एक महीने तक यह शिविर कई साल चला। 1978 में संस्था ने अपना पहला तीज मेला आयोजित किया था। इसमें महिलाएं साड़ी से लेकर पापड़ तक बेचने व खरीदने आईं। आज भी हर साल सावन में यह मेला लगता है। फिलहाल, 100 से ज्यादा महिलाएं इस मंडल की सदस्याएं हैं। इनकी धरोहर में 4,000 किताबों वाला एक पुस्तकालय है। इनके कार्यक्रमों का हिस्सा काशी नरेश विभूति नारायण, प्रसिद्ध लेखिका शिवानी, भानु शंकर मेहता और ठुमरी साम्राज्ञी गिरिजा देवी भी बन चुकी हैं। इस मंडल की महिलाएं ऑनलाइन जूम मीटिंग भी करने लगी हैं। परंपरा के मुताबिक, मंडल की जो महिलाएं सास बन जाती हैं, वे इसकी कमान अपनी बहुओं को सौंप देती हैं। शायद यही वजह है कि 90 साल से यह मंडल सक्रिय है।

परंपरा के मुताबिक, महिला मंडल काशी की जो महिलाएं सास बन जाती हैं, वे इसकी कमान अपनी बहुओं को सौंप देती हैं। शायद यही वजह है कि 90 साल से यह मंडल सक्रिय है।

-उपमिता वाजपेयी (सम्पादक, अमर उजाला, बनारस)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। सुस्त उठाव के बीच मंगलवार को अनाज मंडी में चना सुर्खी पर रहा। मसूर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में शकर छुटपुट लेवाली से सुधरी।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में छुटपुट माँग के बाद बाजार सुस्ती दिखा गये। चने में अच्छे माल 50 रू. क्व?टल हल्के पड़े। मसूर बाजार मजबूती पर रहे। खाद्य तेलों में बाजार टिके रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुर्खी पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर ताजा पूछपरख से सुधर गयी। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4100-4150, खोपरा गोला 325-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, कंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारी?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, बाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल - सींगदाना 1710-1730, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1270-1280, सोया रिफाइंड 1330-1340, कपास्या 1280-1290, धूलिया 1290, कड़ी 1285,

रात की धारणा - गुजरात लूज 1650-1675, मुम्बई पाम 1295, मुम्बई सोया 1370,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्वि?टल)

तिलहन - सरसो 6600-7200, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5200-5300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5300-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 262000, चाँदी (99) 261000, टंच 260500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158000

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 4 पैसे कि गिरावट के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे नीचे आकर 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,068 , निफ्टी 288 अंक गिरा

मुंबई। आईटी शेयरों में भारी बिकवाली से भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,068.74 अंक टूटकर 82,225.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 288.35 अंक फिसलकर 25,424.65 पर बंद हुआ। बाजार में आई भारी गिरावट का कारण एआई कंपनी एंथ्रॉपिक के अपने क्लाउडे कोट के लिए एक को मॉडर्न बनाने में नया टूल पेश करने के दावे से आई है। जिससे कि सॉफ्टवेयर सर्विसेज की मांग कम होने की आशंका बढ़ी और बाजार पर दबाव पड़ा।

आज निफ्टी रियल्टी 2.54 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.46 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.31 फीसदी, निफ्टी कंजप्शन 0.86 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.72 फीसदी टूटकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मेटल 0.93 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.78 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 0.70 फीसदी, निफ्टी पीएसई 0.56 फीसदीऔर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.29 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली धीमी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 189.30 अंक टूटकर 59,066.35 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 93.30 अंक फिसलकर 16,958.65 पर था। आज सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, एचयूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाइटन, एक्सिस बैंक और सन फार्मा सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल, इन्फोसिस, टीसीएस, एलएंडटी, ट्रेंट, भारती एयरटेल के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला और शुरुआती घंटों में बिकवाली का दबाव बढ़ता गया। सेंसेक्स 242 अंक गिरकर 83,053 पर खुला। वहीं ?निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 25,713 के मुकाबले 71 अंक गिरकर 25,641.80 पर खुला। बाजार के जानकार के अनुसार दो सत्रों तक लगातार बिकवाली के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 23 फरवरी को वापसी करते हुए 3,843 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इसके साथ ही वे इस महीने के लिए भी नेट खरीदार बन गए हैं। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,292 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

चांदी दो दिन में 16 हजार महंगी, कीमत 2.67 लाख/किलो

सोना 5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम 1.60 लाख का हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार, 24 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। इससे पहले भी चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75 प्रतिशत) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167 प्रतिशत) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

मेष राशि- आज का दिन आपके भीतर नई ऊर्जा और नए विचारों की लहर लेकर आ सकता है। काम को लेकर आपके मन में कई योजनाएं जन्म लेंगी और आप उन्हें अमल में लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। जिम्मेदारियां बढ़ने से थोड़ा दबाव जरूर महसूस होगा, लेकिन आपकी मेहनत और लगन आपको पीछे नहीं हटने देगी। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों के लिए भी समय अनुकूल है और सही दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। संपत्ति से जुड़ा कोई निर्णय लाभदायक साबित हो सकता है।

वृषभ राशि- आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है और आप अपने कामों में संतुलन बनाकर चलेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और आप समझदारी से वित्तीय निर्णय लेंगे। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को नई पहचान मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता सबको प्रभावित करेगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। नए लोगों से संपर्क बनेंगे जो भविष्य में काम आ सकते हैं।

मिथुन राशि-भाग्य आज आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा और कई काम आसानी से पूरे होते दिखेंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। घर के जो काम आप टालते आ रहे हैं, उन्हें समय रहते पूरा करना बेहतर रहेगा, वरना बाद में परेशानी हो सकती है।

कर्क राशि- आज आप जो भी करेंगे, उसमें उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा झलकेगी। समझदारी और धैर्य से लिए गए फैसले आपको सफलता की ओर ले जाएंगे। आध्यात्म और भक्ति में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। व्यवसाय में आपकी रचनात्मक सोच नए अवसर दिला सकती है और आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना लाभकारी रहेगा।

सिंह राशि- व्यापार और योजनाओं के लिहाज से दिन अनुकूल है और आपके निर्णय अच्छे परिणाम दे सकते हैं। इससे आपका आत्मविश्वास और मजबूत होगा। दिनचर्या में थोड़ी अनुशासन लाने की जरूरत महसूस होगी। घर में किसी अतिथि के आगमन से रौनक बढ़ेगी और आप व्यस्त भी रहेंगे।

कन्या राशि- निवेश और आर्थिक फैसलों के लिए समय सकारात्मक संकेत दे रहा है। काम के सिलसिले में यात्रा संभव है जो भविष्य के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। सेहत को हल्के में लेने की गलती न करें और छोटी समस्या भी समय पर दिखाएं। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मिठास रहेगी और किसी दूर रहने वाले रिश्तेदार से मुलाकात भावुक पल दे सकती है। माता-पिता की सेवा में समय बिताकर आपको संतोष मिलेगा।

तुला राशि- आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में साझेदारी का प्रस्ताव आ सकता है, जिसे सोच-समझकर स्वीकार करना लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुलेंगे और नई संभावनाएँ बनेंगी। नए लोगों से मुलाकात आपके नेटवर्क को मजबूत करेगी। किसी दूर के रिश्तेदार से खुशखबरी मिल सकती है।

वृश्चिक राशि- आज का दिन प्रगति और सकारात्मक परिणामों से भरा रह सकता है। आपके प्रयास आपको आगे बढ़ने में मदद करेंगे और आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया है, तो उसे निभाने की जिम्मेदारी महसूस होगी। आप दिल से दूसरों का भला चाहेंगे, भले ही कुछ लोग उसे गलत समझ लें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। जरूरतमंद की मदद करने से मन को सुकून मिलेगा।

धनु राशि-कामकाज के लिहाज से दिन उत्साहजनक रहेगा और आपके प्रयासों को सराहना मिलेगी। बॉस के साथ तालमेल अच्छा रहेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आपकी मेहनत के परिणाम मिलने लगेंगे। जीवनसाथी को दी गई सलाह उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। पारिवारिक रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा, हालांकि किसी विरोधी की बात मन को थोड़ी देर के लिए विचलित कर सकती है।

मकर राशि-आज निर्णय लेते समय धैर्य और समझदारी बेहद जरूरी होगी, क्योंकि जल्दबाजी से स्थिति उलझ सकती है। व्यवसाय में बदलाव करने से पहले हर पहलू पर विचार करना बेहतर रहेगा। किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में संयम ही आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगा। जरूरत पड़ने पर मांगी गई मदद आसानी से मिल सकती है, जिससे काम आगे बढ़ेगा। हालांकि कोई बनता हुआ काम अचानक रुक सकता है, इसलिए मानसिक रूप से तैयार रहें और हिम्मत बनाए रखें।

कुम्भ राशि-दिन सामान्य रहेगा, लेकिन भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। किस्मत आपका साथ दे सकती है, पर आलस्य प्रगति की राह में रुकावट बन सकता है। अविवाहित लोगों के लिए किसी खास व्यक्ति से मुलाकात के योग हैं। आप अपने जीवन-स्तर और दिनचर्या में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। धन से जुड़ा रुका हुआ काम आगे बढ़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात यादों को ताजा करेगी, इसलिए उनकी बातों को सकारात्मक नजरिए से सुनना बेहतर रहेगा।

सूडोकू नवताल- 4500

★★★★☆ मध्यम

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल 4499 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

फिल्म वर्ग पहेली- 4500

शब्द पहेली - 4500

बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

शब्द पहेली -4499 का हल

शब्दजाल - 4500

शब्दजाल - 4499 का हल

दैनिक पंचांग

01 जून 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

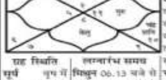

मंगलवार 2021 वर्ष का 152 वां दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2078 शक संवत् 1943 मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण तिथि सप्तमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र धनिष्ठा 16.08 बजे को समाप्त। योग वैधृति 03.01 बजे रात्र को समाप्त। करण विष्टि 12.51 बजे तदनन्तर बव 00.47 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	8.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	कुंभ में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मकर में	धनु	19.36 बजे से
राहु	वृष में	मकर	21.41 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कुंभ	23.28 बजे से
		मीन	01.00 बजे से
		मेष	02.31 बजे से
		वृष	04.11 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

चन्द्रायु 20.2 घण्टे, रवि क्रान्ति उत्तर 22° 03', सूर्य उत्तरायण, कलि अहर्गण 1870901, जूलियन दिन 2459366.5, कलियुग संवत् 5123, कल्पारंभ संवत् 1972949123, सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123, वीरनिर्वाण संवत् 2547, हिजरी सन् 1442, महीना सव्वाल तारीख 19, विशेष बाल सुरक्षा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.33 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

घोटी (नंदोरा) में धूमधाम से मनाया महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापना दिवस

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम घोटी (नंदोरा) स्थित दुर्गा मंदिर चौक में मरार माली समाज द्वारा 24 फरवरी दिन मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के स्थापना दिवस को बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। ज्ञात हो कि मरार माली समाज द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से नौ वर्ष पूर्व 24 फरवरी 2018 में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित की गई थी। यह कार्यक्रम समाज के सदस्यों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के शिक्षा, समानता एवं महिला सशक्तिकरण के आदर्शों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीचन्द कामड़े तथा अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष प्यारेलाल दान्दरे ने की, जबकि मरार माली समाज के वर्तमान अध्यक्ष

परमेश्वर नागफासे उपाध्यक्ष के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनिल मातरे एवं भूपेश दान्दरे ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में राजाराम चौधरी, श्रीमती संतोषी कबीरे (जुनवानी), जीरू बाई कुमरे, संगीता डोडके, दिनेश मानकर, श्रीमती अनिता मानकर, सागरलता पंचोरी, राजेश्वरी मानकर, श्रीमती प्रिती दान्दरे, राजेश्वर दान्दरे, मनीराम पांचे, देवलाल मानकर, भूपेश दान्दरे, टेकचन्द पाचे, राधेश्याम नागफासे, खेलेश पांचे, तिलकचन्द कौशल, रोशेलाल कावरे, टेकचन्द कौशल (शिक्षक) तथा श्री वासनिक सर शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के सामाजिक सुधारों, शिक्षा प्रसार एवं दलित-शोषित वर्गों के उत्थान में योगदान की सराहना की तथा समाज के युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। मरार माली समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, ताकि आने वाली पीढ़ी इन महान व्यक्तित्वों के योगदान से अवगत रहे और समाज में समानता व शिक्षा का प्रसार जारी रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के महिलाएं, पुरुष, युवा एवं बच्चे उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार का हुआ गठन, नई जवाबदारी सौंपी गई

पद्मेश न्यूज। लांजी। मॉं गायत्री शक्ति पीठ लांजी के सभा हॉल में 23 फरवरी को गायत्री परिवार के पुनर्गठन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला समन्वयक पुष्पेश्वर पिछोड़े एवं शक्ति पीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी किशन लाल मेहरबान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरुवात देव पूजन एवं अतिथि सत्कार के पश्चात शाँति कुंज से प्राप्त दिशा निर्देशो से सभी को अवगत कराया गया। तहसील समन्वय समिति में 15 सदस्यों के नाम का प्रस्ताव रखा गया एवं समर्थन के बाद नाम चयनित किये गये। जिसके अन्तर्गत कवनलाल लिल्हारे को तहसील समन्वयक, किशन लाल मेहरबान शक्ति पीठ पदेन सह समन्वयक, धर्मेन्द्र सिंह बैस रिकार्ड रिपोर्ट सह समन्वयक, यशवंत राव बनौठे मण्डल विस्तार अभियान, श्रीमती नम्रता कबीरे नारी जागरण अभियान, श्रीमती प्रमिला तिड? आओ गढ़े संस्कार वान पीढ़ी, नरेन्द्र बनौठे को युवा जोड़ो अभियान, रेवाराम कबीरे को भारती संस्कृति ज्ञान परीक्षा, श्रीमती लीला मोरघड़े को साधना एवं स्वाध्याय, रामदयाल बडघैया पर्यावरण एवं जल संरक्षण, छब्बीलाल मरठे को शिक्षा एवं बाल संस्कार शाला, यादोराव सोनटक्के को स्वालंबन, शिक्षण प्रशिक्षण, गन्नूलाल नगपुरे को नशा व्यसन कुरीति उन्मुलन एवं आदर्श ग्राम, युवराज पटले को साहित्य एवं पत्रिका विस्तार, पूरनलाल जैतवार को स्वास्थ्य, डॉ राम प्रसाद सोनवाने को सहायक स्वास्थ्य का प्रभार सौंपा गया। अंत में स्व. इंदिरा डोलस को 2 मीनट का मौन धारण कर श्रृद्धांजलि गायत्री परिवार के द्वारा दी गई। शांति पाठ के पश्चात कार्यक्रम समाप्त करने की घोषणा की गई। इस दौरान गायत्री परिवार लखनलाल सोमनकर, शैलेन्द्र विजयवार, सुरजलाल बिलावर, अनंतराम सोनवाने, नीलचंद अगाड़े, राधेश्याम खोबरागड़े, सुखचरण नेवारे, छलुलाल दमाहे, तुषार अगाड़े, आदित्य गिरेपुंजे, सालिकराम रामटेकर, मदनलाल सोमनकर, श्रीमती सरिता पालेवार, विनीता सोमनकर, मीना कुन्घाड?र, उषा सोमनकर, कालिन्दी भार्गव, परिव्राजक विनोद तिड? प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय लांजी के एन.एस.एस. ईकाई ने लगाया 7 दिवसीय शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी के एन.एस.एस. ईकाई का शुभारंभ सात दिवसीय शिविर 24 फरवरी को ग्राम पंचायत कटंगी में किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत माँ

सरस्वती एवं एन.एस.एस. के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य आर. आर. सोनवाने, विशिष्ट अतिथि के रूप में कटंगी पंचायत के सरपंच महेन्द्र कुमार बोरकर एवं सचिव हरिश आसटकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम अधिकारी रितेश सोनवाने द्वारा शिविर के विषय एवं कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी के साथ की गई । कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में स्वयं सेवको का मार्गदर्शन एवं शुभकामनाएं दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गौतमा कठाने द्वारा की गई।

शिविर आयोजित कर दिव्यांग बच्चों को प्रदान किए उपकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिये 24 फरवरी 2026 दिन मंगलवार को जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया शिविर में चयनित बच्चों को आवश्यकता एल्मिको टीम जबलपुर के द्वारा चिन्हित बच्चो को सहायक उपकरण प्रदान किये गये है जिनमें श्रवण यंत्र-24 एमएस आईडी किट-60, ट्राईसायकल-4, व्हील चेयर-12, सीपी चेयर 9, ब्रेल कीट 3, केलीपर्स 8, रोलेटर-14, सुग्मय केन-2 इस प्रकार 103 दिव्यांग बच्चों को 136 उपकरणों का विरतरण शिविर के दौरान किया गया। शिविर का आयोजन शिवेन्द्र ठके (बी.आर.सी.) लांजी के मार्ग दर्शन में किया गया। शिविर में एलिमकों सहायक रामकुमार सिंह, जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी से बीएसी युवराज टेम्भरे, अरुण भीमटे, लक्ष्मीकांत मडामें ,एमआरसी खिलेश डोहरे, श्रीमती कल्पना खोटेले, कम्प्यूटर आपरेटर अनिष वैध एवं भृत्य तोमेश्वर घासले तथा जनशिक्षक दादूराम रणदिवे, प्रदीप कुमार मुरकुटे, नोहेश भटेरे , शिक्षक ईश्वरी सातपुते, सेवकराम नेवारे, संतोष कावडे का सहयोग रहा।

उर्वशी एवं उसके दिव्यांग पुत्र ईश्वर बडगैया की समस्या का हुआ समाधान

जनसुनवाई में कलेक्टर ने की त्वरित कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी तहसील के ग्राम दुल्हापुर की उर्वशी बडगैया एवं उसके दिव्यांग पुत्र ईश्वर बडगैया की समस्या का कलेक्टर मृणाल मीना ने जनसुनवाई में समक्ष में सुनकर समाधान कर दिया है। कलेक्टर श्री मीना ने लांजी एसडीएम को निर्देशित किया है कि उर्वशी बडगैया एवं सुखदेव बडगैया के परिवार की भूमि का सीमांकन करें। इसके साथ ही उर्वशी बडगैया एवं उसके दिव्यांग पुत्र की स्थिति को देखते हुए सुखदेव एवं उर्वशी के मकान की दीवारों के बीच की भूमि पर दीवार भी बनाने के निर्देश दिये है, जिससे उर्वशी के मकान की दीवार को किसी तरह की क्षति न पहुंच सके। कलेक्टर द्वारा दिये गए निर्देश से उर्वशी एवं उसका दिव्यांग पुत्र ईश्वर बडगैया संतुष्ट हुए है और अब खुश है। उल्लेखनीय है कि ग्राम दुल्हापुर के सुखदेव

बडगैया एवं शिकायतकर्ता उर्वशी बडगैया एक ही परिवार के सगे संबंधी है। सुखदेव बडगैया द्वारा अपने हिस्से में मकान बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस पर उर्वशी बडगैया द्वारा आपत्ति ली जा रही है कि इससे उसके पुराने मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो रही है। 24 फरवरी को कलेक्टर श्री मीना ने उर्वशी एवं उसके पुत्र ईश्वर की समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल लांजी एसडीएम को दूरभाष पर निर्देशित किया कि सुखदेव एवं उर्वशी की भूमि का सीमांकन कराए। इस दौरान उर्वशी के दिव्यांग पुत्र ईश्वर ने स्वीकार किया कि उसे कभी पेशी पर नही बुलाया गया है। उर्वशी ने बताया कि वह कम पढी लिखी है और उसे शासकीय प्रक्रिया की समझ नही है इस कारण से वह अपने दिव्यांग पुत्र को पेशी पर साथ लेकर आती रही है।

दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरणों का किया गया वितरण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। समग्र शिक्षा अभियान के अधीन विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के लिए मंगलवार 24 फरवरी 2026 को जनपद शिक्षा केंद्र किरनापुर में एक दिवसीय शिविर का आयोजन कर इन बच्चों के दैनिक जीवन में सुगमता प्रदान करने में काम आने वाले सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।शिविर स्थल पर कार्यकम का शुभारंभ जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह के मुख्यातिथ्य तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी गणेश

सोनी,विकास खंड स्त्रोत समन्वयक सी एल टेकाम , शासकीय हाईस्कूल धडी के प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव , नेमीचंद परीहार, तेलासे सर एवं एडल्मिको जबलपुर से डॉ हंजला इरशाद, सुधीर कुमार की उपस्थिति में मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। उल्लेखनीय हैं कि विकासखंड किरनापुर में गत 10 अक्टूबर 2025 को एल्मिको के सहयोग से उपकरणों के लिए 119 बच्चों का चयन किया गया था तथा आज 24 फरवरी को आयोजित शिविर के रोलेटर-24, व्हील चेयर- Kit-72, CP चेयर- 5, ब्रेल कीट- 2, श्रवणयंत्र 7, 37 टीएल एम कीट इस प्रकार, उपकरण वितरण शिविर में 119 बच्चो को 158 उपकरण प्रदाय किया गया। जनपद शिक्षा विभाग से शिविर को सफल बनाने में बी.ए सी अरुण पाराशर, अशोक बिसेन, महाजन बिसेन, गजानंद मोहबे, एम. आर. सी. श्यालू राऊत, धनेन्द्र चित्रिय कम्प्यूटर आपरेटर-राकेश भरने, हितेश शरणागत तथा जनपद शिक्षा केंद्र-किरनापुर के समस्त कर्मचारी का सराहनीय योगदान रहा।

किरनापुर में चोरी की वारदात से लोगों में खौफ का माहौल

घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल उड़ा ले गया चोर,सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी की वारदात

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जिले मे चोरी की वारदातों मे इज़ाफ़ा होते जा रहा है। बीती रात्रि चोरों द्वारा किरनापुर मे भी चोरों ने घर के सामने तीन शेड के नीचे खड़ी एक मोटर साईकिल को निशाना बना कर उसे चोरी कर ले गए। मोटर साइकिल चोरी की यह पूरी वारदात घर मे लगे सीसीटीवी कैमरे मे कैद हो गई। घटना की पूरी जानकारी पुलिस को देते हुए किरनापुर निवासी राकेश शर्मा द्वारा मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई बताया कि मैं वार्ड नं.09 किरनापुर में रहता हूँ। आर. ओ. वाटर सप्लाई का काम करता हूँ। मेरे पास एक मोटर साईकिल TVS STAR CITY क्र.MP50MV1266, चेचिस नं. MD625AK22MvE01138 एवं इंजन नं. CKwEMv200973 है। जिसे मैंने कल दिनांक 23/02/2026 को रात्रि करीबन 09.00 बजे अपने घर सामने टीन शेड के नीचे में मोटर साईकिल को खड़ी कर दिया था। रात्रि करीबन 11.00 बजे मेरे पापा बाहर से घर आये, तब मेरी मोटर साईकिल टीन शेड के नीचे में खड़ी थी। आज दिनांक 24/02/2026 को सुबह करीबन 07/00 बजे सोकर उठकर देखा, तो मेरी मोटर साईकिल मैंने जहाँ पर खड़ी किया था, उस स्थान पर नहीं थी। आसपास देखा, तो मेरी मोटर साईकिल नहीं मिली। कोई अज्ञात व्यक्ति मेरी मोटर साईकिल को चोरी कर ले गया है। मेरी मोटर साईकिल की कीमत करीबन 35000 रूपये है। राकेश शर्मा द्वारा की गई रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर जांच शुरू कर दी है। वही किरनापुर मे घटित चोरी की घटना से लोगों मे ?ौफ का माहौल उत्पन्न हो गया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में राजधानी भोपाल में किसान महाचौपाल में कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष ने पीएम और भाजपा पर किया जोरदार हमला, राहुल गांधी बोले...

मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की

-पीएम पर एपस्टीन-अडाणी के केस का दबाव

भोपाल। भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में मंगलवार को मप्र की राजधानी भोपाल के जवाहर चौक पर कांग्रेस ने किसान महाचौपाल बुलाई। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जोरदार हमला किया। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। वे चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहते थे। राहुल ने कहा कि मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की। उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। हिंदुस्तान को बेच दिया। किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील में प्रधानमंत्री ने देश को बेच दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते से देश का डेटा सौंपा गया, किसानों, टेक्सटाइल उद्योग और रोजगार को नुकसान पहुंचाया गया, जो शर्म की बात है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अमेरिका में अडानी से जुड़े मामलों को लेकर प्रधानमंत्री चिंतित हैं और 14 महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

दबाव में शर्तें मानने से देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने दिल्ली से रवाना होने से पहले कहा कि देश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों में गहरी नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में आकर उनकी शर्तें मान लीं, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। ऐसे फैसले लिए गए, जो किसानों के हितों के खिलाफ हैं और देश को कमजोर करते हैं। खडगे ने कहा कि कांग्रेस डरने वाली पार्टी नहीं है।

नरेंद्र मोदी डरपोक पीएम हैं

खडगे ने कहा कि मोदी जैसा प्रधानमंत्री आज तक नहीं देखा। मोदी आज आंख में आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते। अपनी बात नहीं रखते। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं कर पाते। सिर्फ बात करते हैं। मन की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी डरपोक पीएम हैं। वह सिर्फ कांग्रेस को डराने का काम करते हैं, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे।

मोदी ने किसानों को खतम किया, हमारा डेटा दिया

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने किसानों को खत्म किया। हमारा डेटा दिया। टेक्स्टाइल इंडस्ट्री को खत्म किया। अब कहते हैं हम बांग्लादेश की मदद करेंगे। टेक्स्टाइल में जीरो परसेंट टैक्स लगाएंगे। हमारा मंत्री कहता है कि हिंदुस्तान अमरीका से कपास खरीदेगा तो टैक्स जीरो। ट्रंप कहता है कि हर साल हिंदुस्तान को नौ लाख करोड़ रुपए का माल अमरीका से खरीदना पड़ेगा। पांच साल के लिए। बात समझिए। ऐसे में हमारी इंडस्ट्री का क्या होगा? मोदी ने दबाव में सब दे दिया। मैं पूछता हूं आपने लिया क्या? मुझे एक चीज बता दो। कुछ नहीं लिया। पहले से ज्यादा टैक्स हम देंगे। हमारा पहले कम था। हम कोई इंपोर्ट की गारंटी नहीं दी। मैं लिखकर दे सकता हूं, अगर मोदी पर दबाव और धमकी नहीं होती तो वे ऐसा नहीं करते। राहुल ने कहा कि ये जो बेचा है अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को बचाने के लिए किया। लेकिन वे बच नहीं सकते। उनको कोई बचा नहीं सकता। मैं कांग्रेस के बब्बर शेरों से कहता हूं, आप किसी से डर नहीं सकते। आपने इंडस्ट्री बनाई, मोदी ने खत्म किया। आपको डरने की जरूरत नहीं है।

अमेरीका से ये डील नहीं है, दिल में तीर है

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने देश को बेच दिया। ये बात बीजेपी और आरएसएस के सारे कार्यकर्ता के मन में है। वो जानते हैं कि नरेंद्र मोदी को दो ग्रिप से चोक कर दिया गया है। उनकी आंखों में देखिए आपको दिखेगा कि नरेंद्र मोदी को फंसा दिया गया है। उन्होंने ये डील की है। ये डील नहीं है, इनके दिल में तीर है। अमरीका में एक और चीज हुई। वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रंप टैरिफ को रद्द करेंगे और रद्द कर दिया। बाकी देशों ने भी कर दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। मैं चैलेंज करता हूं नरेंद्र मोदी को। राहुल गांधी ने कहा कि दम है तो आप अमरीका और यूएस की डील को रद्द करके दिखा दीजिए। ये नहीं कर सकते हैं क्योंकि अडाणी का केस है। एपस्टीन की धमकी है। सिर्फ किसानों को नहीं, 21वीं सदी में सबसे जरूरी चीज डेटा है। जिसके पास डेटा है, वो जीतेगा, जिसके पास डेटा नहीं है वो खत्म हो जाएगा। राहुल ने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा डेटा हिंदुस्तान के पास है। दूसरे नंबर पर चाइना है। हिंदुस्तान के डेटा के बिना चाइना का मुकाबला अमरीका नहीं कर सकता है। इस डील में छोटी सी स्क्रिप्ट में मोदी ने पूरा डेटा अमरीका के हवाले कर दिया।

नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के किसानों को बेच दिया

राहुल बोले कि ये डील चार महीने रुकी हुई थी। लोकसभा से नरेंद्र मोदी भागते हुए गए। आप गडकरी जी, शिवराज जी से पूछिए। क्या किसी से बात की उन्होंने। नरेंद्र मोदी ने चार महीने कुछ नहीं किया और फिर एकदम फोन किया और हिंदुस्तान के किसानों को बेच दिया। हमारा सारा डेटा दे दिया। राहुल बोले कि पहला कारण अमेरिका में लाखों फाइल, एपस्टीन की फाइल बंद पड़ी हुई हैं। तीस लाख फाइल। उसमें ईमेल है। मैसेज हैं। वीडियो हैं। सबकुछ है। वो रिलीज नहीं हुई हैं। बंद पड़ी हैं। धमकाने के लिए हरदीप पुरी का नाम रिलीज किया है। ये मैसेज है कि भैया आपने हमारी बात सुनी नहीं तो फिर उन फाइलों में से माल निकलेगा। भाइयो-बहनों अनिल अंबानी मेरा मित्र नहीं है। नरेंद्र मोदी जी आप बताइए अनिल अंबानी से आपका रिश्ता क्या है? अनिल एपस्टीन फाइल मे है। दूसरा कारण- मैं अभी गाड़ी में आ रहा था। देखा अडाणी आईसीसी, जहां भी देखो अडाणी। ये जो अडाणी है मामूली कंपनी नहीं है। ये बीजेपी का नरेंद्र मोदी का फाइनेंशियल स्ट्रक्चर है। दूसरी धमकी है कि अमरीका में अडाणी पर क्रिमनल केस है। अडाणी अमरीका नहीं जा सकते हैं। डरे हुए हैं कि मैं गया तो पकड़ लेंगे। दरअसल, उस केस का लक्ष्य अडाणी नहीं, नरेंद्र मोदी है। वो तीर अडाणी की तरफ नहीं, नरेंद्र मोदी की तरफ मारा जा रहा है।

उमा भारती की बहू एवं भतीजे को बम से उड़ाने की धमकी

एफआईआर दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी खंगालने में लगी

टीकमगढ़। भाजपा की फायरब्रांड नेत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री की बहू एवं भतीजे को बम से उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सनसनी फैल गई है। इतना ही नहीं फेसबुक पर मिली इस धमकी के बाद दो अज्ञात लोग उनके बंगले पर पहुंचे और धमकी दी। हालांकि जिला पंचायत अध्यक्ष की शिकायत के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की बहू श्रीमती उमिता-राहुल लोधी टीकमगढ़ जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। उन्होंने शिकायत में बताया है कि बीती 21 तारीख को उन्होंने फेसबुक पर कोई पोस्ट की थी। इस पोस्ट पर 22 फरवरी की रात किसी जीडब्ल्यू बृजेंद्र कुशवाहा की आईडी से धमकाने वाला कमेंट आया। इस कमेंट में उन्हें और उनके पति पूर्व मंत्री राहुल लोधी को जान से मारने एवं बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अमिता-राहुल सिंह ने इस कमेंट के स्क्रीनशॉट को सुरक्षित किया। फिर इसी रात 11 बजे के लगभग देहात थाना अंतर्गत स्थित उनके बंगले पर दो अज्ञात युवक चेहरा ढकर पहुंचे। उन्होंने छज्जे से इन दोनों को देखा। देखते ही इन दोनों अज्ञात ने जिला पंचायत अध्यक्ष को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि यह देख उनके द्वारा शोर मचाया गया तो अमर सिंह मौके पर पहुंचे तब तक यह अज्ञात वहां से भाग गए। दोनों युवकों ने अपने चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। इसलिए उनकी पहचान नहीं हो पाई। घटना की जानकारी उन्होंने अपने पति राहुल सिंह लोधी को दी। फिर अगले दिन देहात थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए दोनों अज्ञात के खिलाफ धारा 296(बी), 351(3), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार पूरी घटना को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी कैमरो की छानबीन जारी है। इतना ही नहीं जिस आईडी से धमकी आई है उस आईडी की छानबीन करने में साइबर पुलिस जुट गई है।

स्कूल लेट पहुंचे तो जा सकती है नौकरी

- लेटलतीफी पर सख्त हुई सरकार, अतिथि शिक्षकों को टाइम पर स्कूल पहुंचने का आदेश

भोपाल। प्रदेश में अब अतिथि शिक्षकों और विद्वानों की उपस्थिति को लेकर मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचनालय सख्त रवैया अपनाने की तैयारी में है। हाल में एक आदेश जारी कर अतिथि शिक्षक और अतिथि विद्वानों को अपने स्कूल और कॉलेजों में समय पर उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता कर दी गई है। यानि अब लेटलतीफी नहीं चलेगी, टीचर्स को तय वक्त पर ही स्कूल आना होगा। लोक शिक्षा संचनालय द्वारा ये फैसला स्कूल और कॉलेजों में छात्रों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

एएसआई रिपोर्ट : भोजशाला परिसर में मस्जिद मंदिर के अवशेषों से बनाई गई थी

कोर्ट ने सभी पक्षों को आपत्ति, सलाह, सिफारिश पेश करने दो सप्ताह का समय दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला परिसर स्थित कमाल मौला मस्जिद प्राचीन मंदिर के अवशेषों से बनाई गई थी। यह बात आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कही गई है। वैज्ञानिक तरीके से की गई जांच, सर्वेक्षण और खुदाई में मिली वस्तुओं के अध्ययन और विश्लेषण, स्थापत्य अवशेषों, शिलालेखों, कला और मूर्तियों के अध्ययन के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है।

एसआई ने अपनी रिपोर्ट 2024 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ को सौंपी थी। इसमें कहा गया है कि मौजूदा संरचना सदियों बाद बनाई गई थी, जिसमें एकरूपता, डिजाइन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए बेंच ने आदेश दिया कि एएसआई की रिपोर्ट सभी पक्षों को दी जाए। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी ने सभी पक्षों को आपत्ति, सलाह, विचार या सिफारिश पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को तय की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है और इस निकाय ने हाई कोर्ट के आदेश पर दो साल पहले विवादित परिसर का सर्वेक्षण करके अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 जनवरी को हाई कोर्ट को निर्देश दिया था कि वह विवादित परिसर के बारे में एएसआई द्वारा सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई रिपोर्ट खोले।

पक्षकारों के मुताबिक विस्तृत रिपोर्ट में कहा गया कि वैज्ञानिक जांच, सर्वेक्षण और पुरातात्विक उत्खनन, प्राप्त वस्तुओं के अध्ययन और विश्लेषण, स्थापत्य अवशेषों, मूर्तियों और शिलालेखों के अध्ययन, कला और मूर्तिकला के आधार पर कहा जा सकता है कि वर्तमान संरचना प्राचीन मंदिरों के भागों से बनाई गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि एएसआई ने विवादित परिसर में 98 दिनों के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाद 10 खंडों में 2,000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है। उन्होंने कहा कि इस विस्तृत रिपोर्ट में परिसर में मिले सिक्कों, सनातन धर्म से जुड़े प्रतीक चिन्हों और देवी-देवताओं की मूर्तियों आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है। हालांकि, इस परिसर की प्रकृति अदालत के अंतिम फैसले से तय होगी।

वहीं कमाल मौला मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करने वाले लोगों ने हाई कोर्ट में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर मुकदमे में हस्तक्षेप याचिका दायर की है। इनके वकील ने कहा कि हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस का मुकदमा विवादित परिसर के तथ्यों के बारे में है और इन तथ्यों की सत्यता के बारे में फैसला करने के लिए पहले दीवानी न्यायालय में सुनवाई होनी चाहिए। लिहाजा हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस का मुकदमा फिलहाल हाईकोर्ट में चलने योग्य ही नहीं है।

3 हजार के चैक की क्लोनिंग कर 1 करोड़ निकालने का प्रयास करने वाले को 3 साल की जेल

- दिलीप बिल्डकॉन कपंनी का था चैक : यूपी के मुजफ्फनगर से किया गया था क्लियरेंस का प्रयास

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने दिलीप बिल्डकॉन का फर्जी चेक बनाकर रकम निकालने का प्रयास करने वाले आरोपी को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए सजा 3 साल के कठोर कारावास की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। संभागीय जनसंपर्क अधिकारी, भोपाल मनोज त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि अतुल सक्सेना 23वे अपर सत्र न्यायाधीश ने की कोर्ट ने फर्जी चेक बनाकर रकम निकालने वाले आरोपी शौकीन्द्र कुमार पिता धर्मपाल को दोषसिद्ध पाते हुये धारा 420, 511 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदण्ड एवं धारा 474 भादवि मे 3 वर्ष का सश्रम कारावास सहित 500 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। प्रकरण में शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक एसटीएफ भोपाल आकिल खान द्वारा पैरवी की गई।

- यह था मामला

मनोज त्रिपाठी ने बताया की पुलिस थाना एसटीएफ भोपाल को दिलीप बिल्डकॉन के अध्यक्ष भारत द्वारा एक लिखित शिकायत की गई थी। जिसमें बताया गया था की कम्पनी द्वारा पूर्व मे जारी किये गये चेक नंबर 492400 की रकम 3000 थी, जिसे कम्पनी के कर्मचारी अंकुर कुमार को दिया गया। उस चैक की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्लोनिंग कर 10 करोड़ की राशि का चैक तैयार कर देव कन्स्ट्रकशन के नाम से 27 फरवरी 2020 को केनरा बैंक जिला मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश मे आहरण हेतु लगाया गया। रकम काफी बड़ी होने पर चैक की जाँच क्लीरिंग शाखा के द्वारा की गई तब मालूम हुआ है कि उस नंबर का चैक पहले कैश कराया जा चुका है। जिस कारण बैंक द्वारा चैक का भुगतान रोक दिया गया एवं संबंधित बैंक की शाखा को सूचना दी गई। सूचना के आधार पर पुलिस थाना एसटीएफ ने धारा 420, 511, 474 के तहत मामला कायम कर जाँच की गई। विवेचना के बाद चालान कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने अभियोजन द्वारा पेश किये गये तर्क, साक्ष्य, दस्तावेजों से सहमत होते हुए आरोपी शौकीन्द्र कुमार को सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है।

प्रदेश में नई ब्लड बैंक पॉलिसी लागू

भोपाल। सतना जिले में कुछ महीने पहले घटित एक घटना की वजह से मध्य प्रदेश सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। मोहन सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में ब्लड बैंक को लेकर एक नई पॉलिसी लागू कर दी है। इस नई पॉलिसी के तरह मरीजों को ब्लड बैंक से तभी खून दिया जाएगा जब उनकी एनएटी मशीन से जांच पूरी कर ली जाएगी।

एनएटी मतलब (न्यूक्लिक एसिड टेस्ट) हैं। दरअसल पिछले साल दिसंबर के महीने में सतना जिला अस्पताल से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया था। यहां पर चार थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ा दिया गया था। जिसके बाद पूरे जिले में अफरा-तफरी मच गई थी। सतना में हुई इस घटना के बाद से ही सरकार सतर्क मोड पर है और ऐसी घटना आगे फिर कभी सामने न आए इसलिए एनएटी टेस्ट को अनिवार्य कर दिया गया है।

मृतकों के नाम पर बांट दी संबल पेंशन

भोपाल । सरकार ग्राम पंचायतों को नियम, कायदे और भुगतान के संबंध में ट्रेनिंग दे, क्योंकि पंचायतें मनमाने काम करती हैं। यह सुझाव स्थानीय निधि संपरीक्षा ने पंचायतों की जांच में वित्तीय अनियमितताएं उजागर करते हुए दिया है। रिपोर्ट में बताया कि संबल योजना में मृतकों के नाम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन की करोड़ों रुपए बांट दिए गए। सप्लायरों को दोबारा, अधिक भुगतान, कई पंचायतों में सामग्री का रेट से ज्यादा भुगतान करने के मामले आए हैं।

संचालक स्थानीय निधि परीक्षा ने वर्ष 2021 व 2022 में पंचायतों में संचालित योजनाओं और सामग्री खरीदी की पड़ताल की। इसमें पाया कि पंचायतों में क्रय नियमों, भुगतान संबंधी दस्तावेजों और उसके नियमों का पालन नहीं हो रहा है। सेंपल के तौर पर प्रदेश के 32 जनपद पंचायतों और 4,674 पंचायतों को शामिल किया था।

न्यू मित्र मंडल सहकारी संस्था घोटाला: करोड़ों की धोखाधड़ी का पर्दाफाश, ईओडब्ल्यू की कार्रवाई

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल को दिनांक 08.12.2025 को आवेदक अर्जुन वाधवानी एवं अन्य पीड़ित सदस्यों से न्यू मित्र मंडल गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल से संबंधित गंभीर वित्तीय अनियमितताओं, धोखाधड़ी एवं गबन के संबंध में लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी। उक्त शिकायत के आधार पर प्रकरण की विस्तृत जांच में यह पाया गया कि-न्यू मित्र मंडल संस्था के पदाधिकारियों ने सहकारिता विभाग के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर संस्था की करोड़ों की जमीन अपने रिश्तेदारों और बाहरी लोगों को बेच दी। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों, अभिलेखों एवं गवाहों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आरोपीगण संगमलाल हासीजा (मृतक), सुश्री नीलम हासीजा, सुश्री पायल हासीजा, आई. के. चौधरी, अशफाक अहमद कुरैशी, मो. अफसर, नफीस एवं मूसा सहित अन्य के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएएस), 2023 की धारा 61(2), 316(2) एवं 318 (4) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

जांच में पाया गया कि न्यू मित्र मंडल गृह निर्माण सहकारी संस्था की स्थापना वर्ष 1981 में आवासीय भूखंड उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। संस्था द्वारा ग्राम बागमुगालिया, भोपाल में खसरा क्रमांक 454/1 की लगभग 3.5 एकड़ भूमि का क्रय सदस्यों से एकत्रित धनराशि से किया गया था। संस्था के अ धि क 1 ' श 1 सदस्य मध्यमवर्गीय एवं सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित थे, जिन्होंने अपने जीवन की बचत इस उद्देश्य से जमा की थी कि उन्हें आवासीय भूखंड प्राप्त हो सके।

जांच में यह भी पाया गया है कि वर्ष 1996 में न्यू मित्र मंडल सोसायटी द्वारा क्रय की गई खसरा क्रमांक 454/1, कुल रकबा 3.5 एकड़, ग्राम बागमुगालिया, भोपाल की भूमि सड़क निर्माण में अधिग्रहण में आ जाने से शासन द्वारा लगभग 2 एकड़ भूमि अधिग्रहण में लेकर मुआवजा / भूमि / एफ.ए.आर. संस्था को दिया गया था, किंतु इसका लाभ संस्था के मूल सदस्यों को नहीं दिया जाकर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा शेष बची भूमि पर 100 सदस्यों के स्थान पर प्रथम 45 सदस्यों हेतु भूखंडों को विकसित किए जाने के लिए टी.एन.सी.पी. भोपाल से 45 प्लॉट हेतु दिनांक 08.04.2004 को नक्शा पास करवाया जाकर विकास कार्य हेतु नगर पालिका निगम भोपाल से कॉलोनी विकास हेतु अनुमति क्रमांक 309 दिनांक 11.01.2005 प्राप्त की गई थी।

प्रधानमंत्री जी ने भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है -डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह समझौता मध्यप्रदेश सहित देश भर के किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। कांग्रेस ने वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी का वादा कर सरकार बनाई, लेकिन किसानों का कर्ज पूर्ण रूप से माफ नहीं किया। इसके विपरीत, अनेक किसानों को डिफॉल्टर की स्थिति में पहुंचा दिया गया। भाजपा सरकार ने किसानों को उस स्थिति से बाहर निकालने का कार्य किया है। किसान चौपाल करने वाले राहुल गांधी बताएं दलहन में कौन सी फसलें होती हैं। कांग्रेस ने किसानों के साथ अन्याय किया, हमारी सरकार 365 दिन किसानों के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को ट्रेड डील का विरोध करने के बजाय मध्यप्रदेश के किसानों से कर्जमाफी के नाम पर किए गए वादाखिलाफी के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ट्रेड डील का विरोध कर रही है।

हमारी सरकार ने सिंचाई के क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से लेकर 2002-03 तक, जब राज्य में कांग्रेस की सरकारें रहीं, तब सिंचाई का रकबा मात्र 7.5 लाख हेक्टेयर तक सीमित रहा, जबकि नदियाँ, खेत और संसाधन सब उपलब्ध थे। किसानों के साथ हुए इस अन्याय का परिणाम था कि कृषि विकास ठहरा रहा। इसके विपरीत पिछले वर्षों में हमारी सरकार ने सिंचाई क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार किया है और अल्प अवधि में ही 10 लाख हेक्टेयर की वृद्धि कर यह सिद्ध किया है कि प्रतिबद्धता और नीति स्पष्ट हो तो परिणाम संभव हैं। आज भारत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है, यह सब किसान, गरीब और सभी वर्गों के कल्याण को केंद्र में रखकर लिए गए निर्णयों का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा हमारी सरकार ने लगभग सत्रह विभागों को जोड़कर ꩜किसान कल्याण वर्ष꩜ के अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। खेत से कारखाने तक, फसल से बागवानी तक और बागवानी से बाजार तक एक सशक्त वैल्यू चेन तैयार कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। हम पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर कृषि आधारित व्यापक चर्चा के लिए भी तैयार हैं, क्योंकि हमारा लक्ष्य राजनीति नहीं, बल्कि किसान और प्रदेश की समृद्धि है।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा ।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती - अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं क्योंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आप टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था। अक्षर ने पिछली बार दबाव के हालातों में बेहतरीन पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बार फिर आमने-सामने होंगी भारत-पाकिस्तान टीमें

लंदन। भारत और पाकिस्तान के बीच के बार फिर मुकाबला देखने को मिलेगा। इस बार ये मुकाबला महिला क्रिकेट टीमों के बीच होगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस साल 12 जून से 5 जुलाई तक होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस बार इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें भाग लेंगी। इन टीमों को 6-6 के दो समूहों में रखा गया है।

इसमें भारत और पाकिस्तान दोनो ही ग्रुप-1 में है, जिससे प्रशंसकों को इनके बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। ईसीबी के अनुसार भारत और पाकिस्तान मैच 14 जून को खेला जाएगा। वहीं इंग्लैंड का सामना 12 जून को पहले मैच में श्रीलंकाई टीम से होगा। इसमें ग्रुप-1 में भारत और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स है। वहीं ग्रुप-2 में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और स्कॉटलैंड है।

कार्यक्रम

शुक्रवार 12 जून- इंग्लैंड बनाम श्रीलंका, एजबेस्टन भारतीय समयानुसार 11 बजे से

शनिवार 13 जून- स्कॉटलैंड बनाम आयरलैंड, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 3 बजे से

शनिवार 13 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

शनिवार 13 जून- वेस्ट इंडीज बनाम न्यूजीलैंड, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 11 बजे से

रविवार 14 जून- बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड्स, एजबेस्टन भारतीय समयानुसार 3 बजे से

रविवार 14 जून- इंडिया बनाम पाकिस्तान, एजबेस्टन भारतीय समयानुसार 8 बजे से

मंगलवार 16 जून- न्यूज़ीलैंड बनाम श्रीलंका, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 8 बजे से

मंगलवार 16 जून- इंग्लैंड बनाम आयरलैंड, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 11 बजे से

बुधवार 17 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, हेडिंग्ले भारतीय समयानुसार 3 बजे से

बुधवार 17 जून- इंडिया बनाम नीदरलैंड्स, हेडिंग्ले भारतीय समयानुसार 8 बजे से

बुधवार 17 जून- साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान, एजबेस्टन भारतीय समयानुसार 11 बजे से

गुरुवार 18 जून- वेस्ट इंडीज़ बनाम स्कॉटलैंड, हेडिंग्ले भारतीय समयानुसार 11 बजे से

शुक्रवार 19 जून- न्यूज़ीलैंड बनाम आयरलैंड, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 11 बजे से

शनिवार 20 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड्स, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 3 बजे से

शनिवार 20 जून- पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, हैम्पशायर बाउल भारतीय समयानुसार 18 बजे से

शनिवार 20 जून- इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, हेडिंग्ले भारतीय समयानुसार 11 बजे से

रविवार 21 जून- वेस्ट इंडीज़ बनाम श्रीलंका, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 10-30 बीएसटी

रविवार 21 जून- साउथ अफ्रीका बनाम इंडिया, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

मंगलवार 23 जून- न्यूज़ीलैंड बनाम स्कॉटलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड भारतीय समयानुसार 3 बजे से

मंगलवार 23 जून- श्रीलंका बनाम आयरलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

मंगलवार 23 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, हेडिंग्ले भारतीय समयानुसार 11 बजे से

बुधवार 24 जून- इंग्लैंड बनाम वेस्ट इंडीज़, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 11 बजे से

गुरुवार 25 जून- इंडिया बनाम बांग्लादेश, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

गुरुवार 25 जून- साउथ अफ्रीका बनाम नीदरलैंड्स, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड भारतीय समयानुसार 11 बजे से

शुक्रवार 26 जून- श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 11 बजे से

शनिवार 27 जून- पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड भारतीय समयानुसार 3 बजे से

शनिवार 27 जून- वेस्ट इंडीज़ बनाम आयरलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

शनिवार 27 जून- इंग्लैंड बनाम न्यूज़ीलैंड, द ओवल भारतीय समयानुसार 11 बजे से

रविवार 28 जून- साउथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 3 बजे से

रविवार 28 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम इंडिया, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 8 बजे से

मंगलवार 30 जून- टीबीसी बनाम टीबीसी (सेमी फ़ाइनल 1), द ओवल भारतीय समयानुसार 8 बजे से

गुरुवार 2 जुलाई- टीबीसी बनाम टीबीसी (सेमी फ़ाइनल 2), द ओवल भारतीय समयानुसार 11 बजे से

रविवार 5 जुलाई- टीबीसी बनाम टीबीसी (द फ़ाइनल), लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड भारतीय समयानुसार 3 बजे से

भारतीय टीम के खिलाफ सुपर-8 में पिछली गलतियों को नहीं दोहरायेंगे - सैमन्स

मुंबई। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स का कहना है कि वेस्टइंडीज से मिली हार से सबक लेते हुए वह भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले में अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेगी। कोच के अनुसार उनकी टीम इस मैच में आक्रामक रणनीति अपनाएगी। वेस्टइंडीज से मिली हार से उबरकर उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए तैयार है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर-8 के अपने पहले ही मैच में जिम्बाब्वे 107 रनों से हारी है। वहीं भारतीय टीम भी पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हारी थी। इसी को देखते हुए सैमन्स को भी पता है कि भारतीय टीम वापसी के लिए जबरदस्त प्रहार करेगी।

अभिषेक को लंबी पारी खेलने धैर्य रखना होगा - आमिर

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लंबी पारी खेलने के लिए धैर्य रखकर खेलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अभिषेक के पास जबरदस्त प्रतिभा है अब ये उनपर निर्भर करता है कि वह अपने कौशल का उपयोग किस तरह करते हैं। आमिर ने कुछ समय पहले अभिषेक को स्लॉगर कहा था। अब अपने इस बयान को लेकर इस गेंदबाज का कहना है कि उनका इरादा इस बल्लेबाज का मजाक उड़ाना नहीं था। वह केवल उसके तकनीकी पक्ष की कमजोरी पर बता कर रहे थे। आमिर ने कहा कि उनका इरादा इस युवा बल्लेबाज को काम आंकना नहीं था, बल्कि वह तकनीकी पहलुओं पर बात कर रहे थे। उन्होंने साथ ही कहा कि कुछ समय पहले आमिर ने कहा था कि अभिषेक एक स्लॉगर हैं जिनके पास दबाव के हालातों में बेहतर गेंदबाज़ी का सामना करने के लिए पर्याप्त रक्षात्मक तकनीक नहीं है। इस टिप्पणी के बाद से ही सोशल मीडिया पर आमिर की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने इसे गैरजरुरी टिप्पणी बताया था। वहीं आमिर ने अब साफ किया है कि उन्होंने ये शब्द केवल तकनीकी कमी के लिए उपयोग किया था। हार के बाद आई नई प्रतिक्रियाआमिर ने कहा, मैं एक गेंदबाज के नजरिए से उनकी तकनीक का आंकलन कर रहा था। लोगों को 'स्लॉगर' शब्द से आपत्ति हुई, लेकिन मेरा इरादा उन्हें नीचा दिखाना नहीं था। आमिर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्लेबाज़ की तकनीक खामी शीघ्र ही सामने आ जाती है। उनका मानना है कि अभिषेक ने जो रन बनाए, वे ज्यादातर एक ही दिशा में और कमजोर गेंदों पर बनाये हैं। ऐसे में जब कठिन गेंदबाज सामने आये तो वह परेशानी में आ गये। उन्होंने कहा, जब रबाडा ने अच्छी गेंदबाज़ी शुरू की, तो वह उसे समझ नहीं पाए।

गावस्कर ने तिलक के खेलने के अंदाज पर नाराजगी जतायी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान सुनील गावस्कर ने सुपर-8 के पहले ही मैच में खराब प्रदर्शन के लिए बल्लेबाज तिलक वर्मा पर निशाना साधा है। गावस्कर ने तिलक के खेलने के अंदाज पर भी सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि दबाव के हालातों में उन्हें टिककर एक छोर संभाने रखना था पर उन्होंने ऐसा गावस्कर ने तिलक के रवैये के साथ ही उनके शॉट चयन को भी ठीक नहीं बताया। उन्होंने कहा कि जब तिलक क्रीज पर आए। उस समय कठिन हालात थे पर उन्होंने टिककर खेलने की जगह पर पहली ही गेंद से शॉट खेलने का प्रयास किया हो सही नहीं था। मार्को जेनसन की गेंद पर वह काफी बाहर निकलकर खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। गावस्कर ने कहा कि उस समय टीम को साझेदारी की जरुरत थी, न कि जल्दबाजी की।

गावस्कर ने कहा कि शुरुआत में एक विकेट गिरने के बाद जो भी बल्लेबाज आता है उसे अपने को जमने का अवसर देना चाहिये। उन्होंने कहा, आप 15 रन प्रति ओवर का पीछा नहीं कर रहे थे। थोड़ा समय लेकर खेल सकते थे। दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा रन नहीं बना रहे थे इसलिए जिम्मेदारी तिलक पर थी कि वह पारी को संभालें। गावस्कर के मुताबिक पावरप्ले में 55/1 का स्कोर मजबूत आधार बन सकता था, लेकिन जल्दबाजी में विकेट गंवाने से टीम दबाव में आ गई।

इस टूर्नामेंट में अब क तिलक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह पांच मैचों में उन्होंने 21.40 की औसत और 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। हालांकि ग्रुप स्तर पर उन्होंने कुछ अच्छी पारियां खेलीं पर वे भी उनके खेले के अनुरुप नहीं रहीं जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। इस मैच से पहले उन्होंने अफ्रीकी टीम के खिलाफ 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 70.85 की औसत और 163.15 के स्ट्राइक रेट से 496 रन बनाए थे। इस पूर्व कप्तान के अनुसार इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम अबतक संघर्ष करता दिखा है। ऐसे में नंबर तीन बल्लेबाज की भूमिका अहम होती है। साथ ही कहा कि टीम को बड़े मंच पर अनुभवी और जिम्मेदार बल्लेबाजी की जरूरत है। अब भारतीय टीम गावस्कर की इन बातों पर कितना अमल करती है ये आगे के मुकाबलों में सामने आयेगा।

सचिन के खिलाफ दिये गलत फैसलों का पछतावा अभी भी - बकनर

मुम्बई। वेस्टइंडीज के दिग्गज अंपायर स्टीव बकनर और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बीच हमेशा ही छत्तीस का आंकड़ा रहा है। सचिन को कई बार गलत आउट दिये जाने के लिए बकनर विवादों में रहे हैं। वहीं अब बकनर ने स्वयं माना है कि कई बार उनसे गलतियां हुई और उन गलतियों का पछतावा आज भी उन्हें है। बकनर वैसे तो अपनी सटीक अंपायरिंग के लिए जाने जाते थे पर तेंदुलकर के मामल में उनका रिकार्ड खराब रहा है। वह महान बल्लेबाज के करियर में कई बार खलनायक की तरह से नजर आये। वहीं अब बकनर ने माना है कि उनसे जो गलतियां हुई है उससे वह अब भी दुखी हैं।

बकनर ने कहा, साल 2003 में ब्रिस्बेन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा के मैदान पर जेसन गिलेस्पी की एक गेंद पर बकनर को एलबीडब्ल्यू दिया था। तब रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद स्टंप्स के काफी ऊपर से जा रही थी। वहीं सचिन हैरान थे, लेकिन बिना कुछ कहे क्रीज छोड़ दी। वहीं साल 2005 में सिडनी में अब्दुल रज्जाक की गेंद पर बकनर ने सचिन को कैच आउट दिया, जबकि गेंद उनके बल्ले से बहुत दूर थी गेंद पैड को छूकर विकेटकीपर के पास गई थी। वहीं अब बकनर ने कहा, ‰मुझसे दो बड़ी गलतियां हुईं पहली गलती तब हुई जब गेंद स्टंप्स के ऊपर से जा रही थी और दूसरी तब जब गेंद बल्ले को नहीं छुई थी। ऑस्ट्रेलिया में सचिन के खिलाफ वो फैसला देना मेरे करियर की उन यादों में से है जिसे मैं सुधारना चाहता हूँ। बकनर ने यह भी स्वीकार किया कि जब आप इतने बड़े खिलाड़ी के खिलाफ गलत फैसला देते हैं, तो वह आपके दिमाग में घर कर जाता है।उन्होंने इसे एक 'मानवीय भूल' बताया, लेकिन यह भी माना कि सचिन जैसे महान खिलाड़ी के लिए एक-एक पारी कितनी कीमती होती है।वहीं सचिन ने इतने गलत फैसलों के बावजूद कभी भी मैदान पर अंपायर के प्रति खराब व्यवहार नहीं दिखाया।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

श्रीलंका- दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

पैरी और गार्थ ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम से बाहर हुई, मेगन और हैमिल्टन शामिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ऑलराउंडर एलिसी पैरी और तेज़ गेंदबाज किम गार्थ के बिना ही उतरेगी। इसका कारण है कि ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण सीरीज से बाहर हो गयी हैं। ये दोनों खिलाड़ी सरे टी20 के दौरान घायल हो गयी थीं। एकदिवसीय ही नहीं 6 मार्च से पर्थ में शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी ये शायद ही खेल पायें।

पेरी ने कहा कि टी20 सीरीज के दौरान उन्हें हल्की चोट लगी थी। जांच के बाद उन्हें आराम के लिए कहा गया है। पेरी और गार्थ के बाहर होने से अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शुट और युवा ऑलराउंडर लूसी हैमिल्टन को टीम में शामिल किया गया है। शुट ने वापसी करते ही टी20 में भारतीय ओपनर प्रतीका रावल का विकेट लिया। वहीं हैमिल्टन ने गवर्नर-जनरल इलेवन की ओर से खेलते हुए शेफाली वर्मा का विकेट लिया था। एकदिवसीय सीरीज में पेरी का प्रदर्शन औसत रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम

एलिसा हीली (कप्तान), फोएबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वॉल, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एनेबेल सदरलैंड, एशले गार्डनर, टाहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिन्यू, अलाना किंग, मेगन शुट, डार्सी ब्राउन, जॉर्जिया वेयरहम, निकोला कैरी, लूसी हैमिल्टन।

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं - श्रीकांत

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ‰अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे। श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में बड़ी जीत के लिए भारतीय टीम को बदलनी होगी रणनीति

चेन्नई। टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करारी हार से भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करार झटका लगा है। ऐसे में भारतीय टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ 26 फरवरी को होने वाले मुकाबले में बड़ी जीत दर्ज करने अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसी को देखते हुए भारतीय टीम चेन्नई पहुंच गयी है और उसने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस मैच के लिए भारतीय टीम में कुछ बदलाव भी हो सकते हैं। ऐसे में बल्लेबाज संजू सैमसन की वापसी हो सकती है। सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर ईशान किशन के साथ उतारा जा सकता है। भारतीय टीम को इस मैच में धीमी गेंदबाजों के साथ ही स्पिनरों से भी सतर्क रहना होगा।

भारतीय टीम ने अपने पिछले तीन मैचों में पहले ही ओवर में स्पिनरों के खिलाफ विकेट गंवाये हैं।

ऐसे में अगर भारतीय टीम पारी की शुरुआत के लिए दाएं और बाएं बल्लेबाज के साथ उतरे तो ये उसके लिए फायदेमंद रहेगा। इससे गेंदबाजों को हावी होने से रोका जा सकेगा। इसी को देखते हुए सैमसन की जरुरत रहेगी। सैमसन को विश्व कप में केवल एक ही ग्रुप मैच में नामीबिया के खिलाफ खेलने का अवसर मिला था। उस मैच में सैमसन ने केवल 8 गेंदों में ही 22 रन बना दिये थे। सैमसन के पारी शुरु करने की स्थिति में अभिषेक शर्मा या ईशान किशन में से किसी एक सलामी बल्लेबाज को हटना होगा। को हटाना पड़ेगा। अभिषेक और ईशान दोनों को ही अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है पर नंबर तीन पर उतर रहे तिलक वर्मा को बैंच पर बैठाना पड़ेगा। इसका कारण है कि वह लय में नहीं हैं। तिलक ने अब तक 90 गेंदों में केवल 119 रन बनाये हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी कम रहा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में तिलक की जगह पर ईशान किशन को नंबर तीन पर उतारे। ईशान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नंबर 3 पर अच्छी बल्लेबाजी की थी। इस मैच में स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को शामिल किया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में उनकी जगह पर वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया पर सुंदर असफल रहे थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम के शीर्ष क्रम के तीन टॉप बाएं हाथ के बल्लेबाज थे, इसलिए सुंदर को वरीयता मिली थी पर जिम्बाब्वे के खिलाफ अक्षर को रखना फायदेमंद रहेगा।

सीएम हेल्पलाईन की 100 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त

नियम विरूद्ध दिये गए पट्टे निरस्त करने एवं पट्टा देने वाले पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की निराकरण के लिए लंबित शिकायतों का रेंडमली चयन कर शिकायतकर्ता एवं निराकरण करने वाले अमले को समक्ष में बुलाकर सुनवाई की जाती है। इसी कड़ी में 24 फरवरी को कलेक्टर श्री मीना द्वारा 100 दिनों से अधिक की लंबित 05 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई और उनका निराकरण कराया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर डीपी बर्मन एवं अधीक्षक भू-अभिलेख कमल नायर भी उपस्थित थे।

वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम मोहगांवखुर्द निवासी देवानंद पवार द्वारा नायब तहसीलदार न्यायालय में वर्ष 2014-15 में पारित आदेश की नकल मांगी गई थी, लेकिन तहसील कार्यालय द्वारा यह नकल अब तक उपलब्ध नही करायी गई थी। इस पर देवानंद पवार द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी और यह शिकायत 191 दिनों से लंबित थी। 24 फरवरी को समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से नकल उपलब्ध नही कराने के कारण की जानकारी ली। इस संबंध में बताया गया कि पारित आदेश का रिकार्ड नही मिलने के कारण नकल उपलब्ध नही करायी जा सकी है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने वारासिवनी तहसीलदार को सख्त निर्देश दिये कि एक सप्ताह के भीतर जिला कार्यालय से रिकार्ड की प्रति प्राप्त की जाए और आवेदक को नकल उपलब्ध करायी जाए।

लालबर्रा तहसील की ग्राम बांदरी के भीमराव चौरे द्वारा अपनी जमीन की सीमांकन एवं नक्शा अपडेट करने के लिए सीएम हेल्पलाईन मे शिकायत की गई थी। यह शिकायत 339 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस प्रकरण की समक्ष में सुनवाई के दौरान संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक को सख्त निर्देश दिये गए कि जमीन के सभी हकदारों की सहमति से उसका सीमांकन किया जाए और बटवारे का आदेश एक सप्ताह के भीतर निकाले, अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

लामता तहसील के ग्राम गुडरू निवासी मोतीराम भोंडेकर द्वारा आबादी भूमि का पट्टा दिलाये जाने के लिए सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत 269 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस प्रकरण की समक्ष में सुनवाई के दौरान संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा बताया गया कि मोतीराम भोंडेकर आबादी भूमि के पट्टे के लिए पात्र नही हैं। कलेक्टर श्री मीना ने दस्तावेजों के परीक्षण के बाद मोतीराम को स्पष्ट बता दिया कि उसे आबादी भूमि का पट्टा नही दिया जा सकता है और उसकी शिकायत को बंद किया जा रहा है। इस पर मोतीराम ने कहा कि वह भले ही आबादी भूमि के पट्टे के लिए पात्र न हो लेकिन गांव के सरपंच पति लेखचंद बघेले एवं देवेश्वरी को आवासीय भूमि के 2-2 पट्टे प्रदाय किये गए है। ऐसा नही होना चाहिए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने मौके पर ही दस्तावेजों का निरीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि इन व्यक्तियों को 2-2 पट्टे प्रदाय किये गए है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने नियम विरूद्ध दिये गए पट्टे निरस्त करने एवं पट्टा देने वाले पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है।

बालाघाट तहसील के ग्राम गोंगलई निवासी कुंवरलाल ठाकरे की निजी भूमि पर भोजलाल उपवंशी द्वारा अतिक्रमण किया गया है और उसे हटाने के लिए सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत निराकरण के लिए 272 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि शिकायत के निराकरण में पटवारी द्वारा लापरवाही बरती गई है और समक्ष में भी गलत जानकारी दी गई है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने अतिक्रमण हटाने के निर्देश देने के साथ ही पटवारी का हल्का बदलने के निर्देश भी दिये है।

किरनापुर तहसील के ग्राम दहिगडवा के किसान लक्ष्मण बिसेन द्वारा शिकायत की गई थी कि उनकी माता रादनबाई के नाम से ग्राम धारापुरी में कृषि भूमि है। उनकी माता को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी की 02 किश्तों का भुगतान किया गया है, लेकिन उसके बाद से किश्तों का भुगतान रोक दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की थी और यह शिकायत 315 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि इस प्रकरण के निराकरण में संबंधित पटवारी संकेत राणा द्वारा लापरवाही बरती गई है। जिस पर उसके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है। इस प्रकरण में रादन बाई की सम्मान निधी चालू कराने के निर्देश दिये गए है।

कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ एवं शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में 24 एवं 25 फरवरी 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम' रखा गया है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत भारतीय परंपरा के अनुसार पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं शाल भेंट कर किया गया। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी की संयोजक डॉ. सरोज घोडेश्वर ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा की समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. अजय कुमार गुप्ता (विशेष कर्तव्य अधिकारी, कार्यालय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर) ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। प्रथम विषय विशेषज्ञ के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं हिंदी साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. अवधेश कुमार ने भारतीय साहित्य और परंपरा के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य, शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल पी.जी. महाविद्यालय, सीहोरा) ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की समसामयिक उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार मासुलकर एवं प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने भी अपने प्रेरक उद्बोधन दिए। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक सुश्री प्रीति उइके ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन विजय कुमार तुरकर द्वारा किया गया। भोजनावकाश के पश्चात आयोजित तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। साथ ही महाविद्यालय परिसर में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं श्री अन्न प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित जनों को भारतीय सांस्कृतिक एवं आहार परंपरा से परिचित कराया।

श्री लोकचन्द हरिनखेड़े का दुखद निधन

पद्मेश न्युज। बालाघाट। जय भवानी ट्रांसपोर्ट के संचालक एवं स्वाभिमान पंवार क्षत्रीय समिति कोसमी के पूर्व अध्यक्ष श्री लोकचन्द हरिनखेड़े का स्वर्गवास 24 फरवरी मंगलवार को गया, जिनकी अँतिम यात्रा 25 जनवरी दिन बुधवार को उनके निवास वार्ड नंबर 15 कोसमी से सुबह 10 बजे मोक्ष धाम के लिए निकाली जाएगी।बताया गया कि लोकचन्द हरिनखेड़े बेहद सहज, सरल ,सात्विक और सब के दुखों में सदैव साथ खड़े रहने वाले व्यक्ति थे। उनके आकस्मिक निधन से उन्हें जानने वाले शोकाकुल है।जो अपने पीछे अपना भरापूरा परिवार छोड़कर इस दुनिया से चले गए।उनके इस निधन से उनकी जान-पहचान व अन्य चाहने वालों ने शोक जताते हुए उन्हें श्राद्धांजली दी है।वही उनके इस आकस्मिक निधन पर सर्व समाज के लोगों ने शोक जताया है।

बोधगया, लुंबिनी, काठमांडो सहित 11 पवित्र बुद्धिस्ट स्थलों की यात्रा का आयोजन 25 मार्च से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक सामाजिक धम्म संस्था की जिला शाखा बालाघाट मप्र द्वारा बौद्धों के पवित्र धम्म स्थलों की धम्म यात्रा का आयोजन दिनांक 25 मार्च 2026 से किया गया हैं,जिसमें सारनाथ, बोधगया, विश्व की पहली लोकतांत्रिक नगरी वैशाली, एशिया का सबसे बड़ा केसरिया स्तूप, तथागत की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर, बोधिसत्व सिद्धार्थ की जन्मस्थली लुंबिनी (नेपाल), काठमांड़ो, पोखरा (नेपाल), कपिलवस्तु, तथागत के सबसे अधिक वर्षवास जेतवन अंगुलिमाल गुफा आदि का स्थल श्रावस्ती, महापुरुषों की याद में निर्मित विशाल डॉ.आंबेडकर पार्क लखनऊ आदि स्थलों की लक्झरी यात्रा का आयोजन किया गया है। ,यात्रा में देश के सभी स्थलों की टिकट,मुंबई से संस्था के वरिष्ठ अनुभवी गाइड की व्यवस्था। संस्था द्वारा यात्रा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन करने का अनुरोध सामाजिक बंधुओ से किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समारोह पूर्वक समापन

शिविर में वैशाली, मयूर एवं मानसी हुये पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम कोस्ते में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती गीता हनवत के द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिक पुरूष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। स्वंय सेविका कु. वैशाली पथिक एवं कु. मानसी हेड़ाऊ के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना के मधुर गायन के उपरांत शिवरार्थियों के द्वारा मुख्य अतिथि, प्रमुख अतिथि एवं अध्यक्ष सहित समस्त विशेष अतिथियों का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में स्वागत्वोपरांत स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन ने आयोजित इस शिविर में संपन्न हुई गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया। समारोह की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन ने शिवरार्थियों से अपील की गई की वे राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को पूरा करते हुए शासन की योजनायें की जानकारी जो शिविर में दी गई है उसे जन जन तक पहुंचायें तथा शिविर में संपन्न गतिविधियों को क्रियान्वित रखें। इनसे पूर्व मुख्य अतिथि श्रीमती गीता हनवत के द्वारा श्रमदान को जीवन की उपलब्धि बताते हुए कहा कि शिविर में सिखें गये कार्यो को क्रियान्वित रखें तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस दौरान प्रफुल्ल बिसेन , श्रीमती निर्मला बिसेन राजकुमार चौधरी, संदेश बिसेन, योगेश टेकाम, सत्यप्रकाश बिसेन, कृष्ण कुमार हनवत ने भी सम्बोंधन किया । समारोह में अपने उद्बोधन में शिवरार्थियों को देश के विकास में सहभागिता करने के लिए भी प्रेरित किया गया। शिविर में सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेवक का पुरस्कार मयूर पारधी एवं सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेविका का पुरस्कार कु. वैशाली पथिक को प्रदान किया गया। इसके अतिरिकत सर्वश्रेष्ठ कला का पुरस्कार कु. मानसी हेड़ाऊ को प्रदान किया गया। शिविर एवं समारोह का सफ ल मंच संचालन एवं आभार व्यक्त शिविर संचालक कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। समारोह में शिवरार्थियों के अतिरिक्त वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता मिश्रा एवं डी एस ठाकुर, ग्राम पंचायत सचिव कमल सिंह बल्के सहित ग्राम निवासी महिला पुरूष भारी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर में रात्रिकालीन डी.जे. पर लगाई जाए रोक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में सामाजिक सुधार और जनहित को ध्यान में रखते हुए डहरवाल कलार समाज संगठन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिसको लेकर 24 फरवरी मंगलवार को डहरवाल कलार संगठन के द्वारा एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को सौंपा हैं। उन्होने कहा कि देर रात्रि तक डी.जे. ध्वनि से बच्चों और आम नागरिकों को भारी परेशानियां हो रहीं हैं, इसको लेकर जिला प्रशासन सख्ती अपनाते हुए उन पर कड़ी कार्यवाही की मांग की हैं इस मौके पर जिला अध्यक्ष राजेन्द्र साकरे, संगठनमंत्री शिवाजी बाविस्ताले, दुर्गाप्रसाद बाविस्ताले, परदेशी राठौर, भुपेन्द्र बघेल, रविशंकर मंडलेकर, भुपेन्द्र डहरवाल, उमा शंकर नगरगड़े, पंकज डहरवाल, किशोरी लाल डहरवाल, मेहश बघेल सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रहीं।

10 बजे के बाद लगे डीजे पर रोक

संगठन पदाधिकारी ने बताया कि विगत वर्ष डहरवाल कलार समाज स्तर पर यह निर्णय लिया गया था कि किसी भी सामाजिक व्यक्ति द्वारा अपने बच्चों के विवाह में आयोजित लग्न कार्यक्रम रात्रि अधिकतम 10 बजे तक ही सम्पन्न किए जाएं तथा इसके बाद डी.जे. एवं अन्य तेज ध्वनि वाले उपकरणों का उपयोग पूर्णतः बंद कर करने का निर्णय लिया हैं।हमने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से विनम्र अपील की है कि जनहित में पूरे वर्ष जिले भर में रात्रि 10 बजे के बाद बजने वाले डी.जे. तथा तय ध्वनि सीमा से अधिक शोर करने वालों के खिलाफ सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। संगठन का मानना हैं कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो इसका नकारात्मक

असर समाज की शांति, स्वास्थ्य और आपसी सौहार्द पर पड़ेगा। संगठन ने प्रशासन से यह भी अनुरोध किया है कि आम जनता को जागरूक करने के लिए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से स्पष्ट जनहितकारी एडवाइजरी जारी की जाए, ताकि विवाह एवं अन्य आयोजनों में ध्वनि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके और अनावश्यक ध्वनि प्रदूषण, शराबखोरी एवं दंगे-फसाद जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

आदेशों का हो रहा लगातार उलंघन-साकरे

डहरवाल कलार समाज के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र साकरे ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा आदेश किया गया हैं कि 10 बजे के बाद भी डी.जे. प्रतिबंधत रहेंगा, लेकिन सख्ती जिला प्रशासन के द्वारा नहीं बरती जा रहीं हैं, जिससे आदेश का उल्लंघन करते हुए देर रात्रि तक बजते रहते हैं इस सामाजिक निर्णय के बावजूद कुछ असामाजिक तत्वों एवं अन्य समाज के लोगों द्वारा समय-सीमा का उल्लंघन करते हुए देर रात तक या पूरी रात डी.जे. बजाया जा रहा हैं। इससे न केवल निर्धारित ध्वनि मानकों की अवहेलना हो रही है, बल्कि अत्यधिक शोरगुल के कारण ध्वनि प्रदूषण भी फैल रहा है। आगे कहा कि तेज आवाज की आड़ में शराबखोरी, आपसी विवाद और दंगे-फसाद जैसी घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है, जो समाज और कानून-व्यवस्था दोनों के लिए घातक है।

हिंसा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तृतीय चरण (01 फरवरी 2026 से 08 मार्च 2026) के अंतर्गत जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन एवं हिंसा मुक्त समाज के निर्माण हेतु व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह गतिविधियाँ मिशन शक्ति के तहत वन स्टॉप सेंटर बालाघाट एवं वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा संचालित की गईं। अभियान के अंतर्गत विकासखंड कटंगी की ग्राम पंचायत आम्बेझरी एवं महकेपार, विकासखंड बिरसा की देवगांव एवं पीपरटोला, विकासखंड वारासिवनी की गर्रा एवं रामपायली, विकासखंड किरनापुर की मर्री एवं बम्हनी तथा विकासखंड परसवाड़ा की सालेटेकरी, बेहराभाटा, खापाखेड़ा एवं सुकड़ी ग्राम पंचायतों में विशेष जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यशालाओं के दौरान ग्रामीणों को महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख कानूनों की जानकारी दी गई, जिनमें बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (क्खद्रस्ह) 2012, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 शामिल हैं। प्रतिभागियों को आपातकालीन सहायता हेतु संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर एवं शक्ति सदन की सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि विपत्तिग्रस्त महिलाएं एवं बच्चे आवश्यकता पड़ने पर त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें।

अभियान के तहत ग्राम सभाओं में बाल विवाह रोकथाम को विशेष एजेंडा बनाया गया तथा ग्रामों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने हेतु प्रस्ताव पारित किए गए। संभावित बाल विवाह वाले परिवारों की मैपिंग कर उन्हें समझाइश देने एवं सतत निगरानी रखने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्व-सहायता समूहों एवं युवाओं ने सक्रिय सहभागिता की और बाल विवाह न करने तथा इसकी सूचना संबंधित विभाग को तत्काल देने का संकल्प लिया।

बैहर बस स्टैंड पर रविवार बाजार बना परेशानी का सबब

पद्मेश न्यूज। बैहर। आदिवासी बहुल आरक्षित विधानसभा क्षेत्र बैहर का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों अव्यवस्था का केंद्र बनता जा रहा है। विशेषकर रविवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार यहां के स्थायी छोटे एवं मध्यम दुकानदारों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है।

बस स्टैंड पर वर्षों से व्यवसाय कर रहे

दुकानदारों का कहना है कि उनका अधिकतर कारोबार दूर-दराज से आने वाले बस यात्रियों पर निर्भर करता है। लेकिन रविवार को अवैध रूप से लगने वाली अस्थायी दुकानों, हाथ ठेलों और फर्श पर सजी दुकानों के कारण स्थायी दुकानों तक यात्रियों का पहुंचना कठिन हो जाता है।

अवैध दुकानें और बेतरतीब खड़ी मोटरसाइकिलें

रविवार बाजार के दिन बस स्टैंड परिसर में सैकड़ों मोटरसाइकिलें आड़ी-टेढ़ी तरीके से खड़ी कर दी जाती हैं। इसके साथ ही बसों के खड़े होने वाले स्थान के बीचो-बीच हाथ ठेले और अस्थायी दुकानें लग जाती हैं।स्थिति यह हो जाती है कि यात्री अपनी जरूरत की वस्तुएं खरीदने के लिए दुकानों तक समय पर नहीं पहुंच पाते।बसों का निर्धारित समय होने के कारण यात्री जल्दीबाजी में रहते हैं, लेकिन भीड़ और अव्यवस्था के कारण बस छूट जाती है।कई बार यात्रियों को दूसरी बस से सफर करने के लिए अतिरिक्त किराया देना पड़ता है।

बस चालकों के लिए भी चुनौती

बस चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें भीड़, दुकानों और खड़ी मोटरसाइकिलों के बीच से बस को आगे-पीछे कर दूसरी दिशा में मोड़ना पड़ता है। जरा सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रतिदिन की इस अव्यवस्था में चालक और यात्री दोनों जोखिम उठाने को मजबूर हैं।

सुलभ शौचालय तक पहुंचना भी मुश्किल

बस स्टैंड परिसर में स्थित सुलभ शौचालय तक जाने का मार्ग भी इन्हीं दुकानों और भीड़ के बीच से होकर गुजरता है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से असुविधा का सामना करना पड़ता है।

प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल

स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों का आरोप है कि राजस्व विभाग और नगर परिषद इस समस्या की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन भी नियमित रूप से व्यवस्था सुधारने में सक्रिय भूमिका निभाता नजर नहीं आता। कभी-कभार औपचारिक कार्रवाई जरूर होती है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल सका है।

मोटरसाइकिल स्टैंड की मांग वर्षों से लंबित

नागरिकों की लंबे समय से मांग है कि बस स्टैंड परिसर में व्यवस्थित मोटरसाइकिल स्टैंड बनाया जाए, ताकि वाहन सुव्यवस्थित ढंग से खड़े हों और आवागमन बाधित न हो। यदि समय रहते पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाए और अवैध रूप से लगने वाली दुकानों पर नियंत्रण किया जाए, तो,स्थायी दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित नहीं होगा,यात्रियों को राहत मिलेगी,बस संचालन सुरक्षित और समयबद्ध हो सकेगा।

समय रहते समाधान जरूरी

बैहर बस स्टैंड की यह समस्या नई नहीं है, लेकिन लगातार बढ़ती अव्यवस्था भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे सकती है। जरूरत है कि संबंधित विभाग नगर परिषद, राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन,संयुक्त रूप से ठोस कार्ययोजना बनाएं और शीघ्र अमल करें।आमजन को सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अब निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है।

बीजाटोला में साप्ताहिक बाजार की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बीजाटोला के ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने गांव में साप्ताहिक बाजार प्रारंभ किए जाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीणों में दोहाराम पटले, अशोक तुरकर सहित लगभग एक दर्जन से अधिक लोग शामिल थे। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बीजाटोला के निवासियों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं खरीदने के लिए बाजार हर तक पहुंचने हेतु लगभग 10 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। खराब सड़क और परिवहन सुविधाओं के अभाव में यह दूरी ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अत्यंत कष्टदायक साबित होती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बीजाटोला में ही साप्ताहिक बाजार की व्यवस्था कर दी जाए तो आसपास के गांवों के लोगों को भी सुविधा मिलेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर छोटे व्यापारियों को भी रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बीज टोला में बाजार लगाए जाने की अनुमति प्रदान कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

केंद्रीय केबिनेट ने गोंदिया-जबलपुर डबल लाईन को मंजूरी दी

आज, केंद्रीय कैबिनेट ने गोंदिया -जबलपुर डबल रेल लाईन की महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी प्रदान की है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 5,236 करोड़ रुपये है. जहां यह परियोजना महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, यात्रियों और माल ढुलाई की क्षमता में भारी वृद्धि करेगी, तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी.वहीं डबल लाईन के बन जाने से बालाघाट की विकास यात्रा भी दुगुने वेग से आगे बढ़ सकती है. प्रस्तावित ट्रेक क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें जबलपुर के कचनार शिव मंदिर, बालाघाट में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, गंगुलपारा बांध और जलप्रपात, लाँजी का अन्यतम कोटश्वर महादेव मंदिर, हट्टा की प्राचीन बावड़ी, बालाघाट का दुर्लभ प्राकृतिक पर्यटन, रमरमा प्राकृतिक क्षेत्र, सोनेवानी अभ्यारण्य, लांजी का प्राचीन किला, प्राचीन माँ लंजकाई मंदिर, बैहर का विख्यात जोड़ापाट मंदिर सहित पेंच राष्ट्रीय उद्यान, धुआंधार जलप्रपात, बरगी बांध, गोमजी-सोमजी मंदिर, चंदिल बांध, दलमा हिल टॉप, हेसाकोचा जलप्रपात, रायजामा घाटी, दलमा वन्यजीव अभ्यारण्य आदि शामिल हैं।यह डबल लाईन परियोजना कोयला, इस्पात, तांबा अयस्क,लौह अयस्क, सीमेंट, बाक्साईट , कवेलू, बांस, गिट्टी और पत्थर के टुकड़े, फ्लाई ऐश, उर्वरक, चूना पत्थर, मैंगनीज, डोलोमाइट, खाद्यान्न, सार्वजनिक तेल और उत्पाद पीओएल जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए आवश्यक मार्गहो जायेगा । इन रेल मार्गो के क्षमता वर्धन से प्रति वर्ष 52 मिलियन टन (एमटीपीए) की अतिरिक्त माल ढुलाई हो सकेगी।

गोंदिया -जबलपुर रेल सेक्शन को मिलेगी नई रफ्तार, अब उत्तर और दक्षिण भारत के बीच 292 किमी की दूरी कम होगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में रेलवे लाइनों की क्षमता बढ़ाने हेतु तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इसी क्रम में गोंदिया से जबलपुर तक डबल लाइन बिछाने की महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिली है। इस परियोजना में गोंदिया से जबलपुर तक डबल लाइन के लिए 5,236 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। गोंदिया-जबलपुर रेलखंड लंबे समय से सिंगल लाइन होने के कारण ट्रेनों के संचालन में देरी और यातायात दबाव की समस्या झेल रहा था। वर्षों से क्षेत्रवासियों द्वारा इस मार्ग पर डबल लाइन की मांग की जा रही थी। डबल लाइन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ट्रेनों की आवाजाही सुगम होगी, मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ सकेगी तथा समयबद्ध संचालन संभव हो पाएगा। इससे क्षेत्र के व्यापार, उद्योग और आमजन को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्वीकृत योजनाओं में गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, पुनारख-किऊल तीसरी और चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में फैली इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 307 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग कार्य से लगभग 5,407 गांवों के करीब 98 लाख लोगों को बेहतर रेल संपर्क का लाभ मिलेगा। गोंदिया से जबलपुर तक डबल लाइन बिछाने के लिए 5,236 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसे जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और यात्री तथा मालगाड़ियों की भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। क्षमता वृद्धि के बाद कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क मजबूत होगा।

उत्तर से दक्षिण के लिए वैकल्पिक सीधा कॉरिडोर

उल्लेखनीय है कि जबलपुर-गोंदिया परियोजना रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में उत्तर भारत, विशेषकर प्रयागराज, काशी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के रेवांचल क्षेत्र से दक्षिण भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों का पारंपरिक मार्ग जबलपुर-इटारसी-नागपुर होते हुए आगे बढ़ता है, जो अपेक्षाकृत लंबा पड़ता है। यदि कटनी-जबलपुर-गोंदिया-चांदा फोर्ट-बल्लारशाह होते हुए आगे सिकंदराबाद की ओर सीधा समानांतर कॉरिडोर विकसित किया जाता है, तो उत्तर से दक्षिण के बीच एक डायरेक्ट पैरेलल मार्ग तैयार होगा। इससे न केवल दूरी कम होगी, बल्कि रेल यातायात की क्षमता भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी।

231 किमी लंबी परियोजना, 5236 करोड़ का निवेश

रेल मंत्री के अनुसार, जबलपुर से गोंदिया तक लगभग 231 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट पर कुल 5,236 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। यह परियोजना महाराष्ट्र के गोंदिया जिले तथा मध्य प्रदेश के जबलपुर, मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों को सीधे लाभान्वित करेगी। इनमें मंडला, सिवनी और बालाघाट के कई हिस्से आदिवासी बहुल क्षेत्र हैं, जहां बेहतर रेल कनेक्टिविटी से आर्थिक और सामाजिक विकास को गति मिलेगी।

वन्यजीव संरक्षण के विशेष प्रावधान

रेल मंत्री ने बताया कि यह रेलमार्ग कुछ वन्यजीव क्षेत्रों से होकर गुजरता है। इसलिए परियोजना में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें अंडरपास, फेंसिंग और अन्य संरचनात्मक व्यवस्थाएं शामिल हैं, जिन्हें पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सहयोग से तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी को मजबूती

रेल मंत्री ने कहा कि यह परियोजना वाराणसी प्रयागराज से लेकर चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद तक उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी को मजबूत करने की व्यापक योजना का हिस्सा है। इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों दोनों के संचालन में सुगमता आएगी तथा रेल नेटवर्क की समग्र क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। जबलपुर-गोंदिया रेल परियोजना को उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक सशक्त, वैकल्पिक और आधुनिक रेल कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

रामायण सर्किट को मिलेगा बल

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि स्वीकृत रेल परियोजनाएं केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धार्मिक, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देंगी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर उत्तर में स्थित अयोध्या से लेकर दक्षिण के रामेश्वरम तक रामायण सर्किट को मजबूत आधार मिलेगा। डबल लाइन कॉरिडोर बनने से अयोध्या से रामेश्वरम तक सीधी और सुगम रेल कनेक्टिविटी विकसित होगी, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। मंत्री ने कहा कि इससे देश के दो प्रमुख धार्मिक आस्था केंद्र आपस में अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ सकेंगे।

24 घंटे के भीतर रेस्टोरेंट चोरी का खुलासा

कोतवाली पुलिस की सफल कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली ने नगर के पुलिस काली पुतली समीप संचालित शंकर रेस्टोरेंट में हुई चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिये। इस रेस्टोरेंट से रुपए चोरी करने के आरोप में एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर उसके पास से मोबाइल और नगद राशि जप्त कर ली गई है। इस विधि विरुद्ध बालक के वयस्क साथी की तलाश की जा रही है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक नगर के काली पुतली चौक समीप स्थित शंकर भोजनालय में 21 फरवरी एवं से 22 फरवरी की दरमियानी रात काउंटर का ताला तोड़कर नगदी राशि चोरी किए जाने की घटना सामने आई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की।50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने शहर के विभिन्न मार्गों एवं संभावित रूटों पर लगे लगभग 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से निरीक्षण किया। तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान सुनिश्चित की गई। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले का सफल खुलासा कर लिया।प्रकरण में एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। उसके कब्जे से चोरी गया मोबाइल फोन एवं नगदी राशि बरामद की गई है। बालक को विधिवत माननीय बाल न्यायालय, बालाघाट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।मामले में संलिप्त एक अन्य वयस्क सहयोगी आरोपी की पहचान कर ली गई है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इनकी सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती, सहायक उप निरीक्षक अजय डहरिया, सहायक उप निरीक्षक रामकिशोर राहंगडाले, आरक्षक शहजाद शेख सहित थाना कोतवाली बालाघाट के समस्त स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

किरनापुर से एक मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरु कृपा बस के संचालक कमल नारायण शर्मा के निवास किरनापुर से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। जिसकी कीमत 35 हजार रुपये बताई गई है किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरु कृपा बस के संचालक कमल नारायण शर्मा के पुत्र राकेश शर्मा जो आर ओ वाटर सप्लाई का काम करते हैं। 23 फरवरी की रात्रि 9:00 बजे राकेश शर्मा ने अपने घर के सामने टीन शेड के नीचे मोटरसाइकिल खड़ी कर दी थी रात्रि 11 बजे तक मोटरसाइकिल टीन शेड में खड़ी थी। किंतु 24 फरवरी को सुबह 7 बजे जब राकेश शर्मा सो कर उठे देख टीन शेड में मोटरसाइकिल नहीं थी। उन्होंने आसपास मोटरसाइकिल की खोजबीन किये किंतु मोटरसाइकिल नहीं मिली। इस मोटरसाइकिल को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। एक युवक द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करके ले जाने की इस घटना को वहा लगे सीसीटीवी कमरे ने भी कैद किया है। चोरी गई मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एम वाय 1266 की कीमत 35 हजार रुपए बताई गई है। किरनापुर पुलिस ने राकेश शर्मा 35 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ट्रेन की चपेट में आने से बिहार राज्य के युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर रेलवे लाइन पर स्थित समनापुर से 4 किलोमीटर आगे एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। संभवत है यह घटना 24 फरवरी को सुबह गोंदिया से जबलपुर की ओर जाने वाली ट्रेन से होने की संभावना की गई है। । दोपहर में सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेन की चपेट में आने से युवक की क्षत-विक्षत लाश बरामद की। मृतक के बैग में मिले दस्तावेजों से इस युवक का नाम आदित्य पिता हरिवंश राय यादव 24 वर्ष बिहार राज्य के वैशाली जिला निवासी बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 24 फरवरी को 11 बजे करीब समनापुर से 4 किलोमीटर दूर जबलपुर रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक क्षतविक्षत लाश देखी गई। दोपहर में सूचना मिलते है ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और मौके की कार्रवाई की।। वाहन के लिए मोके पर पहुचने के लिए रास्ता नहीं होने से ग्रामीण पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से लाश को जोंगा में रखकर रोड पर लाये। और वहा से पिकअप से पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पहुंचाएं। युवक की लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दी गई है। इस युवक के बैग में मिले दस्तावेज से यह युवक आदित्य कुमार पिता हरिवंश राय यादव 24 वर्ष बिहार राज्य के जिला वैशाली के किसी गांव का निवासी बताया गया है। यह भी बताया गया है कि यह युवक हैदराबाद में नीट की तैयारी कर रहा था और वह हैदराबाद से बिहार जाने के लिए ट्रेन में बैठा था संभावना व्यक्त की गई है कि 24 फरवरी को सुबह 4 बजे बालाघाट से होकर गुजरने वाली इतवारी रीवा एक्सप्रेस से यह घटना होने की संभावना है। यह युवक चलती ट्रेन से गिरा या फिर अचानक ट्रेन के सामने आने से वह ट्रेन की चपेट में आया। अभी यह पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक युवक के पास से मिले दस्तावेज से उनके परिजनों का मोबाइल नंबर भी मिला है। ग्रामीण पुलिस ने उन्हें सूचित कर लिए हैं और वे बिहार से बालाघाट आने के लिए निकल चुके थे। परिजनों के आने के बाद ही पूर्ण रूप से घटना स्पष्ट होने की संभावना है। 25 फरवरी को परिजनों के आने के बाद ही इस युवक के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। ग्रामीण पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

आवश्यकता है
दुर्गा नारायणी प्राय/एशोसिएशन में
1. फिल्ड ऑफिसर - 08 पद महिला/पुरूष
2. लोन अधिकारी - 04 पद महिला/पुरूष
3. बचत समूह - 04 पद महिला/पुरूष
-सम्पर्क करें-
लालबर्रा एवं किरनापुर प्राय के लिए
मो. 9420866259, 9131611735

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट